MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 11 फरवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-41

पाक के इशारे पर बांग्लादेश से अमेरिका की 0% डील

दग़ा किसी का सगा नहीं!

नई दिल्ली, 10 फ़रवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले चुनाव से कुछ ही दिन पहले अमेरिका के साथ सीक्रेट डील हुई है। 9 फरवरी को दोनों देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। नतीजतन बांग्लादेशी वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ पहले के 20 फीसदी से 1 प्रतिशत घटकर अब 19 प्रतिशत रह गया है।

वहीं, बांग्लादेश से करीब 8 दिन पहले यानी 2 फरवरी को भारत की भी अमेरिका से ट्रेड डील हुई, जिसमें भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका ने 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी टैरिफ कर दिया गया। अब भारत और बांग्लादेश दोनों की अमेरिका से हुई ट्रेड डील की तुलना हो रही है।

ढाका द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बांग्लादेश की ओर से वाणिज्य सलाहकार शेख बशीर उद्दीन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलुर रहमान ने, जबकि अमेरिका की ओर से अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि राजदूत जेमिसन ग्रीर ने इस कारोबारी समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने कहा कि यह समझौता रोजगार की रक्षा करने और वैश्विक कपड़ा आपूर्ति शृंखला में बांग्लादेश की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। बीते दो फरवरी को ही भारत और अमेरिका ने एक नई ट्रेड डील का ऐलान किया था।

क्या है खास: जीरो टैरिफ का लाभ

सोमवार रात 10 बजे बांग्लादेश और अमेरिका ने एक टैरिफ समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके बाद बांग्लादेशी निर्यात पर मौजूदा शुल्क में एक प्रतिशत की कमी की गई है। परिणामस्वरूप, बांग्लादेशी उत्पादों पर शुल्क 20 प्रतिशत से घटकर 19 प्रतिशत हो गया है। टैरिफ में 19 प्रतिशत की कमी बांग्लादेश के लिए अच्छी खबर है।

शुरुआत में डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले साल अप्रैल में इस एशियाई देश पर 37 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। इसे पिछले साल अगस्त में घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया था।

समझौते पर हस्ताक्षर के बाद यूनुस ने सोशल मीडिया एक्स पर एक बयान में कहा–अमेरिका ने बांग्लादेश से कुछ ऐसे वस्त्र और परिधान उत्पादों के लिए एक तंत्र स्थापित करने की प्रतिबद्धता जताई है, जिनमें अमेरिकी निर्मित कपास और कृत्रिम फाइबर का उपयोग किया गया है, ताकि अमेरिकी बाजार में उन पर कोई पारस्परिक टैरिफ न लगे।

उन्होंने कहा–पारस्परिक शुल्क को 20 प्रतिशत से घटाकर 19 प्रतिशत करने से हमारे निर्यातकों को और अधिक लाभ मिलेगा, वहीं बांग्लादेश से कुछ विशिष्ट वस्त्र और परिधान निर्यात पर जीरो टैरिफ से हमारे वस्त्र क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिलेगा।

बांग्लादेश से आने वाले औषधीय उत्पादों को भी अमेरिकी बाजार में शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा। मछली और पेपरबोर्ड सहित अन्य वस्तुओं पर भी शून्य शुल्क लागू होगा।

यहां यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि अमेरिकी कपास या कृत्रिम रेशे से बने बांग्लादेशी वस्त्रों पर शून्य फीसदी शुल्क लगेगा, जबकि भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले वस्त्रों पर 18 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इससे ढाका को भारत पर बढ़त मिलती है। भारत अमेरिका से 200 मिलियन डॉलर तो वहीं बांग्लादेश 250 मिलियन डॉलर की कपास खरीदता है। ऐसे में भारत को जहाँ 18% टैरिफ देने का नुकसान उठाना पड़ेगा, जबकि बांग्लादेश को अपने कपड़ों को जीरो टैक्स पर बेचने की सुविधा मिल गई है। इससे बांग्लादेश के मुकाबले भारतीय कपड़ा इंडस्ट्री को नुकसान हो सकता है।

पाकिस्तान कनेक्शन संयोग या साजिश?

डिफेंस एनालिस्ट लेफ्टिनेंट कर्नल (रि.) जेएस सोढ़ी के मुताबिक, बांग्लादेश–अमेरिका समझौते के अनुसार, बांग्लादेशी वस्तुओं पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। वहीं, अमेरिका को निर्यात की जाने वाली भारतीय वस्तुओं पर 18 प्रतिशत टैरिफ निर्धारित किया गया है।

संयोगवश, बांग्लादेश पर लगने वाला अमेरिकी टैरिफ 19 प्रतिशत पाकिस्तान पर लगने वाले टैरिफ के समान है। अन्य जिन देशों पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगता है, उनमें मलेशिया और थाईलैंड शामिल हैं।

लेफ्टिनेंट कर्नल (रि.) जेएस सोढ़ी के अनुसार, बांग्लादेश–अमेरिका की ट्रेड को लेकर एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या बांग्लादेश की ऐसी डील पाकिस्तान के इशारे पर की गई है। दरअसल, बांग्लादेश में भारत विरोधी मोहम्मद यूनुस सरकार की नजदीकियां पाकिस्तान और चीन के साथ ज्यादा बढ़ गई हैं।

यहां तक कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भी बांग्लादेश में अपनी पैठ बनाने में लगी हुई है। वहीं, बांग्लादेश ने चीन से निकटता बढ़ाकर सैन्य ड्रोन फैक्ट्री लगाने की डील कर ली है। सोढ़ी के मुताबिक, कोई बड़ी बात नहीं कि ऐसी डील पाकिस्तान के इशारे पर हुई हो, क्योंकि कुछ भी अमेरिका पाकिस्तान को अपना करीबी दोस्त मानता आया है।

▶10पर

अविश्वास प्रस्ताव फैसला होने तक नहीं बैठेंगे कुर्सी पर

ओम 'विरला'

नयी दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा सचिवालय को सौंपा। यह नोटिस कांग्रेस के मुख्य सचेतक के. सुरेश ने लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह को उनके कार्यालय में जाकर दिया।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, इस प्रस्ताव पर कुल 118 लोकसभा सदस्यों के हस्ताक्षर हैं, जबकि लोकसभा में कांग्रेस सांसदों की संख्या 99 है।

अनुच्छेद 94(सी) के तहत दिया गया नोटिस

विपक्ष द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध दायर इस अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में लगाए गए आरोपों की नियमों के अनुसार जाँच की जाएगी। जाँच प्रक्रिया पूरी होने के बाद सचिवालय आगे की कार्रवाई पर विचार करेगा।

सूत्रों के अनुसार यह नोटिस संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत दिया गया है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि लोकसभा अध्यक्ष सदन की कार्यवाही पक्षपातपूर्ण तरीके से संचालित कर रहे हैं।

विपक्ष का आरोप: सत्ता पक्ष को तरजीह विपक्ष को रोका गया

नोटिस में कहा गया है कि अध्यक्ष सत्ता पक्ष के सदस्यों को सदन में बोलने के लिए पर्याप्त समय देते हैं, जबकि विपक्षी नेताओं को बोलने का अवसर नहीं दिया जाता। विपक्ष का आरोप है कि उन्हें बार–बार और अनावश्यक रूप से रोका और टोका गया। ▶10पर

AI पोस्ट से कर लो तौबा

डीपफेक पर नियम और सख्त, अब लिखना होगा बनावटी कंटेंट

नयी दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने डीपफेक सहित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार और बनावटी सामग्री पर शिकंजा कसते हुए ऑनलाइन मंचों के लिए और सख्त नियम लागू कर दिए हैं। नए नियमों के तहत एक्स (पूर्व ट्विटर), इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया मंचों को सक्षम अधिकारी या अदालत के निर्देश पर ऐसी सामग्री को अब तीन घंटे के भीतर हटाना अनिवार्य होगा।सरकार ने इसके लिए सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में संशोधन अधिसूचित किया है। ये नए नियम 20 फरवरी, 2026 से लागू होंगे।

एआई और बनावटी कंटेंट की औपचारिक परिभाषा तय

संशोधनों के जरिए पहली बार औपचारिक रूप से एआई से तैयार और बनावटी कंटेंट को परिभाषित किया गया है। इसमें ध्वनि, दृश्य या ध्वनि–दृश्य जानकारी और बनावटी रूप से तैयार की गई जानकारी शामिल है, जो एआई द्वारा निर्मित या परिवर्तित होती है और वास्तविक या प्रामाणिक प्रतीत होती है।

हालांकि, सामान्य संपादन, कंटेंट को बेहतर बनाने, तथा नेक नीयत से किए गए शैक्षिक या डिजाइन कार्यों को इस परिभाषा से बाहर रखा गया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अब बनावटी सामग्री को भी सूचना माना जाएगा और आईटी नियमों के तहत गैरकानूनी गतिविधियों के निर्धारण में एआई –जनित सामग्री को अन्य सूचनाओं के समान ही देखा जाएगा।

36 घंटे की जगह 3 घंटे में कार्रवाई अनिवार्य

नए नियमों के तहत सोशल मीडिया मंचों को अब किसी सरकारी या अदालती आदेश पर 36 घंटे के बजाय केवल तीन घंटे में कार्रवाई करनी होगी। इसके साथ ही, उपयोगकर्ताओं की शिकायतों के निवारण की समयसीमा भी घटा दी गई है। नियमों में यह भी अनिवार्य किया गया है कि एआई –जनित या बनावटी सामग्री पर स्पष्ट और प्रमुख लेबलिंग की जाए। जहाँ तकनीकी रूप से संभव हो, वहां इसे स्थायी मेटाडेटा या पहचानकर्ताओं से जोड़ा जाएगा।

अधिसूचना में कहा गया है कि एक बार एआई लेबल या मेटाडेटा लगाए जाने के बाद, मध्यवर्ती उसे हटाने या छिपाने की अनुमति नहीं दे सकते।सरकार ने स्पष्ट किया है कि बच्चों, निजी डेटा, फर्जी सरकारी दस्तावेज़ों और हिंसा से जुड़े एआई –जनरेटेड कंटेंट पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया मंचों को किसी शिकायत या आदेश का इंतजार किए बिना तत्काल कार्रवाई करनी होगी।

250 करोड़ का लड्डू घोटाला

ईडी ने तिरुपति मिलावट मामले में मनी लॉन्ड्रिंग जाँच शुरू की

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तिरुपति लड्डू मिलावट मामले में औपचारिक रूप से प्रवेश कर लिया है। एजेंसी ने प्रतिष्ठित प्रसादम के लिए घी की खरीद में हुई अनियमितताओं से जुड़े बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच के लिए प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है।

सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी ने इस मामले में नामजद आरोपियों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत ईसीआईआर दर्ज की है। ईडी की यह कार्रवाई सीबीआई के नेतृत्व वाली विशेष जाँच टीम (एसआईटी) द्वारा पहले दाखिल की गई चार्जशीट के बाद हुई है, जिसमें तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को घी की आपूर्ति से जुड़ी वित्तीय गड़बड़ियों का खुलासा किया गया था। जाँचकर्ता उन आरोपों की पड़ताल कर रहे हैं जिनमें निजी डेयरी फर्मों और बिचौलियों द्वारा घी के टेंडर और गुणवत्ता मंजूरी को प्रभावित करने के लिए हवाला चैनलों के माध्यम से रिश्वत देने की बात कही गई है।

36 आरोपी नामजद और 250 करोड़ का संदिग्ध लेन–देन

एसआईटी ने 23 जनवरी को नेल्लोर जिले की एक अदालत में अपनी चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें डेयरी कंपनियों के निदेशकों और बिचौलियों सहित 36 लोगों को आरोपी बनाया गया है। जाँच में आरोप लगाया गया है कि लगभग 250 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन–देन के लिए शेल (फर्जी) कंपनियों का इस्तेमाल किया गया था। आरोप है कि घटिया आपूर्ति को मंजूरी दिलाने के लिए टीटीडी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी, जिससे लड्डू बनाने के लिए शुद्ध घी के नाम पर वनस्पति तेल और रसायनों के मिश्रण का उपयोग किया गया।

राजनीतिक विवाद और प्रशासनिक समीक्षा

यह मामला 2019 से 2024 के बीच का है, जब वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सत्ता में थी। आंध्र प्रदेश सरकार ने एसआईटी की रिपोर्ट की व्यापक समीक्षा के लिए एक सदस्यीय समिति का गठन किया है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने 5 फरवरी को कहा था कि यह पैनल खामियों की पहचान करेगा ▶10पर

मकतल भाजपा उम्मीदवार की आत्महत्या पर सवाल

संसद से सड़क तक बवाल

हैदराबाद/नारायणपेट, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नारायणपेट जिले की मकतल नगरपालिका के वार्ड संख्या 6 से भाजपा उम्मीदवार ईरुक्ला महादेवप्पा ने कथित तौर पर प्रतिद्वंद्वी के दबाव में आकर आत्महत्या कर ली है। भाजपा का आरोप है कि महादेवप्पा पर चुनाव से नाम वापस लेने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था। इस घटना ने तेलंगाना की राजनीति में भूचाल ला दिया है और भाजपा ने इसके लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को जिम्मेदार ठहराया है।

राज्य भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने एक्स पर पोस्ट कर इस घटना की निंदा की। उन्होंने कहा, कांग्रेस की आदिवासी विरोधी मानसिकता किसी से छिपी नहीं है। एक जमीनी स्तर के आदिवासी नेता को डराना–धमकाना उनकी आदत बन गई है। भाजपा का दावा है कि महादेवप्पा ने अपनी पत्नी से कहा था कि सत्ताधारी दल उन्हें जीतने के बाद भी परेशान करेगा। इसी मानसिक प्रताड़ना और माफिया–शैली की धमकी के कारण उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया।

डीजीपी कार्यालय का घेराव और पुलिस से झड़प

घटना के विरोध में मंगलवार को हैदराबाद में भारी तनाव देखा गया। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डीजीपी कार्यालय का घेराव करने की कोशिश की, जिससे पुलिस के साथ उनकी तीखी नोकझोंक और धक्का–मुक्की हुई। इस हंगामे के दौरान खैरताबाद की डीसीपी शिल्पावल्ली जमीन पर गिर गईं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।

राज्यसभा में गूंजा मुद्दा

भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने इस मुद्दे को उच्च सदन (राज्यसभा) में उठाया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत विचलित करने वाली बात है कि मुख्यमंत्री के गृह जिले में एक एसटी उम्मीदवार को आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा। लक्ष्मण ने सवाल किया कि जो राहुल गांधी संविधान की किताब लेकर घूमते हैं, वे इस लोकतांत्रिक हत्या पर चुप क्यों हैं? उन्होंने दोषियों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई और जवाबदेही तय करने की मांग की है।

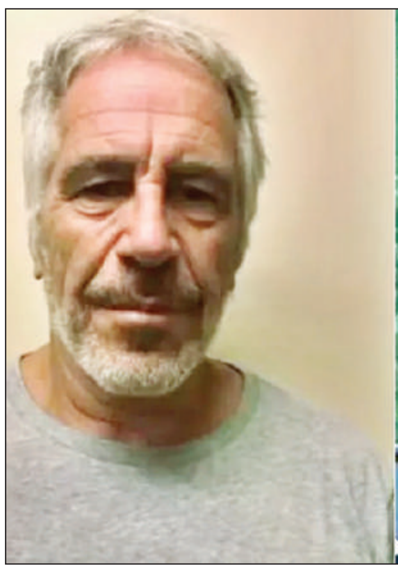

क्या इजराइल का जासूस था यौन अपराधी अरबपति एपस्टीन

वाशिंगटन, 10 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका का कुख्यात यौन अपराधी अरबपति जेफरी एपस्टीन को लेकर फिर नया विवाद खड़ा हो गया है। हाल ही में सामने आए अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के एक दस्तावेज में दावा किया गया है कि एपस्टीन को कथित तौर पर पूर्व इजरायली प्रधानमंत्री एहुद बराक के तहत जासूस के रूप में ट्रेनिंग दी गई थी। लेकिन इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर कहा है कि एपस्टीन का इजरायल के लिए काम करने का कोई सबूत नहीं है।

यह दस्तावेज एफबीआई की एक गोपनीय सूत्र रिपोर्ट का हिस्सा बताया जा रहा है। इसमें अमेरिकी चुनावी प्रक्रिया पर विदेशी प्रभाव से जुड़ी खुफिया जानकारी दर्ज थी, लेकिन सूत्र ने एपस्टीन से जुड़े कई अन्य दावे भी साझा किए। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्र ने हार्वर्ड ला प्रोफेसर एलन डर्शोविट्ज और एपस्टीन के बीच हुई फोन काल की बातें नोट कीं और कहा कि इन बातचीत की जानकारी इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद तक पहुंचाई जाती थी।

रिपोर्ट में दावा किया गया कि सूत्र को सुनाई गई बातचीत के आधार पर यह धारणा बनी कि एपस्टीन मोसाद का सहयोगी एजेंट हो सकता है। इसी दौरान कथित तौर पर कहा गया कि एपस्टीन अमेरिकी और सहयोगी देशों की खुफिया एजेंसियों से जुड़ा हुआ था। हालांकि यह सभी दावे एक ही सूत्र पर आधारित हैं और इनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। दस्तावेज में अन्य विवादित आरोप भी शामिल हैं। इसमें हार्वर्ड ला प्रोफेसर डर्शोविट्ज के मोसाद से संबंध होने का दावा, सिलिकान वैली की एक वेंचर फर्म पर तकनीक चोरी के आरोप, और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के परिवार के इजरायल से गहरे रिश्तों का जिक्र है। लेकिन इन आरोपों का भी कोई ठोस प्रमाण सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है।

दूसरी ओर एपस्टीन और बराक के बीच रिश्तों को लेकर पहले भी चर्चा होती रही है। दोनों के बीच लंबे समय तक संपर्क रहा और खुद बराक ने इस बात को स्वीकार किया है कि वे कई बार एपस्टीन से मिले थे, हालांकि उन्होंने किसी भी गलत काम से इंकार किया।

इस संवेदनशील मुद्दे पर प्रतिक्रिया देकर पीएम नेतन्याहू ने कहा कि एपस्टीन और बराक के बीच करीबी संबंध होने का मतलब यह नहीं कि एपस्टीन इजरायल के लिए काम करता था। उन्होंने बराक पर राजनीतिक हमला कर आरोप लगाया कि वे लंबे समय से उनकी सरकार को कमजोर करने की कोशिश करते रहे हैं। कुल मिलाकर, एपस्टीन को जासूस बताने वाला दावा अभी तक केवल खुफिया सूत्र की रिपोर्ट तक सीमित है। इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, जबकि इजरायली सरकार ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

जापान की अर्थनीति में ताकाइची ने दिए बड़े बदलाव के संकेत

टोक्यो। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने देश की अर्थनीति में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। प्रतिनिधि सभा के चुनाव में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की जीत के बाद सोमवार को अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में ताकाइची ने कहा कि चुनाव में जनता ने हमें आर्थिक नीतियों में बदलाव के लिए चुना है। जापान टुडे की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री ताकाइची ने कहा कि जापान को ज्यादा फिस्कल सख्ती (घाटे को कम करने के लिए खर्चों में कटौती करना और राजस्व बढ़ाना) से हटकर जिम्मेदार लेकिन एग्रेसिव फिस्कल पालिसी (आक्रामक राजकोषीय नीति) लागू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार अर्थ अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए हर कोशिश करेगी। ताकाइची ने एलडीपी के वादे शांतिवादी संविधान में बदलाव करने की दिशा में काम करने की भी इच्छा जताई। उन्होंने कहा एलडीपी को नीतिगत बदलाव के साथ आगे बढ़ने का जनादेश मिला है। एलडीपी जनता का दिल से आभार व्यक्त करती है। अक्टूबर में पद संभालने के बाद ताकाइची की एलडीपी र जेआईपी को मिलाकर 352 सीटें मिलीं हैं। इनमें एक निर्दलीय सदस्य भी शामिल है। एलडीपी को 316 सीटें मिली हैं, जो पहले की 198 सीटों से ज्यादा हैं, जबकि जेआईपी ने अपनी सीटों की संख्या दो बढ़ाकर 36 कर ली।

कंगाल पाकिस्तान बलूचों के खिलाफ आर-पार के मूड में.........रेको डिक खदान में निवेश कर चुकी कंपनियों का दबाव

इस्लामाबाद। कंगाल पाकिस्तान अपनी डूबती अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए बलूचिस्तान का सौदा कर रहा है। पाकिस्तान वहां की बेशकीमती रेको डिक खदान को दूसरे देशों को सौंपने का पूरा प्लान तैयार कर चुका है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के हमलों से डरी शहबाज शरीफ सरकार ने अब एक नई चाल चली है। पाकिस्तानी सरकार ने अमेरिका और कनाडा को खुश करने के लिए बलूचिस्तान में एक स्पेशल फोर्स तैनात करने और इंटेलिजेंस नेटवर्क को मजबूत करने का फैसला किया है। मामला तब गरमाया, जब कनाडा की कंपनी बैरिक माइनिंग कार्पोरेशन ने पाकिस्तान को चेतावनी दे दी। दरअसल कनाडाई कंपनी ने साफ कहा कि वहां अरबों डालर के रेको डिक प्रोजेक्ट की सुरक्षा समीक्षा तुरंत शुरू करेगी। बता दें कि हाल ही में बीएलए की ओर से किए गए भीषण हमलों में 36 नागरिक और 22 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी मारे गए। इन हमलों से विदेशी निवेशकों को डर है कि उनका पैसा बलूचिस्तान में डूब सकता है। इतना ही उन्हें अपने नागरिकों की जान का जोखिम भी दिख रहा है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में प्रोजेक्ट वाल्ट के तहत रेको डिक में 1.3 अरब डालर के निवेश का ऐलान किया है। भिखारी पाकिस्तान के लिए इतनी बड़ी रकम किसी संजीवनी बूटी से कम नहीं है। डालर की इस बारिश के बीच बीएलए न सिर्फ चट्टान बनकर खड़ा हो गया है बल्कि वहां पाकिस्तानी आर्मी के बेस तक पर हमले कर रहा है।

अमेरिका के दबाव को सख्ती से खारिज करते हुए ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के दबाव को सख्ती से खारिज करते हुए कहा है कि वो अपना यूरेनियम

संवर्धन (यूरेनियम इनरिचमेंट) प्रोग्राम किसी भी हाल में नहीं छोड़ेगा, चाहे उसे सैन्य धमकियां मिलें या नए प्रतिबंध लगाए जाएं। तेहरान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान को डराकर उसकी परमाणु नीति नहीं बदली जा सकती और अमेरिका की मंशा पर हमें भरोसा नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब कई सालों बाद ईरान और अमेरिका के बीच ओमान में बातचीत फिर से शुरू हुई है। ईरान चाहता है कि उस पर लगे कड़े आर्थिक प्रतिबंध हटें, जबकि अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक चाहता है। अराघची ने साफ कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान के लिए किसी भी हालत में समझौते का मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश को यह अधिकार नहीं है कि वह ईरान को बताए कि उसे क्या करना चाहिए, भले ही युद्ध की धमकी क्यों न दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य तैनाती, जैसे कि स्स् अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर की मौजूदगी, ईरान को डराने में नाकाम रहेगी। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका पर भरोसा करना मुश्किल है और यह साफ नहीं है कि वाशिंगटन सच में डिप्लोमेटिक हल चाहता भी है या नहीं।

सऊदी में कैमल पासपोर्ट लान्च, पहचान रिकार्ड व स्वास्थ्य की जानकारी होगी दर्ज

देश में ऊंट सिर्फ जानवर नहीं, ट्रांसपोर्ट से लेकर वहां की संस्कृति का अहम हिस्सा

रियाद, 10 फरवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब में अब ऊंटों को भी पासपोर्ट जारी किया जाएगा। यह कदम ऊंटों से जुड़े पूरे सेक्टर को सही तरीके से संगठित करने और उसे आधुनिक बनाने के लिए उठाया गया है। यह पहल देश की सऊदी विजन 2030 योजना का हिस्सा है। सऊदी अरब के उप पर्यावरण, जल और कृषि मंत्री मंसूर अलमुशैती ने इसकी औपचारिक घोषणा की, जिसमें बताया गया कि देश ने आधिकारिक रूप से कैमल पासपोर्ट लान्च कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंसूर अलमुशैती ने बताया कि इस पासपोर्ट से ऊंटों की पहचान, रिकार्ड और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दर्ज की जा सकेगी। इससे सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ेगी और ऊंटों की खरीद-बिक्री में भरोसा भी मजबूत होगा। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर ऊंट पासपोर्ट की तस्वीर भी साझा की, जिसमें हरे रंग का पासपोर्ट और उस पर देश का चिन्ह और ऊंट की सोने जैसी छवि दिखाई गई है। अनुमान है कि 2024 में देश में करीब 2.2 मिलियन ऊंट हैं, और धीरे-धीरे सभी को इस सिस्टम में शामिल किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक अरब दुनिया में ऊंट सिर्फ जानवर नहीं, बल्कि ट्रांसपोर्ट से लेकर वहां की संस्कृति तक का अहम हिस्सा हैं। सऊदी अरब में लोग ऊंटों के मालिक होते हैं, उन्हें पालते हैं और जरूरत पड़ने पर परिवहन के लिए भी इस्तेमाल करते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए ऊंटों के लिए बनाया गया पासपोर्ट अब उनकी आधिकारिक और मान्य पहचान का दस्तावेज बनेगा। इस पासपोर्ट में हर ऊंट की स्वास्थ्य और रेग्युलेटरी जानकारी दर्ज होगी, ताकि उसकी देखभाल आसानी से की जा सके। मंसूर अलमुशैती ने बताया कि इस सिस्टम को ऊंट की जानकारी, मालिकाना हक और नस्ल का दस्तावेज तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इससे सेवाओं में सुधार, लेन-देन की विश्वसनीयता बढ़ाने और वेटरनरी तथा रेग्युलेटरी कार्रवाई को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

मंत्रालय के मुताबिक यह पासपोर्ट एक विस्तृत पहचान रिकार्ड की तरह काम करेगा, जिसमें ऊंट का माइक्रोचिप नंबर, पासपोर्ट नंबर, नाम, जन्मतिथि, नस्ल, रंग, जन्मस्थान, लिंग और जारी करने वाली प्राधिकरण की जानकारी शामिल होगी। इसके साथ ही, ऊंट की दाएं और बाएं दोनों ओर से ली गई तस्वीरें भी जोड़ दी जाएंगी, ताकि उसकी पहचान सटीक हो सके। पासपोर्ट की एक मुख्य विशेषता टीकाकरण रिकार्ड है, जिसमें सभी वैक्सीनेशन दर्ज किए जाएंगे। इससे हर ऊंट के स्वास्थ्य का विश्वसनीय रिकार्ड बन सकेगा और किसी भी संक्रामक बीमारी की स्थिति में तेजी से प्रतिक्रिया संभव होगी। इस पासपोर्ट से ऊंट बाजार में नियम और स्पष्ट होंगे। मालिकाना हक साबित करना आसान होगा।

भारत-नेपाल के बीच होने जा रहा कई सालों से लंबित कानूनी समझौता............जाने क्या हैं इसमें खास

काठमांडू। भारत-नेपाल के बीच कानूनी सहयोग को लेकर एक अहम और लंबे समय से लंबित समझौता अब अंतिम पायदान पर है। दोनों देशों ने आपराधिक मामलों में आपसी सहयोग के लिए म्यूचुअल लीगल असिस्टेंस (एमएलए) समझौते का मसौदा तैयार किया है और अब केवल हस्ताक्षर की तारीख तय होना बाकी है। यह समझौता उस समय में सामने आया है जब नेपाल में मार्च में चुनाव प्रस्तावित हैं, जिससे यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या इस पर चुनाव से पहले साइन हो सकते हैं या फिर बाद में। दरअसल समझौते को लेकर सहमति जुलाई 2024 में नई दिल्ली में हुई गृह सचिव स्तर की बैठक के दौरान बनी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कई वर्षों तक चली जटिल बातचीत के बाद दोनों देश इस बिंदु पर पहुंचे हैं, जो इस करार की संवेदनशीलता और महत्व को दिखाता है। एमएलए समझौते का उद्देश्य ट्रांसनेशनल अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटना है और इसके तहत दोनों देशों की कानूनी व जांच एजेंसियों के बीच सूचना साझा करने, सबूतों के आदान-प्रदान, अभियोजन में सहयोग और आपराधिक जांच में बेहतर समन्वय को संस्थागत रूप दिया जाएगा।

वाट्सएैप यूजर्स अब फोटो और वीडियो कर सकेंगे आसानी से एडिट

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया प्लेटफार्म वाट्सऐप अब एक बेहद उपयोगी फीचर लेकर आई है, जो फोटो और वीडियो एडिट करने के बाद उन्हें ड्राफ्ट के रूप में सेव करने की सुविधा देता है। वाट्सऐप अपने यूजर्स के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए लगातार नए फीचर्स जारी कर रहा है। यह फीचर फिलहाल आईओएएस यूजर्स के लिए उपलब्ध कराया गया है और इसे वाबेटाइंफो ने वाट्सऐप बीटा फार आईओएस 26.5.10.73 में देखा है, जो टेस्टफ्लाइट ऐप पर मौजूद है। इस नए फीचर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह फोटो और वीडियो को बिना भेजे सेव कर लेने का विकल्प देता है, जिससे यूजर्स बाद में उन्हें सटीक समय पर भेज सकते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नया ड्राफ्ट सेविंग फीचर फोटो और वीडियो एडिट करते समय दिखाई देता है। यह विकल्प ड्राइंग एडिटर के टाप सेक्शन में जोड़ा गया है, जहां यूजर हाई-क्वालिटी मीडिया भेजने का चयन करते हैं। जैसे ही कोई यूजर इस बटन को टैप करता है, स्क्रीन के बीच में एक पापअप दिखाई देता है, जो बताता है कि एडिट की गई फोटो या वीडियो सफलतापूर्वक सेव हो गई है। यह सेव किया हुआ मीडिया यूजर के फोन के फोटोज ऐप के रीसेंट फोल्डर में स्वतः दिखाई देता है। यह नया फीचर उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा, जो किसी फोटो या वीडियो को एडिट करने के बाद तुरंत भेजना नहीं चाहते। पहले, अगर कोई यूजर किसी इमेज या वीडियो पर स्टिकर, ड्राइंग या फिल्टर लगाता था, तो उसे तुरंत भेजना पड़ता था। यदि वह नहीं भेजा जाता, तो एडिट्स अपने आप हट जाते थे और यूजर को पूरा एडिटिंग प्रोसेस दोबारा करना पड़ता था। अब ड्राफ्ट फीचर की मदद से एडिट्स सुरक्षित रखे जा सकेंगे और आवश्यकता पड़ने पर बाद में भेजे जा सकेंगे। वाट्सऐप वर्तमान में इस फीचर को बीटा टेस्टर्स के लिए उपलब्ध करा रहा है। कंपनी का प्लान है कि टेस्टिंग सफल होने के बाद इसे स्टेबल वर्जन में शामिल किया जाएगा, ताकि दुनिया भर के सभी यूजर्स इस सुविधा का लाभ उठा सकें। यह फीचर वाट्सऐप की मीडिया एडिटिंग क्षमता को एक नया आयाम देता है और यूजर्स के लिए फोटो व वीडियो शेयरिंग अनुभव को और आसान और तेज़ बनाता है।

ईरान में नोबेल विजेता को 7 साल की जेल

तेहरान। ईरान की रिवोल्यूशनरी कोर्ट ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी को सात साल से ज्यादा की जेल की सजा सुनाई है। उनके वकील के मुताबिक उन्हें राज्य के खिलाफ साजिश और प्रोपेगेंडा के मामलों में दोषी ठहराया गया। सजा के साथ दो साल का आंतरिक निर्वासन और यात्रा प्रतिबंध भी लगाया गया है। मोहम्मदी फरवरी से भूख हड़ताल पर हैं। वे 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों की मुखर समर्थक रही हैं। इससे पहले वे 13 साल सजा काट रही थीं और स्वास्थ्य कारणों से अस्थायी रिहाई पर थीं। मानवाधिकार संगठनों ने सजा की निंदा की है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब ईरान अमेरिका से परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत कर रहा है। नरगिस मोहम्मदी को साल 2023 में नोबेल पीस प्राइज के लिए चुना गया था। यह पुरस्कार पाने वाली वो ईरान की दूसरी महिला हैं। उनको ईरान में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार और राजनीतिक कैदियों के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार के खिलाफ लड़ाई लडने के लिए यह पुरस्कार दिया गया था। उन्होंने ईरान में मृत्यु दंड के खिलाफ भी आवाज उठाई थी। नोबेल समिति के प्रमुख ने उन्हें स्वतंत्रता सेनानी कहा था। जब उन्हें यह प्राइज मिला तब वो तेहरान की एविन जेल के अंदर थी।

पूर्वी कांगों में दाएश समर्थित विद्रोहियों ने 20 लोगों की हत्या की

किंशासा (कांगो), 10 फरवरी (एजेंसियां)। आतंकवादी समूह दाएश (आईएसआईएस का अरबी नाम) समर्थक विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो के एक गांव पर सप्ताहांत में हमला कर कम से कम 20 लोगों की हत्या कर दी। सैन्य प्रशासक कर्नल एलेन किवेवा मिटेला ने यह जानकारी दी।

अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सैन्य प्रशासक मिटेला ने बताया कि यह हमला शनिवार तड़के उत्तरी किवु प्रांत के लुबेरो इलाके के माम्बिम्बी-इसिगो गांव में हुआ। मिटेला ने कहा कि इस हमले से लोगों का बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ है। हमले में एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एडीएफ) और रवांडा समर्थित एम 23 (मार्च 23 मूवमेंट) के विद्रोही शामिल हो सकते हैं।

इस हमले पर अभी तक एडीएफ ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इलाके के सिविल सोसाइटी कार्यकर्ताओं के अनुसार, विद्रोहियों ने पहले कई किसानों के खेतों पर दबिश दी और फिर चाकू और हथियारों से नागरिकों पर हमला किया। बापेरे में सिविल सोसाइटी के प्रमुख किनोज किटवा ने कहा, यह आंकड़ा अभी शुरुआती है, क्योंकि कई नागरिक लापता हैं। उन्होंने इलाके में कांगो सेना के सैनिकों की कम संख्या की आलोचना की।

पहले भी एडीएफ और एम 23 विद्रोहियों सहित अनेक सशस्त्र समूहों ने पूर्वी कांगो में कई बार घातक हमले किए हैं। एडीएफ ने 2019 में

दाएश समूह के प्रति वफादारी की कसम खाई थी। एडीएफ के विद्रोही युगांडा के साथ सीमा पर सक्रिय हैं और अकसर नागरिकों को निशाना बनाते हैं। उत्तरी किवु प्रांतीय सिविल सोसाइटी समन्वय के अनुसार, साल की शुरुआत से बेनी और लुबेरो इलाकों में एडीएफ विद्रोहियों ने कम से कम 62 नागरिकों को मारा है।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना प्रमुख जीन-पियरे लैक्रोइक्स ने सोमवार को पूर्वी कांगो और बेनी का दो दिवसीय आधिकारिक दौरा शुरू किया है। यह इलाका एडीएफ के हमलों से खास तौर पर प्रभावित हुआ है।

एडीएफ का गठन 1990 के दशक के आखिर में युगांडा में राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी से असंतोष के बाद अलग-अलग छोटे समूहों ने किया था। 2002 में युगांडा के सैन्य हमलों के बाद यह समूह पड़ोसी कांगो चला गया। इसे हजारों नागरिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। जुलाई 2025 में समूह ने कम से कम 100 लोगों की हत्या की।

ट्रंप की सैन्य धमकी को ईरान ने दिखाया ठेंगा कहा- ऐसी धमकियां रोज आती हैं

तेहरान, 10 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच ईरान ने एक बार फिर अपने परमाणु कार्यक्रम और संप्रभुता को लेकर कड़ा रुख अख्तियार किया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका देश किसी भी दबाव या सैन्य धमकी के आगे नहीं झुकेगा, ऐसे धमकियां रोज आतीं हैं। और यूरेनियम संवर्धन की प्रक्रिया को किसी भी कीमत पर बंद नहीं किया जाएगा। तेहरान में आयोजित एक हालिया फोरम के दौरान अराघची ने वैश्विक शक्तियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि ईरान पर दबाव डालकर उसके रणनीतिक फैसलों को बदला नहीं जा सकता।

विदेश मंत्री ने अमेरिका के साथ विश्वास की कमी को उजागर करते हुए कहा कि ईरान को वाशिंगटन की नीयत पर बहुत कम भरोसा है। उन्होंने परमाणु वार्ता को लेकर अमेरिका की गंभीरता पर सवाल उठाए और स्पष्ट किया कि ईरान इस संवेदनशील मुद्दे पर अपने रणनीतिक साझेदारों, चीन और रूस के साथ निरंतर विचार-विमर्श कर रहा है। यूरेनियम संवर्धन के मुद्दे पर अराघची ने दो टूक शब्दों में कहा कि यह ईरान का संप्रभु अधिकार है और किसी भी बाहरी शक्ति को यह हक नहीं है कि वह तेहरान के व्यवहार या नीतियों को तय करे। उन्होंने यहाँ तक कहा कि भले ही उन पर युद्ध थोप दिया जाए, लेकिन वे अपने परमाणु अधिकारों से पीछे नहीं हटेंगे। अरब सागर में अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन की तैनाती पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरान ने कहा कि वह इस तरह की सैन्य लामबंदी से डरने वाला नहीं है। हाल ही में ओमान में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का सिलसिला फिर से शुरू हुआ है, जो पिछले साल इजरायल के साथ हुए संक्षिप्त युद्ध के बाद पहली बड़ी कूटनीतिक हलचल है। इन वार्ताओं में ईरान की मुख्य मांग अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों को हटाना है। इसके बदले में ईरान कुछ ऐसे कदम उठाने को तैयार है जिससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय का भरोसा जीता जा सके, लेकिन वह अपने मुख्य परमाणु ढांचे से समझौता करने के पक्ष में नहीं है। पश्चिमी देशों और इजरायल द्वारा परमाणु हथियार बनाने के आरोपों को खारिज करते हुए अराघची ने एक प्रतीकात्मक बयान दिया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देश जिसे परमाणु बम समझकर डर रहे हैं, वह ईरान बनाना ही नहीं चाहता। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का असली परमाणु हथियार बड़ी ताकतों को ना कहने की उसकी हिम्मत और संप्रभुता है। वहीं दूसरी ओर, इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वैश्विक शांति के लिए एक बड़ा खतरा करार दिया है।

क्षेत्र में तनाव तब और बढ़ गया जब अमेरिकी वार्ताकार स्टीव विटकाफ और जेरेड कुश्नर ने विमानवाहक पोत का दौरा किया। अमेरिकी प्रशासन इसे ताकत के जरिए शांति स्थापित करने की रणनीति बता रहा है। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने बातचीत को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति अभी भी जटिल बनी हुई है। अमेरिका ने हाल ही में ईरान के तेल निर्यात से जुड़े शिपिंग नेटवर्क पर नए प्रतिबंध लगाकर दबाव और बढ़ा दिया है।

महाराष्ट्र में विकास के बड़े फैसले– सिंचाई, इंडस्ट्री और स्वास्थ्य अभियान को मिली मंजूरी

मुंबई,10 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र मुख्यमंत्री सचिवालय ने मंगलवार को कई महत्वपूर्ण कैबिनेट फैसलों की जानकारी दी। राज्य सरकार ने वाटर रिसोर्स प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक से 15,000 करोड़ रुपए का लॉन्ग-टर्म लोन मंजूर किया है। इसके तहत 57 अधूरे सिंचाई प्रोजेक्ट्स और 193 पहले से पूरे प्रोजेक्ट्स का वितरण सिस्टम बेहतर होगा। इस योजना से राज्य के 8 लाख हेक्टेयर खेती योग्य इलाकों में सिंचाई की सुविधा मिलेगी और किसानों को राहत पहुंचेगी। राज्य सरकार ने कोल्हापुर जिले में इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का क्रिकेट स्टेडियम बनाने का फैसला किया है। इसके लिए मौजे विकासवाड़ी (तालाब करवीर) में 12.76 हेक्टेयर सरकारी जमीन देने की मंजूरी दी गई है। स्टेडियम बनने से कोल्हापुर में खेल

विकास को बढ़ावा मिलेगा। पुणे जिले में पुरंदर एयरपोर्ट के लिए स्पेशल पर्पस अथॉरिटी की स्थापना की गई है और प्रोजेक्ट को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए 6,000 करोड़ रुपए का लोन मंजूर किया गया है। इस लोन की वापसी एमआईडीसी, एमएडीसी और सीआईडीसीओ की साझेदारी के अनुसार होगी और इसे सरकारी मंजूरी और गारंटी भी दी गई है। सरकार ने राज्य स्तर पर 'मेरा गांव, स्वस्थ गांव' अभियान लागू करने का फैसला किया है। इस अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य सुधार पर ध्यान केंद्रित करना है। अभियान के तहत पांच लाख से लेकर दो करोड़ रुपए तक के पुरस्कार दिए जाएंगे, जो ग्राम पंचायत से लेकर जिला परिषद स्तर तक मिलेंगे। अभियान चार मुख्य स्तंभों पर आधारित है, लाइफस्टाइल और डाइट में सुधार, बचाव के उपाय, समय पर इलाज और रिहैबिलिटेशन। यह अभियान 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक चलेगा, जिसके लिए 80 करोड़ 75 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है।

पुणे जिले के रत्नापुरी माला में एमआईडीसी को एक नए इंडस्ट्रियल एस्टेट के लिए 1,000 एकड़ जमीन देने का निर्णय लिया गया है, जिससे उद्यमियों को निवेश और रोजगार के अवसर मिलेंगे। वहीं, मुंबई के कोले कल्याण क्षेत्र में महा टेनिस फाउंडेशन के माध्यम से खेल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा और खिलाड़ियों के लिए सुविधाएं बनाई जाएंगी। अटल बिहारी वाजपेयी सेवरी-न्हावा शेवा अटल सेतु और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के तहत भविष्य के विकास प्रोजेक्ट्स के लिए जमीन अधिग्रहण और वितरण की नीति भी मंजूर की गई है।

स्टेट-लेवल साइंस एग्जिबिशन में छात्रों, शिक्षकों और लैब अटेंडेंट्स के लिए पुरस्कार राशि बढ़ा दी गई है। इसके अलावा, महाराष्ट्र पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) पॉलिसी 2026 की घोषणा की गई है, जिसके तहत 25 करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी देने का अधिकार मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट इंफ्रास्ट्रक्चर कमेटी को दिया गया है।

कयामत के दिन तक बाबरी ढांचे का पुनर्निर्माण नहीं होगा : योगी

बाराबंकी, 10 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कयामत के दिन तक बाबरी मस्जिद के ढांचे का पुनर्निर्माण नहीं होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की यह डबल इंजन की सरकार जो बोलती है, वो करती है, और डबल इंजन की सरकार जितना करती है, उतना ही बोलती है। हम लोगों ने कहा था कि रामलला हम आएंगे और मंदिर वहीं बनाएंगे। मंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है। इसलिए हम कह रहे हैं कि कयामत के दिन तक भी बाबरी ढांचे का पुनर्निर्माण नहीं हो पाएगा। जो कयामत के दिन आने का सपना देख रहे हैं, ऐसे ही सड़ गल जाएंगे क्योंकि वो दिन कभी

आने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में 500 सालों के बाद यह गौरवशाली क्षण हमारे सामने आया। इन 500 सालों में अनेक राजा-महाराजा आए, और अनेकों सरकारें आईं। 1947 में भारत आजाद हुआ, और 1952 में पहले चुनाव के बाद सरकार बनी। इसके बाद लगातार चुनाव होते रहे और सरकारें बनती रहीं, लेकिन अयोध्या में भगवान राम का उनकी जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का कार्य किसी के मन में क्यों नहीं आया? आज वो कहते हैं कि राम हमारे भी हैं, और हम भी कहते हैं कि राम तो सबके ही हैं।सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 नवंबर को अयोध्या पहुंचकर सनातक के प्रतीक श्री राम मंदिर में भव्य केसरिया ध्वज का आरोहण किया था। अब ये केसरिया ध्वज हमेशा ही भारत के इस गौरव को आगे बढ़ाता रहेगा।

उन्होंने कहा कि भारत और सनातक अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि क्योंकि सनातक पर दुनियाभर में हमले हो रहे हैं, इसलिए हमें सचेत रहना होगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को भारत का आगे बढ़ना अच्छा नहीं लग रहा, वो लोग साजिश कर रहे हैं, कुछ लोग साजिश का शिकार हो भी रहे हैं और कुछ लोग साजिश के लिए बिककर काम कर रहे हैं।

पिछड़े-दलित-आदिवासी और ईडब्ल्यूएस के हक पर सरकार पहरेदार : मौर्य

लखनऊ,10 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश विधानपरिषद में मंगलवार को सरकारी भर्तियों में आरक्षण को लेकर सरकार ने बेहद सख्त और स्पष्ट राजनीतिक संदेश दिया। प्रश्नकाल के दौरान पूछे गए सवाल के जवाब में उपमुख्यमंत्री एवं सदन के नेता केशव प्रसाद मौर्य ने दो टूक कहा कि पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के अधिकारों के साथ किसी भी कीमत पर अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और आरक्षण नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं

जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि प्रदेश सरकार सामाजिक न्याय के एजेंडे पर पूरी मजबूती से खड़ी है। इसी क्रम में 30 दिसंबर 2025 को प्रदेश के सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि प्रत्येक भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण के संवैधानिक प्रावधानों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही, मिलीभगत या नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यदि किसी भर्ती में आरक्षण नियमों के उल्लंघन की शिकायत सामने आती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तय है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगी और भर्ती प्रक्रियाओं को पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

पटना में नीट परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा की मौत को लेकर ऐपवा और आइसा का प्रदर्शन

पटना,10 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना के एक छात्रावास में रहकर नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत को लेकर मंगलवार को पटना की सड़कों पर जमकर प्रदर्शन किया गया। आइसा और ऐपवा के कार्यकर्ता पूर्व कार्यक्रम के मुताबिक विधानसभा मार्च के लिए सड़कों पर उतरे। विभिन्न स्थानों पर पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग कर उनके रोकने की कोशिश की गई। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। पूर्व घोषित कार्यक्रम के मुताबिक, दोपहर में बड़ी संख्या में ऐपवा और आइसा के कार्यकर्ता गांधी मैदान पहुंच

गए और यहां से मार्च की शुरुआत हुई। यह मार्च जैसे ही जेपी गोलंबर पर पहुंचा, पुलिस द्वारा लगाए गए भारी बैरिकेड के पास रोक दिया गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई।प्रदर्शनकारी बैरिकेड को पार कर डाकबंगला चौराहे पर मोर्चा संभाला, जहां पहले से पुलिस बैरिकेड मौजूद था। प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री से मिलने और नीट छात्रा समेत बिहार की बेटियों के मामलों में न्याय की मांग कर रहे थे। बाद में डाकबंगला चौराहे पर बैठकर सभा आयोजित की गई।

आरोप है कि महिलाओं पर लाठीचार्ज किया गया। पुलिस कार्रवाई के कारण कई महिलाएँ घायल हो गईं। ऐपवा की महासचिव मीना तिवारी ने कहा कि बिहार में छात्राओं और महिलाओं के खिलाफ लगातार गंभीर अपराध हो रहे हैं। नीट छात्रा का मामला, दरभंगा में छह साल की बच्ची के साथ बलात्कार और बक्सर की घटनाएं यह दिखाती हैं कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार पूरी तरह विफल है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के बजाय प्रशासन आंदोलनकारी महिलाओं पर बल प्रयोग कर रहा है।

उन्होंने कहा कि नीट छात्रा मामले में केवल सीबीआई जांच से न्याय सुनिश्चित नहीं होगा। इस मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के प्रत्यक्ष निर्देशन में होनी चाहिए। बिहार की महिलाएं अन्याय को स्वीकार नहीं करेंगी और न्याय मिलने तक यह आंदोलन जारी रहेगा।एमएलसी शशि यादव ने कहा कि विधानमंडल से लेकर सड़क तक सरकार इस मामले को दबाना चाहती है। सदन में मुख्यमंत्री महिला जनप्रतिनिधियों को अपमानित करते हैं और सड़क पर उनकी पुलिस दमन करती है।

असम के मुख्यमंत्री ने गौरव गोगोई और भूपेश बघेल के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया

गुवाहाटी,10 फरवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई, भूपेश बघेल और जितेंद्र सिंह अलवर के खिलाफ 500 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग करते हुए सिविल और क्रिमिनल मानहानि का केस किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सीएम सरमा ने कहा कि यह केस कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन पर लगाए गए झूठे, गलत इरादे वाले और बदनाम करने वाले आरोपों के सिलसिले में फाइल किया गया है। उन्होंने दोहराया कि वह पॉलिटिकल दबाव या पब्लिक हमलों से नहीं डरेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, हिट-एंड-रन पॉलिटिक्स का जमाना खत्म हो गया है। अगर उनमें जरा भी हिम्मत या सबूत हैं, तो उन्हें हर आरोप को कोर्ट में साबित करना चाहिए।

केस फाइल करने से कुछ दिन पहले सीएम सरमा ने पब्लिक में ऐलान किया था कि वह आरोपों को लेकर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ लीगल एक्शन लेंगे, जिससे उनके सिविल और क्रिमिनल दोनों तरह के उपाय करने

के इरादे का इशारा मिला।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस लीडरशिप पर मिलकर बदनामी करने और पॉलिटिकल ड्रामा करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह हमला गांधी परिवार के कहने पर किया गया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष को पर्सनल बुराई के बजाय मुद्दों और गवर्नेंस पर फोकस करना चाहिए।

मुख्यमंत्री का यह कदम राजीव भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद आया, जहां कांग्रेस सांसद और लोकसभा में पार्टी के डिप्टी लीडर गौरव गोगोई ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मौजूदगी में एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था।

गोगोई ने कहा कि पोर्टल का मकसद सीएम सरमा की पॉलिटिकल जर्नी और गवर्नेंस स्टाइल की जांच करना था। साथ ही, दावा किया कि इसमें मुख्यमंत्री की पब्लिक लाइफ से जुड़े डॉक्यूमेंट्स, वीडियो और दूसरी चीजें हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा था कि इस पहल का मकसद असम के लोगों के सामने फैक्ट्स रखना और अकाउंटेबिलिटी को बढ़ावा देना है।

गोगोई ने यह भी ऐलान किया था कि कांग्रेस ने इसी तरह के कंटेंट वाला एक पैम्फलेट जारी किया है, जिसे एक बड़े आउटरीच प्रोग्राम के हिस्से के तौर पर पूरे राज्य में बांटा जाएगा।

गोगोई की बातों को दोहराते हुए बघेल ने जोर देकर कहा था कि ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी डेमोक्रेसी के जरूरी पिलर हैं, खासकर जब असम अहम पॉलिटिकल माइलस्टोन की ओर बढ़ रहा है।

जनवरी में 800 से अधिक कथित लापता मामले, दिल्ली हाई कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली,10 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में जनवरी महीने के दौरान करीब 800 लोगों के कथित तौर पर लापता होने को लेकर दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने फिलहाल जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया है। मंगलवार को कोर्ट ने कहा कि यह याचिका अपने आप तय प्रक्रिया के तहत सूचीबद्ध हो जाएगी और इसके लिए अलग से तत्काल सुनवाई की जरूरत नहीं है। इस मामले को लेकर याचिकाकर्ता ने दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के सामने मेंशनिंग की थी और तुरंत सुनवाई की मांग की थी, लेकिन अदालत ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। दिल्ली हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि दिल्ली पुलिस को कानून के तहत हर संभव कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है और वह अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही है। अदालत का मानना है कि मामला अपने समय पर सुना जाएगा और फिलहाल इसमें किसी आपात हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

इस बीच, 9 फरवरी को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया था। एनएचआरसी ने एक मीडिया रिपोर्ट के आधार पर यह कदम उठाया, जिसमें दावा किया गया था कि जनवरी के पहले दो हफ्तों में दिल्ली में 807 लोग लापता हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इनमें 191 नाबालिग और 616 वयस्क शामिल थे। आंकड़ों के अनुसार अब तक 235 लोगों का पता लगाया जा चुका है, जबकि 572 लोग अभी भी लापता बताए गए हैं।

एनएचआरसी ने कहा कि अगर यह रिपोर्ट सही है, तो यह गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन का मामला बनता है। इसी को ध्यान में रखते हुए आयोग ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव और दिल्ली पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी कर दो हफ्तों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

कर्नाटक में लीडरशिप की खींचतान जारी, सिद्धारमैया बोले- 'हाईकमान का फैसला आखिरी होगा'

बेंगलुरु,10 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में सत्त-ाधारी कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर चल रही खींचतान के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि पार्टी हाईकमान जो भी फैसला करेगा, वही अंतिम होगा। यह बयान उन्होंने डिप्टी सीएम और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के हालिया बयान के जवाब में दिया, जिसमें शिवकुमार ने कहा था कि दोनों नेता पार्टी नेतृत्व की मौजूदगी में हुई बातचीत को लेकर स्पष्ट थे। सिद्धारमैया ने कहा, मैं शिवकुमार के बयानों पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। हाईकमान जो भी निर्णय करेगा, वही अंतिम होगा। सवाल अपनी मर्जी से मत पूछिए। अगर उन्होंने कोई बयान दिया है, तो उसके लिए उनसे पूछना चाहिए। मुझे नहीं पता। हाईकमान जो भी कहेगा, मैं उसके लिए तैयार हूं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह दिल्ली जाने की योजना बना रहे हैं, तो मुख्यमंत्री ने कहा, मैं बिना बुलाए दिल्ली क्यों जाऊं? मुझे यहां बजट बनाने से जुड़ा काम है। अगर मुझे बुलाया गया, तो मैं जाऊंगा।बजट की तैयारी के लिए हुई मीटिंग में शिवकुमार के

न आने के सवाल पर सिद्धारमैया ने बताया कि डिप्टी सीएम ने इजाजत मांगी थी और उन्हें एक पत्र के जरिए बताया था कि वह असम विधानसभा चुनाव से जुड़ी दिल्ली में एक बैठक में शामिल होने वाले हैं।

सुप्रीम कोर्ट के उस ऑब्जर्वेशन के बारे में पूछे जाने पर कि वे इलेक्टोरल रोल के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में किसी भी रुकावट को बर्दाश्त नहीं करेंगे, सिद्धारमैया ने कहा कि इस पर टिप्पणी करने से पहले वे मामले का अध्ययन करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि सुप्रीम कोर्ट ने यह बात किन परिस्थितियों में कही। मैं इसे देखूंगा और फिर अपना बयान दूंगा।

इससे पहले, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा था कि वे और मुख्यमंत्री दोनों पार्टी नेतृत्व की मौजूदगी में हुई बातचीत से सहमत हैं।

शिवकुमार ने कहा, हम वही कर रहे हैं जो हमने कहा था, जिससे नए राजनीतिक कयास शुरू हो गए। उन्होंने पार्टी नेताओं से पार्टी के हित में लीडरशिप के मामलों पर सार्वजनिक बयान देने से बचने को भी कहा। इस टिप्पणी को सिद्धारमैया के बेटे और कांग्रेस एमएलसी यतींद्र की टिप्पणी के जवाब के तौर पर देखा गया, जिन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री अपना पूरा कार्यकाल पूरा करेंगे और उन्हें हटाने की कोशिशों को केंद्रीय नेतृत्व ने खारिज कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर - मुख्यमंत्री ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर चिंता जताई

जम्मू,10 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को भारत-अमेरिका के बीच हुए हालिया अंतरिम ट्रेड एग्रीमेंट पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने इसे जम्मू-कश्मीर, खासकर राज्य की बागवानी और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदायक करार दिया। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस समझौते से ड्राई फ्रूट्स, ताजे फल, केसर और डेयरी उत्पादों पर ड्यूटी-फ्री आयात की वजह से स्थानीय उत्पादकों को भारी नुकसान होगा। सीएम अब्दुल्ला ने कहा, इस एग्रीमेंट से पक्का नुकसान होगा। ट्री नट्स, ड्राई फ्रूट्स, ताजे फल और डेयरी प्रोडक्ट्स ड्यूटी-फ्री इंपोर्ट होंगे। जम्मू-कश्मीर में हमारे पास और क्या है? हमारे पास कोई मरीन इंडस्ट्री या सीफूड नहीं है, लेकिन हम अखरोट, बादाम, केसर, सेब, कीवी और अन्य फल देते हैं। अगर ये अमेरिका से ड्यूटी-फ्री आएंगे, तो हमारा स्थानीय उत्पादन प्रभावित होगा। हमें इस डील से कुछ नहीं मिलता, सिर्फ नुकसान है।

तमिलनाडु: चुनाव से पहले भाजपा के केशव विनायगम को आरएसएस में मिली नई जिम्मेदारी

चेन्नई,10 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य स्तर पर एक अहम संगठनात्मक बदलाव किया है। पार्टी ने केशव विनायगम को तमिलनाडु भाजपा के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी पद से हटा दिया है और उनकी जगह प्रसोभ कुमार को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है, जब भाजपा चुनाव से पहले अपने संगठन और चुनावी गतिविधियों को और मजबूत करने में जुटी हुई है। इस बदलाव के तुरंत बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने केशव विनयगम की नई जिम्मेदारी की भी घोषणा कर दी। इस पूरे घटनाक्रम पर स्थिति साफ़ करते हुए आरएसएस के दक्षिण भारत के प्रवक्ता श्रीराम ने बताया कि यह बदलाव संगठन की पुरानी और तय परंपरा के अनुसार किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कारणों से संघ अपने पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को समय-समय पर अलग-अलग जिम्मेदारियां देता रहता है।

उन्होंने आगे बताया कि इसी परंपरा के तहत अब केशव विनायगम आगे पूरे तमिलनाडु में सद्भाव यानी सांप्रदायिक सौहार्द के समन्वयक की भूमिका निभाएंगे, जबकि वह अब तक तमिलनाडु भाजपा के स्टेट

ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी के रूप में काम कर रहे थे।इस नई भूमिका के अलावा केशव विनायगम उत्तर तमिलनाडु में आरएसएस की स्टेट एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्य के रूप में भी काम करेंगे। सद्भाव की जिम्मेदारी के तहत उन्हें समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच सामाजिक मेलजोल बढ़ाने, सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने और जनसंपर्क से जुड़ी गतिविधियों को आगे बढ़ाने का काम सौंपा गया है। मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक माहौल में इस भूमिका को काफी अहम माना जा रहा है।आरएसएस ने साफ तौर पर कहा है कि इस बदलाव को किसी तरह की सजा या राजनीतिक कारणों से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। संगठन ने जोर देकर बताया कि इस तरह के दायित्वों में बदलाव उसकी आंतरिक प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं और दशकों से इसका पालन किया जाता रहा है।बयान में यह भी कहा गया कि संगठन नियमित रूप से अनुभवी कार्यकर्ताओं को उन क्षेत्रों में जिम्मेदारी देता है, जहां उनके अनुभव और क्षमता का बेहतर उपयोग हो सके। केशव विनयगम को एक अनुभवी संगठनकर्ता माना जाता है, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु में भाजपा के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।केशव विनायगम का अब आरएसएस से जुड़ी जिम्मेदारी संभालना कई लोगों को यह संकेत देता है कि संगठन उनके अनुभव का इस्तेमाल सीधे पार्टी प्रबंधन से आगे बढ़कर सामाजिक और संगठनात्मक स्तर पर करना चाहता है, खासकर ऐसे समय में जब सामाजिक समरसता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

वहीं, प्रसोभ कुमार को नया ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी बनाए जाने से उम्मीद की जा रही है कि राज्य में भाजपा की चुनावी तैयारियों को नई गति मिलेगी। विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ यह संगठनात्मक फेरबदल पूरे संघ परिवार के भीतर भूमिकाओं के नए संतुलन को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य तमिलनाडु में राजनीतिक और सामाजिक जुड़ाव को और मजबूत करना है।

शर्लिन चोपड़ा ने 15 साल की उम्र में जीता मिस आंध्र का खिताब, प्लेबॉय में फोटोशूट से मिली शोहरत

हिंदी सिनेमा में जहां सशक्त मुख्य भूमिकाओं के लिए अभिनेत्रियों की अहमियत बनी रही है, वहीं कुछ बोल्ड अभिनेत्रियों और मॉडलों ने भी अपनी अलग पहचान बनाई है। इन कलाकारों ने पारंपरिक अभिनय से इतर अपनी बेबाक छवि और बोल्ड प्रजेंटेशन के जरिए दर्शकों के बीच खास जगह बनाई। इसी कड़ी में नाम आता है शर्लिन चोपड़ा का, जो 11 फरवरी को अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। आज भी वह ओटीटी मंचों पर सक्रिय हैं और अपने बोल्ड दृश्यों के कारण चर्चा में रहती हैं। मीडिया में भी उनकी मौजूदगी लगातार बनी रहती है, जिससे वह सुर्खियों में रहती हैं। कम ही लोग जानते हैं कि शर्लिन चोपड़ा को असली पहचान फिल्मों के जरिए नहीं, बल्कि मैग्जीन जगत से मिली। एक प्रतिष्ठित मैग्जीन में उनकी बोल्ड फोटोज ने उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई, जिसके बाद वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी चर्चा का विषय बनीं। यही पहचान आगे चलकर उनके करियर की दिशा तय करने में भी अहम साबित हुई।

हैदराबाद में जन्मी शर्लिन को मॉडल बनने का शौक बचपन से था और यही वजह रही कि मात्र 15 साल की उम्र में अभिनेत्री ने मिस आंध्र का खिताब जीता था। मॉडलिंग के बाद अभिनेत्री फिल्मों में काम करने के लिए कई ऑडिशन दिए और साल 2002 में उन्हें तमिल फिल्म वेंडी मब्बू' में काम किया था, जो एरोटिक फिल्म थी। उसी साल, उन्होंने एक तमिल फिल्म 'यूनिवर्सिटी' और एक अंग्रेजी फिल्म 'बीपर' में भी अभिनय किया। तीनों फिल्में पर्दे पर रिलीज हुई लेकिन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में अपना बजट भी नहीं निकाल पाई।

बॉलीवुड में शर्लिन ने एंट्री 2005 में आई फिल्म 'टाइम पास' से की थी। जिसके बाद 'दोस्ती: फ्रेंड्स फॉरएवर', जवानी दीवानी: ए यूथफुल जॉयराइड', 'नॉटी बॉय','गेम','रकीब', 'रेड स्वस्तिक',और 'दिल बोले हड़िप्पा! जैसी फिल्मों में काम किया। शर्लिन की फिल्में कब आईं और कब चली गईं, किसी को पता नहीं चला, लेकिन साल 2012 में ग्लोबल लेवल पर शर्लिन के नाम की सुनामी आ गई।

अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा उस समय सुर्खियों में आईं, जब वह प्लेबॉय मैग्जीन के लिए बिना कपड़ों के फोटो शूट कराने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। हालांकि, इस मामले में विवाद तब खड़ा हुआ, जब प्लेबॉय मैग्जीन ने यह कहकर इनकार किया कि उनकी शर्लिन के साथ किसी तरह की प्रत्यक्ष मुलाकात हुई थी। इसके बावजूद बाद में अभिनेत्री का डिजिटल फोटो शूट जारी किया गया। डिजिटल फोटो शूट के सामने आते ही व्यापक चर्चा शुरू हो गई और रातो-रात शर्लिन देशभर के अखबारों और टीवी चैनलों की सुर्खियां बन गईं। इस घटनाक्रम ने मनोरंजन जगत में खासा हलचल पैदा की।

मैग्जीन के अलावा शर्लिन चोपड़ा ने रियलिटी शो बिग बॉस-3 में भी हिस्सा लिया था। शो के दौरान उनके पहनावे और बयानों को लेकर भी खूब चर्चा हुई। उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह कहा था कि वह अभिनेता अमिताभ बच्चन की बड़ी प्रशंसक हैं और भविष्य में ऐसे ही लंबे कद और मजबूत कद-काठी वाले जीवनसाथी से विवाह करना चाहेंगी।

शर्लिन चोपड़ा अपने बेबाक बयानों और बोल्ड अंदाज के कारण आज भी अक्सर खबरों में बनी रहती हैं और मनोरंजन जगत में चर्चा का विषय रहती हैं।

धुरंधर रणवीर सिंह को मिली धमकी, करोड़ों रुपए की मांग, पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हाल ही में हुई फायरिंग के बाद अब फिर से बॉलीवुड से जुड़ी नई खबर सामने आई है। अभिनेता रणवीर सिंह को एक धमकी भरा मैसेज भेजा गया है, जिसमें उनसे करोड़ों रुपए की मांग की गई है। बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म 'धुरंधर' फेम अभिनेता रणवीर सिंह को धमकी भरा मैसेज मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। यह घटना हाल ही में फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग के ठीक बाद सामने आई है, जिससे बॉलीवुड में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मुंबई पुलिस के अनुसार, रणवीर सिंह को व्हाट्सएप पर एक वॉइस नोट के जरिए धमकी भरा मैसेज भेजा गया। इस मैसेज में उनसे करोड़ों रुपए की मांग की गई और गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। मैसेज मिलने के तुरंत बाद रणवीर सिंह ने इसकी जानकारी मुंबई पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उनके घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। अब उनके आवास पर अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं और उनकी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। पुलिस अब धमकी भरा वॉइस नोट भेजने वाले व्यक्ति या गिरोह की तलाश में जुटी हुई है। जांचकर्ता मैसेज के सोर्स, नंबर और अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। रोहित शेट्टी के घर पर हाल ही में फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें कुछ राउंड गोलियां चलाई गईं थीं। पुलिस ने उस मामले में जांच शुरू की है और कई आरोपियों पर भी शिकंजा कसा। रणवीर सिंह निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी की कई फिल्मों में काम कर चुके हैं, जिनमें 'सिंघम अगेन' और अन्य प्रोजेक्ट्स शामिल हैं।दोनों के बीच पेशेवर संबंध मजबूत हैं। वहीं, रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में आए दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस कई आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

इंडस्ट्री से एकजुट होने की अपील

राजपाल यादव की मदद के लिए आगे आए सोनू सूद

हिंदी सिनेमा में दशकों से दर्शकों को हंसाने वाले राजपाल यादव तिहाड़ जेल हैं क्योंकि अभिनेता 5 करोड़ रुपए का लोन चुकाने में असमर्थ रहे। 6 फरवरी को कोर्ट के आदेश के बाद अभिनेता आत्मसमर्पण कर चुके हैं लेकिन अब अभिनेता सोनू सूद ने आगे आकर राजपाल यादव की मदद करने की ठानी है और इंडस्ट्री के बाकी लोगों से भी एकजुटता की अपील की है। समाज सेवा में बड़ा योगदान देने वाले सोनू सूद ने अब इंडस्ट्री के लोगों की मदद करने का फैसला लिया है। अभिनेता इस बात से बहुत दुखी हैं कि दशकों से सबको गुदगुदाने वाला अभिनेता पैसों की तंगी से जूझ रहा है और जेल की सलाखों के पीछे है। अभिनेता को सपोर्ट करते हुए सोनू सूद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राजपाल यादव एक प्रतिभाशाली अभिनेता हैं जिन्होंने वर्षों तक हमारे उद्योग को अविस्मरणीय योगदान दिया है। कभी-कभी जीवन अन्यायपूर्ण हो जाता है, प्रतिभा की वजह से नहीं, बल्कि समय के क्रूर होने की वजह से।

उन्होंने आगे लिखा, वह मेरी फिल्म का हिस्सा होंगे, और मेरा मानना है कि यह हम सभी के लिए निर्माताओं, निर्देशकों, सहकर्मियों के लिए एकजुट होने का क्षण है। भविष्य के कार्यों के बदले समायोजित की जाने वाली एक छोटी सी साइनिंग राशि दान नहीं, बल्कि सम्मान है। जब हमारे अपने किसी व्यक्ति को कठिन दौर से गुजरना पड़ता है, तो इंडस्ट्री को उसे यह याद दिलाना चाहिए कि वह अकेला नहीं है। इसी तरह हम यह दिखा सकते हैं कि हम सिर्फ एक इंडस्ट्री से कहीं अधिक हैं।

यूजर्स भी अभिनेता सोनू के पोस्ट का सपोर्ट कर रहे हैं। राजपाल यादव 'सी कंपनी', 'भूल-भूलैया', 'अपना-सपना मनी-मनी', 'चुप-चुप के' जैसी 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। अभिनेता ने सिर्फ कॉमेडी से नहीं, बल्कि गंभीर किरदारों से भी फैंस का दिल जीता है।

राजपाल यादव फिलहाल तिहाड़ जेल में हैं, और जेल में सरेंडर करने से पहले उनके द्वारा कही गई भावुक बातें लगातार वायरल हो रही हैं। अभिनेता ने दुख जताते हुए कहा था कि क्या करें, पैसों की तंगी है, पैसा नहीं है, और कोई रास्ता भी नहीं समझ में आ रहा है। यहां कोई दोस्त है नहीं जो मदद कर सके।

सीरियल में काम करने के खिलाफ थे माता-पिता 8 महीनों तक नहीं की थी बात : मिमी चक्रवर्ती

बॉलीवुड, बंगाली सिनेमा, टीवी और गायिका के तौर पर अपनी किस्मत आजमा चुकी बंगाली ब्यूटी मिमी चक्रवर्ती किसी से कम नहीं हैं। अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती राजनीति में जलवे दिखा चुकी हैं। अभिनेत्री का 11 फरवरी को 37वां जन्मदिन है। इस मौके पर हम आपको बताएंगे कि कैसे मिमी ने बिना अपने पेरेंट्स को बताए सिनेमा में कदम रखा और फिर आज तक पीछे मुड़कर नहीं देखा। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में जन्मी मिमी चक्रवर्ती के सपने बचपन से ही बड़े थे, और वे एक्ट्रेस देखने के सपने तब देख रही थीं, जब उन्हें ठीक से टीवी बॉक्स और सिनेमा के बारे में पता नहीं था। मिमी के माता-पिता नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी कभी भी इंडस्ट्री का हिस्सा बने, और यही कारण था कि मिमी ने अपने पहले सीरियल की जानकारी भी माता-पिता को नहीं दी। मिमी ने 'गानेर ओपारे' से टीवी पर अपने करियर की शुरुआत की थी, लेकिन उनके माता-पिता को प्रोमो रिलीज होने के बाद इस बात की खबर लगी थी कि मिमी पढ़ाई की जगह सीरियल में काम कर रही हैं। इस बात का खुलासा खुद मिमी ने किया था कि कैसे उनके पिता ने उनसे 7-8 महीनों तक बात नहीं की थी, लेकिन बाद में उनके सपनों को समझा।

मिमी ने इंटरव्यू में कहा था, 'गानेर ओपारे' का प्रोमो रिलीज होने के बाद अचानक से मां का फोन आया था और उन्होंने प्रोमो के बारे में पूछा। उस वक्त मैंने झूठ बोल दिया था कि प्रोमो में मैं नहीं कोई और है, लेकिन बाद में जब सारी चीजें खुलने लगीं, मम्मी और पापा दोनों को गुस्सा आया क्योंकि उनका कहना था कि पुणे पढ़ाई करने के लिए भेजा था, न कि शूटिंग के लिए। उस वक्त पापा ने 7-8 महीने तक मुझसे बात नहीं की थी। मिमी की बचपन से बॉलीवुड फिल्मों में काम करने की इच्छा थी, और जब उन्हें टीवी बॉक्स (मिमी टीवी को बॉक्स कहा करती थी) के बारे में पता नहीं था, तब से वे टीवी पर काम करने के सपने देख रही थीं। अभिनेत्री हमेशा अपनी मां से पूछा करती थीं कि बॉक्स के अंदर कैसे जा सकते हैं, तो उनकी मां ने कहा था कि इसके लिए बहुत सारी पढ़ाई करनी पड़ती है। फिर क्या, छोटी सी मिमी ने सिर्फ टीवी पर काम करने के लिए मन लगाकर पढ़ाई की थी। मिमी ने अपने टीवी सीरियल्स में काम करके करियर की शुरुआत की थी, और उसके बाद बंगाली और बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। अगर फिल्मों की बात करें तो उन्होंने बंगाली फिल्म 'बापी बारी जा' से डेब्यू किया था और फिर 'बोझेना शे बोझेना', 'बंगाली बहू इंग्लिश मेम', 'योद्धा द वॉरियर', 'गैंगस्टर' और 'रक्तबीज' जैसी फिल्मों में काम किया। मिमी राजनीति का भी हिस्सा रहीं और तृणमूल कांग्रेस की सीट से सांसद भी रही थीं, लेकिन बढ़ते विवादों की वजह से उन्होंने जल्द ही राजनीति को अलविदा कह दिया।

नम्रता शिरोडकर ने खास अंदाज में महेश बाबू को दी शादी की 21वीं सालगिरह की बधाई

कुछ प्रेम कहानियां इसलिए भी खास होती हैं क्योंकि वे लाइमलाइट की दुनिया से दूर पूरी तरह सच्ची और दिल को छू लेने वाली लगती हैं। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू और उनकी पत्नी नम्रता शिरोडकर की लव स्टोरी भी कुछ ऐसी ही है। दोनों की मुलाकात भले ही सेट पर हुई थी, लेकिन शादी करने में काफी मेहनत करनी पड़ी थी। मंगलवार को महेश बाबू और उनकी पत्नी नम्रता शिरोडकर अपनी शादी की 21वीं सालगिरह मना रहे हैं। इस मौके पर नम्रता ने इंस्टाग्राम के जरिए महेश बाबू के प्रति अपने प्यार को व्यक्त किया। नम्रता ने महेश बाबू के साथ पुरानी तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में दोनों प्लेन में बैठे हुए नजर आ रहे हैं। नम्रता ने लिखा, मैं हर दिन आपको ही चुनती हूं। हैप्पी 21 मैरिज एनिवर्सरी महेश बाबू।

पोस्ट पर नम्रता और महेश बाबू के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर इमोजी कमेंट किए। अभिनेता चंकी पांडे ने कमेंट सेक्शन में लिखा, हैप्पी एनिवर्सरी।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने भी हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी, जबकि नम्रता की बड़ी बहन शिल्पा शिरोडकर ने लिखा, आप दोनों को शादी की सालगिरह मुबारक हो। महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की प्रेम कहानी 2000 में फिल्म 'वामसी' के सेट पर शुरू हुई थी, जो दोस्ती से प्यार में बदली। 4 साल के गुप्त रिश्ते और उम्र के अंतर के बावजूद, उन्होंने अपने परिवारों को मनाकर 10 फरवरी 2005 को शादी की। आज दोनों के दो बच्चे हैं, बेटा गौतम और बेटी सितारा। महेश बाबू जल्द ही एस एस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के साथ नजर आएंगे। साथ ही, इसमें पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रकाश राज जैसे कलाकार भी हैं। वहीं, मेकर्स ने अभिनेत्री का लुक भी रिवील कर दिया है। इसमें प्रियंका चोपड़ा पीली साड़ी में बंदूक थामे नजर आ रही हैं।

सूर्य गोचर कुंभ राशि में, जानें सकारात्मक- नकारात्मक प्रभाव मेष से मीन सभी राशियों पर प्रभाव और उपाय

कुंभ राशि में सूर्य का गोचर 12 महीने बाद 13 फरवरी को होने जा रहा है। इस गोचर में सूर्य धनिष्ठा नक्षत्र से प्रवेश करेंगे। सूर्य के इस गोचर की वजह से कुंभ राशि में कई शुभ योग बनेंगे। क्योंकि सूर्य का स्वागत कुंभ राशि में बुध और शुक्र करेंगे और ऐसे में सूर्य और बुध की युति होने से बुधादित्य योग बनेगा, शुक्र और सूर्य की युति से शुक्रादित्य योग बनेगा। जबकि सूर्य पर गुरु की नवम दृष्टि भी रहेगी जिससे गुरु और सूर्य के बीच नवम पंचम योग बनेगा। ऐसे में सूर्य का कुंभ राशि में गोचर करना मेष और मिथुन समेत कई राशियों के लिए लाभदायक रहेगा।

मेष राशि – मेष राशि के 11वें भाव में सूर्य का गोचर होने जा रहे है। शनि की राशि कुंभ में सूर्य का यह गोचर आपके लिए चमत्कारी साबित होने वाला है। इस दौरान आपको अपने सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। करियर के लिहाज से भी यह गोचर आपके लिए शुभ रहने वाला है। नई नौकरी या नौकरी में प्रमोशन के अवसर मिलने के प्रबल संकेत हैं। सरकारी नौकरी के लिए प्रयास कर रहे जातकों को भी सफलता प्राप्त होगी। विदेश यात्राएं आपके लिए फलदायी साबित होंगी। इस दौरान निवेश से आपको अच्छा रिटर्न मिलेगा। इस गोचर के दौरान पारिवारिक रिश्तों में ईमानदारी और मजबूती बढ़ेगी। अविवाहित जातकों के जीवन में खुशियां दस्तक दे सकती हैं।

उपाय: रोजाना सुबह स्नान के बाद तांबे के लोटे से सूर्य को जल चढ़ाएं।

वृषभ राशि –आपके दसवें भाव में सूर्य का गोचर होने जा रहा है। इस अवधि के दौरान आपको सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। यह गोचर विदेश के जुड़े कार्यों में आपको सफलता दिलाएगा। विदेश में पढ़ाई लिखाई के अवसर प्राप्त होंगे। विदेश में किए हुए निवेश भी आपको अच्छे रिटर्न देंगे। इसके साथ ही विदेश से नौकरी के नए प्रस्ताव भी मिल सकते हैं। इस गोचर के दौरान करियर भी आपका शानदार रहेगा। नौकरी में सफलता प्राप्त होगी। कुछ जातकों को प्रमोशन या उच्च पद भी प्राप्त हो सकता है। साझेदारी वाले कार्य भी आपके लिए अनुकूल रहेंगे। अच्छी मात्रा में धन मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन को खुशहाल बनाए रखने में आप कामयाब रहेंगे और स्वास्थ्य का भी आपको लाभ मिलेगा।

उपाय: रोजाना आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करें।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के नवम भाव में सूर्य का गोचर होने जा रहा है। इस दौरान आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। विदेश यात्रा की सोच रहे हैं तो यह अवधि आपके लिए अनुकूल रहेगी। करियर के मोर्चे पर भी यह गोचर आपको सफलता दिलाने वाला रहेगा। नौकरी और व्यापार दोनों में आपको प्रगति देखने को मिलेगी। नौकरी में बदलाव के भी आपको अवसर मिलेंगे। सूर्य का गोचर व्यापार में जबरदस्त मुनाफा दिलाने वाला रहेगा। विदेशी व्यापार में भी आपको सफलता मिलेगी। पैसा कमाने के लिए आपकी कोशिश रंग लाएगी और भाग्य के साथ से पैसा बचाने में भी सफल रहेंगे। पारिवारिक रिश्तों में बातचीत के जरिए मजबूती आएगी। स्वास्थ्य का आपको थोड़ा ख्याल रखना होगा। पैरो से जुड़ी कोई समस्या आपको परेशान कर सकती है।

उपाय: रविवार के दिन गुड़ और वस्त्र का दान करें।

कर्क राशि – कर्क राशि के आठवें भाव में सूर्य का गोचर जीवन में थोड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है। इस दौरान तनाव और चिंता बढ़ने की संभावना है। आर्थिक प्रगति में गिरावट भी देखने को मिल सकती है। आंखों से जुड़ी कोई समस्या भी आपको परेशान कर सकती है। इस गोचर के दौरान आपको काम का दबाव महसूस हो सकता है। नौकरी में हालात आपके नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं। इसके अलावा सहकर्मियों से भी आपको विरोध का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में आपको हालात अपने पक्ष में लाने के लिए धैर्य से काम लेना होगा। नई नौकरी के लिए

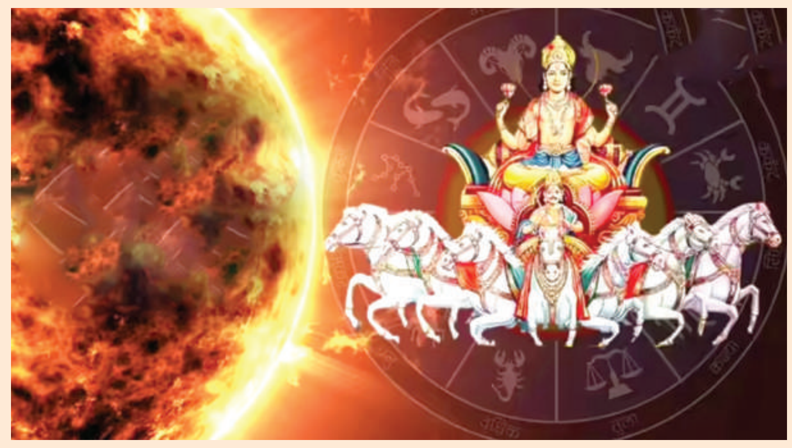

दरवाजे आपके लिए खुल सकते हैं। इस गोचर के दौरान व्यवसाय में आपको संभलकर काम करना होगा। अधिक लाभ कमाने के लिए किए जा रहे प्रयासों में बाधा खड़ी हो सकती है। कुंभ राशि में सूर्य को गोचर का प्रभाव आपके रिश्तों पर भी देखने को मिलेगा। जीवनसाथी से वाद विवाद हो सकता है।

उपाय: सूर्य की कृपा पाने के लिए लाल रंग के कपड़े पहने।

सिंह राशि –सूर्य का कुंभ राशि में गोचर आपके सातवें भाव में होने जा रहा है। इस दौरान साझेदारी में किए जा रहे व्यवसाय में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान नौकरी में भी आपको संभलकर रहना होगा। सहकर्मियों के साथ रिश्तों में समस्या उत्पन्न हो सकती है। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा जरूर मिलेगा, लेकिन आपके मन मुताबिक लाभ नहीं मिलेगा। ऐसे में आपको अपनी रणनीतियों को बदलने की जरूरत पड़ सकती है। इस गोचर के दौरान आपको लाभ के साथ धन हानि का भी सामना करना पड़ सकता है। वहीं पारिवारिक जीवन की बात करें तो जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर गलतफहमी हो सकती है। इस दौरान सेहत का भी ख्याल रखना होगा।

उपाय: रोजाना आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करें।

कन्या राशि –कन्या राशि के जातकों के छठे भाव में हो रहा सूर्य का गोचर अप्रत्याशित धन लाभ दिलाएगा। इस अवधि के दौरान आपको संपत्ति या अन्य स्रोतों से धन लाभ होने की प्रबल संभावना है। आय में वृद्धि के भी आपको कई अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में स्थिरता देखने को मिलेगी। करियर से जुड़ी विदेश यात्राओं का भी आपको अवसर प्राप्त होगा। व्यवसाय करने वाले जातकों को इस दौरान उच्च लाभ होता दिखेगा। यह अवधि आपको विरोधियों पर जीत दिलाएगी। इस गोचर के दौरान आपका पारिवारिक जीवन भी सुखद रहेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते मजबूत होंगे और स्वास्थ्य भी आपका चरम पर रहेगा।

उपाय: सूर्य को मजबूत करने के लिए गुड़ और घी का दान करें।

तुला राशि – सूर्य का कुंभ राशि में गोचर आपके पंचम भाव में हो रहा है। इस दौरान आपको धन लाभ के साथ खर्च भी देखने को मिलेंगे। आपको कई स्रोतों से धन लाभ के अवसर मिलेंगे। संतान पक्ष से भी आपको शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। हालांकि, इस गोचर के दौरान आपको सुख-सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी के संबंध में विदेश यात्रा आपके लिए लाभकारी रहेगी। व्यवसाय से जुड़े तुला राशि के जातकों को मध्यम लाभ का प्राप्ति होगा। इस दौरान आपको ना तो अधिक लाभ होगा और ना ही अधिक नुकसान होगा। वहीं, विदेशी व्यापार से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलेगा। इस अवधि के दौरान जीवनसाथी के किसी प्रकार की बहस बाजी के भी आसार दिख रहे हैं।

उपाय: रविवार के दिन माथे पर लाल रंग का तिलक लगाएं।

वृश्चिक राशि –वृश्चिक राशि के चौथे भाव में हो रहा यह गोचर जीवन में तनाव बढ़ाने वाला रहेगा। इस दौरान आपको नौकरी का अत्यधिक दबाव भी झेलने के लिए तैयार रहना होगा। नौकरी में बदलाव की स्थिति का आपको सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही काम के सिलसिले में आपको लंबी दूरी की थका देने वाली कई यात्राएं भी करनी पड़ सकती हैं। सूर्य के इस गोचर से आपकी आर्थिक स्थिति ठीक ठाक रहेगी। परिवार से जुड़े कुछ खर्चे भी करने पड़ेंगे। जीवनसाथी के साथ मतभेद उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में आपको तालमेल बिठाने के लिए अधिक प्रयास करना होगा। पैरो से जुड़ी समस्या परेशान कर सकती है।

उपाय: तांबे के लोटे में लाल फूल, अक्षत और लाल चंदन डालकर सूर्य को अर्घ्य दें।

धनु राशि – धनु राशि के तीसरे भाव में सूर्य का कुंभ राशि में गोचर होगा। यह अवधि आपके लिए भाग्यशाली साबित होगी। इस दौरान पिता या वरिष्ठ लोगों के सहयोग से लाभ के नए रास्ते खुलेंगे। इसके साथ ही विदेश से भी कमाई के कई अवसर आपके सामने आएंगे। नौकरी करने वाले जातकों के लिए सूर्य का गोचर शुभ रहने वाला है। जीवन में खुशियां दस्तक देंगी और प्रमोशन मिलने की भी संभावना है। व्यवसाय करने वाले जातकों को इस गोचर के प्रभाव से अच्छा मुनाफा देखने को मिलेगा। भाग्य का साथ मिलने से धन का प्रवाह बना रहेगा। शेयर बाजार में निवेश करने वालों को भी अचानक होने का योग बन रहा है। इस दौरान पारिवारिक रिश्ते अच्छे बने रहेंगे।

उपाय: रोजाना आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करें।

मकर राशि –मकर राशि के दूसरे भाव में सूर्य का गोचर आपकी तरक्की में रुकावट का कारण बनेगा। इसके साथ ही आपको कई रास्तों से अप्रत्याशित धन लाभ भी होगा दिख रहा है। करियर को लेकर आपको अपनी रणनीतियों में सुधार करना पड़ सकता है। नौकरी में बदलाव के साथ यह गोचर आपको विदेश यात्राओं के लिए भी प्रेरित करेगा। व्यवसायियों को इस अवधि के दौरान न तो अधिक लाभ होगा और ना ही अधिक हानि उठानी पड़ेगी। विरोधियों से कड़ी चुनौतियों की सामना करना पड़ सकता है। सूर्य का गोचर आपको धन तो दिलाएगा पर बचत करने में आप सफल नहीं हो पाएंगे। पारिवारिक जीवन में भी थोड़ा तनाव देखना पड़ सकता है। जोड़ों में दर्द की समस्या परे-शान कर सकती है।

उपाय: सूर्य को मजबूत करने के लिए गुड़ और घी का दान करें।

कुंभ राशि –आपकी राशि के पहले भाव में सूर्य का गोचर हो रहा है। ऐसे में आपको व्यवसाय से जुड़ी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकते हैं। साझेदारों के साथ तनाव की स्थिति पैदा होती दिख रही है। इस गोचर के दौरान खर्चे अधिक रहेंगे। नौकरी में अधिक दबाव महसूस होगा। कड़ी मेहनत के बाद भी आपको सम्मान नहीं मिलेगा। ऐसे में आप नौकरी में बदलाव की सोच सकते हैं। इसके साथ सहयोगियों से भी परेशानी झेलनी पड़ सकती है। व्यवसाय से जुड़े कुंभ राशि के जातकों को मन मुताबिक लाभ नहीं मिलेगा। इस दौरान की गई यात्राओं से धन हानि के आसार नजर आ रहे हैं। जीवन साथी के साथ विवाद होने का संभावना है। दोनों के बीच प्रेम की कमी देखने को मिल सकती है।

उपाय: रविवार के दिन माथे पर लाल रंग का तिलक लगाएं।

मीन राशि – मीन राशि के बारहवें भाव में सूर्य का गोचर हो रहा है। ऐसे में आपके अंदर आत्मविश्वास की कमी आ सकती है। इस दौरा काम काज को लेकर आप असंतुष्ट नजर आएंगे। इस कारण आपका कीमती समय भी बर्बाद हो सकता है। नौकरी में मन मुताबिक मान-सम्मान नहीं मिलने से आपका मन दुखी रहेगा। व्यवसाय से जुड़े जातकों को सूर्य के गोचर की अवधि में नुकसान भी झेलना पड़ सकता है। इस दौरान विरोधी आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। जो पैसा आप कमाएंगे वो तुरंत खर्च भी हो जाएगा। जीवन में प्यार की कमी महसूस होगी।

उपाय: सूर्य मजबूत करने के लिए आटें की गोलियां मछलियों को खिलाएं।

बुधवार को सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग, जानें राहुकाल

सनातन धर्म में पंचांग का विशेष महत्व है। इसके पांच अंग तिथि, नक्षत्र, योग, करण और वार से शुभ-अशुभ समय का निर्धारण किया जाता है। चाहे नया काम शुरू करना हो, विवाह हो या पूजा-पाठ, पंचांग देखकर ही सही मुहूर्त चुना जाता है। दृक पंचांग के अनुसार, 11 फरवरी, बुधवार को कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि सुबह 9 बजकर 58 मिनट तक रहेगी। इसके बाद दशमी तिथि प्रारंभ होगी। नक्षत्र अनुराधा सुबह 10 बजकर 53 मिनट तक प्रभावी रहेगा, फिर ज्येष्ठा नक्षत्र शुरू होगा। चंद्रमा वृश्चिक राशि में संचार करेंगे। वहीं, सूर्योदय 7 बजकर 3 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 8 मिनट पर होगा। 11 फरवरी के महत्वपूर्ण योग की बात करें तो सुबह 7 बजकर 3 मिनट से 10 बजकर 53 मिनट तक सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग दोनों एक साथ रहेंगे। यह दुर्लभ संयोग बहुत शुभ माना जाता है।

इस दौरान नए कार्य शुरू करना, पूजा, हवन, दान या अन्य मंगल कार्य करने से विशेष लाभ मिलता है। अन्य शुभ मुहूर्त में ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 19 मिनट से 6 बजकर 11 मिनट तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 26 मिनट से 3 बजकर 11 मिनट तक और गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 6 मिनट से 6 बजकर 32 मिनट तक है।

अमृत काल 12 फरवरी की सुबह 3 बजकर 52 मिनट से 5 बजकर 39 मिनट तक रहेगा। अशुभ समय का विचार भी महत्वपूर्ण है। योग व्याघात 12 फरवरी की देर रात 2 बजकर 30 मिनट तक रहेगा। वर्ज्य शाम 5 बजकर 8 मिनट से 6 बजकर 55 मिनट तक और गंड मूल सुबह 10 बजकर 53 मिनट से अगले दिन सुबह तक प्रभावी रहेगा।

धर्म शास्त्र के अनुसार, अशुभ काल से दूर रहना चाहिए और पंचांग का ध्यान रखकर ही कोई महत्व-पूर्ण निर्णय लेना सही रहता है। राहुकाल दोपहर 12 बजकर 36 मिनट से 1 बजकर 59 मिनट तक रहेगा। इस समय किसी भी शुभ कार्य के करने से वह निष्फल होता है और बाधाएं आती हैं।

अन्य अशुभ समय में यमगंड सुबह 8 बजकर 26 मिनट से 9 बजकर 49 मिनट तक, गुलिक काल सुबह 11 बजकर 12 मिनट से दोपहर 12 बजकर 36 मिनट तक और दुर्मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से 12 बजकर 58 मिनट तक रहेगा। बुधवार का दिन विघ्न विनाशन गणेश और बुध ग्रह को समर्पित है। इस दिन गणपति और बुध ग्रह की विधि-विधान से पूजन करने से बाधाओं का नाश होता है और जीवन में सुख-शांति समृद्धि का संचार होता है। वहीं, बुध ग्रह भी शांत होते हैं।

पुरुषों और महिलाओं के हाथों की ये तीन रेखाएं खोलती हैं धन और सुख से जुड़े राज

हाथों की रेखाएं व्यक्ति के जीवन और उसके व्यक्तित्व के बारे में कई तरह के राज खोलती हैं। हाथों में रेखाओं के साथ साथ कलाई पर मौजूद रेखाएं जिन्हें मणिबंध रेखा कहा जाता है। मणिबंध रेखाओं का हस्तरेखा शास्त्र में विशेष महत्व बताया गया है। मणिबंध रेखाएं व्यक्ति के जीवन में मिलने वाली सफलता और उपलब्धियों को भी बताती हैं। आइए जानते हैं हस्तरेखा शास्त्र से मणिबंध रेखाओं का महत्व।

महिला और पुरुषों के हाथों में कितनी होती है मणिबंध रेखाएं

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, पुरुष और महिलाओं के कलाई पर बनी ये रेखाओं का हस्तरेखा शास्त्र में अलग महत्व बताया गया है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, पुरुषों की कलाई पर चीन मणिबंध रेखाएं होती हैं जबकि महिलाओं की कलाई पर दो मणिबंध रेखाएं होती है। पुरुषों के हाथों में जो तीन रेखाएं होती है वह धन रेखा, व्यापार रेखा, धर्म रेखा कहलाती हैं। जबकि महिलाओं के हाथों में जो दो रेखाएं होती हैं वह सौभाग्य रेखा और संतान सुख रेखा कहलाती है।

मणिबंध रेखाओं का मतलब

जिस पुरुष के हाथ में तीन रेखाएं होती हैं वह उत्तम मानी जाती हैं। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर किसी पुरुष की कलाई पर दो ही मणिबंध रेखाएं होती हैं तो वह उत्तम नहीं मानी जाती है। जबकि अगर किसी महिला के हाथों में एक ही रेखा हो तो यह भी अच्छा नहीं माना जाता है। मान्यता है कि अगर किसी महिलाएं की कलाई पर दो मणिबंध रेखाएं दिखाई देती है तो वह सौभाग्य भोगती हैं और संतान सुख भी प्राप्त होती है लेकिन, अगर

किसी महिला के एक ही रेखा होती है तो वह सौभाग्य को भोगती है लेकिन, संतान सुख में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मणिबंध रेखा और उनसे जुड़े रहस्य

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हाथों में जंजीरदार मणिबंध रेखाएं होती है तो ऐसा व्यक्ति जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करता है।

अगर मणिबंध रेखा के ऊपर त्रिकोण बना हुआ हो तो ऐसे व्यक्ति को वृद्धावस्था में जाकर धन और मान सम्मान मिलता है

अगर मणिबंध रेखा के ऊपर तारा बना हुआ हो तो ऐसे लोगों को किसी अजनबी की मदद से धन प्राप्त होता है।

मणिबंध पर अगर क्रॉस का निशान हो तो व्यक्ति को जीवन में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

मणिबंध रेखाओं से आयु का आकलन भी किया जाता है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर किसी पुरुष की कलाई में तीनों मणिबंध रेखाएं हो तो ऐसा व्यक्ति आयुष्मान होता है। वहीं, अगर चार रेखाओं हो तो स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती हैं।

ऐसी रेखा होने पर मिलता है धन लाभ

हस्तरेखा शास्त्र में बताया गया है कि अगर कोई रेखा मणिबंध रेखा से उठकर मंगल के स्थान पर जाती है तो ऐसे व्यक्ति को अच्छा धन लाभ प्राप्त होने की संभावनाएं रहती हैं। वहीं, अगर मणिबंध से कोई रेखा शनि पर्वत की तरफ रेखा जाती है तो इसका मतलब है कि पिछले जन्म का आपको बिछड़ा हुआ प्रेमी आपको वापस मिल सकता है।

पाताल लोक से जुड़े हैं बाबा दुग्धेश्वर महादेव, स्पर्श मात्र से मिलती है कष्टों से मुक्ति

15 फरवरी को देशभर के शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि का त्योहार पूरे उत्साह से मनाया जाने वाला है और उसके लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसी कड़ी में हम आपके लिए ऐसे शिव मंदिर की जानकारी लेकर आए हैं जिसकी उत्पत्ति गाय के दूध से हुई है और इस अद्भुत शिवलिंग की जड़ें पाताल लोक से जुड़ी हैं। खास बात ये है कि मंदिर सिर्फ अध्यात्म का केंद्र नहीं बल्कि राजनीति से भी जुड़ा है। हम जिस मंदिर की बात कर रहे हैं, उसका नाम है दुग्धेश्वर महादेव मंदिर, जो कि उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रुद्रपुर कस्बे में बना है। मंदिर हजारों साल पुराना बताया जाता है और मंदिर को लेकर भक्तों की मान्यता भी उतनी ही मजबूत है। माना जाता है कि दुग्धेश्वर महादेव के स्पर्श दर्शन और दूध अर्पित करने से जीवन के सारे कष्ट मिल जाते हैं और शारीरिक रोगों से भी मुक्ति मिलती है, लेकिन खास बात ये है कि मंदिर के गर्भगृह में मौजूद ये शिवलिंग अनोखा है क्योंकि उसका आकार बाकी शिवलिंग से बिल्कुल अलग है।

मंदिर में स्थापित शिवलिंग दिखने में खंडित चट्टान की तरह दिखते हैं और इस रूप को चंडलिंग अवतार माना जाता है। इसका कनेक्शन उज्जैन के महाकाल से है। माना जाता है कि दुग्धेश्वर महादेव बाबा महाकाल के उप-रूप हैं, जिनके दर्शन करने से ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने जितना ही पुण्य मिलता है। इसलिए जो भक्त बाबा के

दर्शन के लिए उज्जैन नहीं जा पाते हैं, वे देवरिया के दुग्धेश्वर महादेव के दर्शन जरूर करते हैं।

18 एकड़ में बने दुग्धेश्वर महादेव के दर्शन करना भी आसान नहीं है क्योंकि महादेव जमीन से नीचे की तरफ 15 फीट पर स्थिति हैं और उनके दर्शन के लिए सीढ़ियों से नीचे उतकर जाना होता है। जमीन से नीचे की तरफ स्थापित होने की वजह से दुग्धेश्वर महादेव को पाताल का राजा कहा जाता है। माना जाता है कि शिवलिंग की जड़ें पाताल लोक से जुड़ी हैं।

मंदिर की पौराणिक कथा भी बहुत अद्भुत है। कहा जाता है कि सालों पहले एक गोपालक की गाय इसी स्थान पर आकर रोजाना दूध देती थी। जब गोपालक ने गाय का पीछा किया तो पता चला कि इस जगह पर वो दूध देती है, वहां दिव्य शक्ति स्थापित है। बाद में उसी स्थान पर स्वयंभू दुग्धेश्वर महादेव प्रकट हुए। उसी दिन से बाबा पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आई है।

शिवरात्रि, महाशिवरात्रि और सावन के महीने में मंदिर में मेले का आयोजन होता है और बड़ी संख्या में भक्त बाबा के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। महाशिवरात्रि पर बाबा का विशेष शृंगार होता है और भक्त मनोकामना पूर्ति के लिए बाबा पर गाय का शुद्ध दूध अर्पित करते हैं।

संपादकीय

डील के कई विरोधाभास

अमरीका से कृषि उत्पाद भारत में आएंगे और गेहूं, ज्वार, जौ, बाजरा, ओट्स, चावल, मक्का आदि बाजार में नहीं आएंगे। डेयरी क्षेत्र में भी अमरीका भारत के बाजार में प्रवेश करेगा, लेकिन हमारे किसान, उद्यमी और एमएसएमई सुरक्षित और संरक्षित रहेंगे। ऐसा आश्वासन प्रधानमंत्री मोदी ने भी दिया है। व्यापार समझौते का जो मसविदा, ढांचा सामने आया है, बेशक वह अंतरिम है, लेकिन कई विरोधाभासों वाला है। गेहूं, चावल, मक्का, सोयाबीन, पॉल्ट्री, मीट, केला, स्ट्राबेरी, चेरी, हरा मटर, मूंग, काबुली चना, तेल के बीज, तंबाकू, इथनॉल और डेयरी उत्पादों पर अमरीका हमें कोई छूट और रियायत नहीं देगा। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल दावा कर रहे हैं कि दूध, क्रीम, छाछ, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर आदि डेयरी उत्पाद अमरीका से भारत में नहीं आएंगे। मसाले भी नहीं आएंगे, लेकिन समझौते के मसविदे, ढांचे में कहीं भी उल्लेख नहीं है कि दूध, जीएस गेहूं एवं मक्का, सोयाबीन आदि उत्पाद अमरीका भारत में नहीं भेजेगा। समझौते में कई गंभीर विरोधाभास हैं। अर्थात अमरीका हमारे कृषि और डेयरी क्षेत्रों में भी अपना कारोबार करेगा। क्या भारतीय किसान अमरीकी किसानों की प्रतिस्पद्र्धा में टिक सकेंगे? अमरीकी किसानों की लागत भारतीय किसानों की तुलना में बहुत कम है, क्योंकि उन्हें अरबों की सबसिडी दी जाती है, जबकि भारतीय सबसिडी 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। क्या एसबीआई की रपट बिल्कुल सही, सटीक साबित होगी और भारतीय किसानों, पशुपालकों को 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान उठाना पड़ सकता है? बहरहाल मार्च मध्य में जब समझौते का अंतिम मसविदा सार्वजनिक होगा और जिस पर दोनों देशों के प्रतिनिधि हस्ताक्षर करेंगे, तब तक कुछ और संशोधन किए जा सकते हैं, लेकिन मोटे तौर पर व्यापार समझौते की शर्तें तय हो चुकी हैं। लिहाजा सबसे संवेदनशील सवाल यह है कि क्या अमरीका को उन क्षेत्रों में घुसने की अनुमति दे दी गई है, जिन पर भारत सरकार साफ इंकार करती रही है? एक बार अमरीकी उत्पादों का भारत में सैलाब आएगा, तो फिर वह रुकने वाला नहीं है? क्या भारत सरकार अमरीकी कृषि और डेयरी उत्पादों पर इतना टैरिफ लगा सकती है कि वे भारतीय बाजार में, हमारे किसानों के साथ, प्रतिस्पद्र्धा करने में पिछड़ जाएं? समझौते के मसविदे से तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगता। बहरहाल अभी तो हमें प्रधानमंत्री मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बयानों और दावों पर भरोसा करना चाहिए। रूस के कच्चे तेल से जुड़ी अमरीका की चेतावनी भी बेहद गंभीर है। सवाल है कि भारत किस देश से, कितना तेल-गैस आदि, खरीदता है, इस संप्रभु निर्णय में अमरीका का दखल क्यों होना चाहिए? राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐसा प्रशासनिक आदेश भी जारी कर दिया है कि यदि भारत, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, रूस से तेल खरीदता पाया जाता है, तो उस पर 25 फीसदी पेनल्टी टैरिफ एक बार फिर लगाया जा सकता है। इस बिंदु पर भारतीय वार्ताकार सहमत क्यों हुए? रूस भारत का पुराना और आजमाया हुआ मित्र-देश है। भारत ने जनवरी, 2026 में भी रूस से 251 टन तेल प्रतिदिन खरीदा है। बेशक भारत ने रूसी तेल की खरीद कम की है, लेकिन यह भी गौरतलब तथ्य है कि रूसी तेल खरीदने से भारत को बीते 40 माह में 1.53 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ है। तेल का यह कारोबार 'रुपए-रुबेल' में हुआ है। अप्रैल-मई तक का रूसी तेल का हमारा ऑर्डर पहले ही दिया जा चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप को बखूबी जानकारी होगी। फिर भी उन्होंने टैरिफ थोपने वाला आदेश जारी क्यों किया है? भारत-अमरीका समझौते के संदर्भ में एक गलत और पूर्वाग्रही व्याख्या की जा रही है। समझौते का अंतरिम ढांचा देश के सामने है, फिर भी किसान संगठनों ने विरोध प्रदर्शन का फैसला लिया है।

व्यापार समझौते का जो मसविदा, ढांचा सामने आया है, बेशक वह अंतरिम है, लेकिन कई विरोधाभासों वाला है। गेहूं, चावल, मक्का, सोयाबीन, पॉल्ट्री, मीट, केला, स्ट्राबेरी, चेरी, हरा मटर, मूंग, काबुली चना, तेल के बीज, तंबाकू, इथनॉल और डेयरी उत्पादों पर अमरीका हमें कोई छूट और रियायत नहीं देगा। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल दावा कर रहे हैं कि दूध, क्रीम, छाछ, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर आदि डेयरी उत्पाद अमरीका से भारत में नहीं आएंगे। मसाले भी नहीं आएंगे, लेकिन समझौते के मसविदे, ढांचे में कहीं भी उल्लेख नहीं है कि दूध, जीएस गेहूं एवं मक्का, सोयाबीन आदि उत्पाद अमरीका भारत में नहीं भेजेगा। समझौते में कई गंभीर विरोधाभास हैं। अर्थात अमरीका हमारे कृषि और डेयरी क्षेत्रों में भी अपना कारोबार करेगा। क्या भारतीय किसान अमरीकी किसानों की प्रतिस्पद्र्धा में टिक सकेंगे? अमरीकी किसानों की लागत भारतीय किसानों की तुलना में बहुत कम है, क्योंकि उन्हें अरबों की सबसिडी दी जाती है, जबकि भारतीय सबसिडी 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। क्या एसबीआई की रपट बिल्कुल सही, सटीक साबित होगी और भारतीय किसानों, पशुपालकों को 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान उठाना पड़ सकता है? बहरहाल मार्च मध्य में जब समझौते का अंतिम मसविदा सार्वजनिक होगा और जिस पर दोनों देशों के प्रतिनिधि हस्ताक्षर करेंगे, तब तक कुछ और संशोधन किए जा सकते हैं, लेकिन मोटे तौर पर व्यापार समझौते की शर्तें तय हो चुकी हैं।

ट्रंप ने भी वार्ता को बहुत अच्छी बताया, पर साथ में चेतावनी जोड़ी कि यदि समझौता नहीं हुआ तो नतीजे बहुत सख्त होंगे

ईरान को सबक सिखाने के लिए साम दाम दंड भेद की नीति अपना रहे हैं ट्रंप

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर उन सभी देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की चेतावनी दी है जो ईरान के साथ किसी भी तरह का व्यापार जारी रखेंगे। आदेश में शुल्क की दर तय नहीं की गई है, पर उदाहरण के तौर पर पच्चीस प्रतिशत का जिक्र है। साफ कहा गया है कि जो भी देश सीधे या परोक्ष रूप से ईरान से सामान या सेवा खरीदेगा, उस पर यह शुल्क लगाया जा सकता है। ट्रंप ने अलग से बयान देते हुए दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए। यह कदम ऐसे समय आया है जब ओमान में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। कई सप्ताह की बयानबाजी और धमकियों के बाद शुरू हुई यह बातचीत तनाव कम करने की कोशिश मानी जा रही है, पर जमीन पर हालात अब भी तने हुए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी चरम पर होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर उन सभी देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की चेतावनी दी है जो ईरान के साथ किसी भी तरह का व्यापार जारी रखेंगे। आदेश में शुल्क की दर तय नहीं की गई है, पर उदाहरण के तौर पर पच्चीस प्रतिशत का जिक्र है। साफ कहा गया है कि जो भी देश सीधे या परोक्ष रूप से ईरान से सामान या सेवा खरीदेगा, उस पर यह शुल्क लगाया जा सकता है। ट्रंप ने अलग से बयान देते हुए दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए। यह कदम ऐसे समय आया है जब ओमान में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। कई सप्ताह की बयानबाजी और धमकियों के बाद शुरू हुई यह बातचीत तनाव कम करने की कोशिश मानी जा रही है, पर जमीन पर हालात अब भी तने हुए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान में वार्ता को अच्छी शुरुआत बताया, लेकिन साथ ही कहा कि अविश्वास का माहौल गहरा है, खासकर इसलिए कि हाल ही में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। ट्रंप ने भी वार्ता को बहुत अच्छी बताया, पर साथ में चेतावनी जोड़ी कि यदि समझौता नहीं हुआ तो नतीजे बहुत सख्त होंगे। अमेरिका का कहना है कि वह केवल परमाणु कार्यक्रम नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दे भी बातचीत में शामिल करना चाहता है। दूसरी ओर तेहरान का रुख साफ है कि चर्चा केवल परमाणु कार्यक्रम पर होगी और उसे यूरेनियम संवर्धन का अधिकार मिलना चाहिए। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वह हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा। हम आपको बता दें कि इस तनातनी की जड़ें पिछले एक दशक में लिए गए फैसलों में हैं। वर्ष 2015 के परमाणु समझौते के तहत ईरान को सीमित स्तर तक यूरेनियम संवर्धन की अनुमति थी और उस पर सख्त निगरानी थी। बदले में उस पर लगे कई प्रतिबंध हटाए गए थे। लेकिन ट्रंप ने

अपने पहले कार्यकाल में वर्ष 2018 में इस समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था और कठोर प्रतिबंध फिर लगा दिए थे। तेल निर्यात, जहाजरानी और बैंक तंत्र पर पाबंदियों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को भारी चोट दी। जवाब में ईरान ने समझौते की कई शर्तों से आगे बढ़ कर संवर्धन करना शुरू कर दिया। बीते वर्षों में हालात और बिगड़े। वर्ष 2020 में ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी अमेरिकी हमले में मारे गए, जिससे टकराव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। फिर संयुक्त राष्ट्र में प्रतिबंध फिर लगाने की कोशिशें हुईं। वर्ष 2025 में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने कतर में एक अमेरिकी ठिकाने पर मिसाइल दागी, हालांकि जान का नुकसान नहीं हुआ। पिछले वर्ष पश्चिमी देशों के प्रयास से संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सैन्य प्रतिबंध फिर लागू हुए। अब ताजा कदम के तहत अमेरिका ने ईरानी तेल और पेट्रो रसायन से जुड़े पंद्रह संस्थानों और कई जहाजों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। उधर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर ईरान को चेताया कि किसी भी हमले का जोरदार जवाब मिलेगा। उनका कहना है कि अमेरिका के साथ तालमेल बहुत गहरा है, इसलिए अंतिम फैसला ट्रंप ही करेंगे। ट्रंप ने भी कहा है कि ईरान बातचीत इसलिए कर रहा है क्योंकि वह अमेरिकी हमले से बचना चाहता है और अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा इलाके में आगे बढ़ रहा है। सवाल यह है कि क्या यह पूरी कवायद शांति की राह है या दबाव की राजनीति का नया दौर? ट्रंप का शुल्क हथियार दरअसल आर्थिक घेराबंदी का विस्तार है। संदेश साफ है कि जो ईरान से नाता रखेगा, वह अमेरिकी बाजार से हाथ धो सकता है। यह नीति कई देशों को कठिन दुविधा में डालेगी, खासकर वे देश जो ऊर्जा जरूरतों के लिए ईरानी तेल पर निर्भर हैं। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और पश्चिम एशिया की सामरिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ेगा। सामरिक दृष्टि से यह रस्साकशी खतरनाक है। एक ओर बातचीत चल रही है, दूसरी ओर युद्ध की तैयारी जैसे संकेत दिए जा रहे हैं। बेड़े की तैनाती, मिसाइल की चर्चा और प्रतिबंधों की बौछार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां एक छोटी चिंगारी भी बड़े संघर्ष में बदल सकती है। ईरान भी झुकने के मूड़ में नहीं दिखता और वह बार बार अपने अधिकार की बात दोहरा रहा है। बहरहाल, हकीकत यह है कि न तो केवल दबाव से समाधान निकलेगा, न केवल बयान से। यदि दोनों पक्ष सच में टकराव टालना चाहते हैं तो उन्हें भरोसे की बहाली, चरणबद्ध रियायत और स्पष्ट लक्ष्यों की राह पकड़नी होगी। वरना शुल्क, प्रतिबंध और हमले का यह चक्र पूरे इलाके को अस्थिर कर देगा और इसका असर दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा पर दूर तक जाएगा। अभी भी समय है कि शक्ति प्रदर्शन की जगह समझदारी दिखाई जाए, नहीं तो आने वाले दिन और ज्यादा उथल पुथल लेकर आ सकते हैं।

देश दुनिया से

भारत से कारोबार को बेताब दुनिया

यकीनन इस समय दुनिया के कई विकसित और विकासशील देश भारत से व्यापार समझौते के लिए आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में 5 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए कहा कि इस समय दुनिया में आकार ले रही नई विश्व व्यवस्था भारत की ओर झुकी हुई है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि पहले अधिकांश अंतरराष्ट्रीय आर्थिक-व्यापारिक टिप्पणियों में कहा जाता था कि भारत ने मौका गंवा दिया, लेकिन अब दुनिया भर के देशों का मानना है कि अगर वे आर्थिक रूप से तेजी से बढ़ते हुए भारत के साथ नहीं जुड़ पाए तो वे महत्वपूर्ण मौका गंवा देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत का तेज आर्थिक विकास और महंगाई नियंत्रण एक दुर्लभ संयोग है। भारत का तेजी से बढ़ता मजबूत बुनियादी ढांचा, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) की रफ्तार, ऊर्जा विकास, नई पीढ़ी की शक्ति, डिजिटल विकास व मैन्युफैक्चरिंग सहित सर्विस सेक्टर की ताकत की वजह से दुनिया के लिए भारत उद्योग-कारोबार और चमकीले बाजार के दृष्टिकोण से आकर्षक देश बन गया है। भारत की भविष्य के लिए तैयार की नई आर्थिक रणनीतियों के मद्देनजर भी दुनिया के विकसित देश बेताबी से भारत के साथ द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में भारत के अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ हुए व्यापार समझौते सहित अन्य व्यापार समझौते भारत के युवाओं और एमएसएमई के लिए अपार अवसरों के द्वार खोलेंगे। गौरतलब है कि 2 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते ने आकार लिया है। इस समझौते से खाद्य, कृषि और डेयरी क्षेत्र में भारत के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। इस समझौते से जहां कई क्षेत्रों में भारत से अमेरिका को निर्यात बढ़ेंगे, वहीं भारत में निवेश भी बढ़ेंगे। इस समझौते से दुनिया के लिए मेक इन इंडिया, डिजाइन इन इंडिया और इनोवेट इन इंडिया का अभियान तेजी से आगे बढ़ेगा। 7 फरवरी को इस व्यापार समझौते के तहत अमेरिका के द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 25 प्रतिशत जवाबी टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी किया गया है और रूस से तेल खरीदी के मद्देनजर अमेरिकी के द्वारा दंडात्मक रूप में भारत पर लगाए गए 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ को हटा दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले माह 27 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित भारत ईयू के शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ऊर्सला वान डेर लायन की उपस्थिति में भारत-ईयू के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का ऐलान किया गया। इस एफटीए पर आधिकारिक हस्ताक्षर लगभग छह महीने बाद होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का शानदार उदाहरण है और भारत के लिए अत्यधिक लाभप्रद है। ऊर्सला ने इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी (मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स) कहते हुए यह रेखांकित किया कि दुनिया के वर्तमान 'ग्रोथ सेंटर' और इस सदी के आर्थिक पावर हाउस भारत के साथ यह एफटीए यूरोप को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते आर्थिक क्षेत्रों में पहली बढ़त दिलाएगा। साथ ही यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक गेम-चेंजर साबित होने वाला एफटीए होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस एफटीए से दो अरब लोगों का एक साझा बाजार तैयार होगा और यह संयुक्त बाजार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगा। निश्चित रूप से इस एफटीए ने अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे टैरिफ के बीच भारत और ईयू को नई रणनीतिक गोलबंदी के साथ व्यापारिक संबंधों को नई दिशा दी है। गौरतलब है कि भारत-ईयू एफटीए के लिए बातचीत 2007 में शुरू हुई थी, लेकिन 2013 में यह वार्ता रुक गई। जून 2022 में वार्ता फिर से शुरू की गई थी, जो अब अंजाम तक पहुंची है। यह बात महत्वपूर्ण है कि यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। भारत और यूरोपीय संघ एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार हैं, क्योंकि दोनों मूल्य श्रृंखला के अलग-अलग स्तरों पर काम करते हैं। भारत प्रमुखतया श्रम-प्रधान और प्रसंस्करण आधारित वस्तुओं का निर्यात करता है, जबकि यूरोपीय संघ प्रमुखतया पूंजीगत वस्तुओं, उन्नत प्रौद्योगिकी और औद्योगिक उत्पादों की आपूर्ति करता है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और 27 देशों के संगठन ईयू के बीच वस्तुओं और सेवाओं में कुल व्यापार 190 अरब डॉलर से अधिक का रहा है। पिछले वित्त वर्ष में दोनों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डॉलर रहा। इसमें भारत का निर्यात 75.85 अरब डॉलर और आयात 60.68 अरब डॉलर था। इसके अलावा, यूरोपीय संघ भारत में एक बड़ा निवेशक भी है, जिसका अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक संचयी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) करीब 117.4 अरब डॉलर रहा है। यदि हम भारत-ईयू एफटीए को देखें तो पाते हैं कि इससे भारत और यूरोपीय संघ के छात्रों, मौसमी कामगारों, शोधकर्ताओं और उच्च कुशल पेशेवरों की आवाजाही को सुगम बनाने, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक गतिशील ढांचे को आकार मिला है। यह एफटीए भारत-ईयू व्यापार के लिए महज एक व्यापार का रणनीतिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि आर्थिक पुनर्व्यवस्था के रूप में भारत और ईयू दोनों के लिए व्यापारिक जोखिम को पुनर्संतुलित करने और बदलते वैश्विक व्यापार वातावरण में आगे बढ़ने का अवसर देने वाला चमकीला दस्तावेज है। इस एफटीए के तहत दोनों पक्ष आपसी व्यापार वाली 90 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर आयात शुल्क शुरुआत से ही कम या समाप्त कर देंगे, जबकि कुछ अन्य वस्तुओं पर इसे आगामी वर्षों में चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा। यह एफटीए व्यापार, निवेश, स्वच्छ और हरित ऊर्जा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और रक्षा, डिजिटल पहलों, कनेक्टिविटी, अंतरिक्ष और कृषि के क्षेत्रों में आपसी प्रतिबद्धता को दिखाता है। यह एफटीए वस्तुओं, सेवाओं के व्यापार और नियमों पर केंद्रित है, लेकिन निवेश संरक्षण और जीआई जैसे मुद्दे अलग से सुलझाए जाएंगे। निःसंदेह विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग भारत-ईयू एफटीए का एक मुख्य स्तंभ है, जिसे संस्थागत ढांचे का समर्थन प्राप्त है और इससे सहयोगी अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्मार्ट ग्रिड, जल, टीके, आईसीटी, ध्रुवीय विज्ञान और यूरोपीय अनुसंधान परिषद के साथ काम करने वाले युवा वैज्ञानिकों की गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में नया सहयोग मिलेगा। अंतरिक्ष सहयोग भारत-ईयू एफटीए का एक महत्वपूर्ण आयाम है, जो दशकों के तकनीकी सहयोग और बढ़ते संस्थागत जुड़ाव पर आधारित है।

आप का नज़रिया

आओ प्रधानमंत्री के पास चलें

सत्ता बदलते ही हिमाचल से दिल्ली की दूरी इतनी बढ़ गई कि चारों तरफ वित्तीय गड्ढे बढ़ गए हैं। जाहिर है हिमाचल का सफर अब आसान नहीं और यह स्पष्ट है कि सिंगल इंजन सरकार होने का अर्थ भेदभाव करने लगा है। चारों तरफ रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट की शून्यता का अंधकार है, तो प्राकृतिक आपदा के जख्मों पर केंद्र सरकार का नमक भी हराम हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल को पंद्रह सौ करोड़ की राहत देने की घोषणा से, आपदा त्रासदी के आंसू पोंछने का जो दावा किया था, वह भी जमीन पर नहीं उतरा, तो यह हमारी किश्तियां जलाने का कार्य ही माना जा सकता है। वित्तीय विमर्श के नए अवतरण में भी प्रदेश का सियासी चेहरा अपनी भिन्नता में खिन्नता छुपा रहा है। लगता है जैसे कोई गर्म आलू सत्ता पक्ष के हाथों नृत्य कर रहा हो। प्रवचन चारों तरफ राज्य के संसाधनों की मुनीमगिरी कर रहे हैं, जबकि हिमाचल में वित्तीय विध्वंस के हम सभी पात्र हैं। वे सभी महफिलें, सत्ता के पद, सरकारी कार्य संस्कृति और कद से कहीं ऊपर घोषणाओं के नाद, इस स्थिति का आंतरिक व बाह्य पक्ष है। बेशक 16वां वित्त आयोग इस समय हमारे अस्तित्व का विलेन है, लेकिन यह राष्ट्रीय संसाधनों, नीतियों और वित्तीय परंपराओं का भी सत्यानाश है। हम जिस वजह से फलते-फूलते रहे, उसकी कड़छियां बदल गईं, तो केंद्र की छांव भी रूठ गई। इसी संदर्भ में विधानसभा के विशेष सत्र का प्रस्ताव अगर सतर्क नहीं, तो 'खेत चुगने वाली चिडियों' की शिकायत कहां करें। वित्तीय संकट की गंभीरता से उभरे सवाल हमारे आजू बाजू, सरकारी व्यवस्था और विपक्ष के व्यवहार से भी नत्थी हैं। सत्तर लाख लोगों के वजूद के लिए जितने स्कूल-कालेज चाहिए थे, हम उनसे भी आगे निकल कर राजनीतिक जमीन बांट रहे थे। हमें पालमपुर में कृषि विश्वविद्यालय चाहिए था, लेकिन हमारे खेतों में बंदरों और आवारा पशुओं ने फसल उगाने को मना कर दिया है। हम बागबानी का नहीं तकनीकी शिक्षा के लिए भी विश्वविद्यालय खड़े कर देते हैं। सरकारी क्षेत्र में छह मेडिकल कालेज, एक एम्स, एक पीजीआई का सेटेलाइट सेंटर तैयार करने के बाद हम मेडिकल यूनिवर्सिटी स्थल का चयन करते हुए सारे राजनीतिक ओहदे खड़े कर देते हैं। हम ढूंढने निकलेंगे तो असफलताओं-फिजूलखर्चियों के कई दरिया निकल आएंगे। हमने प्रवासी पक्षियों को निहारने के लिए वर्ड वाचिंग टावर ऐसी जगह खड़े कर दिए, जहां परिंदे आते नहीं। पर्यटन सूचना केंद्र बना दिए, जहां से सैलानी गुजरते नहीं। कितने शिलान्यास के पत्थर उजड़े, जहां भवन बने नहीं और जहां उद्घाटन हुए वहां इमारतें खंडहर हो गईं। ऐसे में इस बार सुक्खू सरकार फंसी, तो कल कोई और होगा। ऐसा क्यों है कि हिमाचल की राजनीतिक शक्ति को जातियों में तोला जाता, परिवारवाद से जोड़ा जाता है। वित्तीय संकट की मुनादी के बावजूद हम जिस चौराहे पर खड़े हैं, वहां दिशाओं का मिलन बेमानी है। बेशक हिमाचल के मुख्यमंत्री ही वित्त मंत्री बनते रहे, लेकिन क्या हम राजनीतिक नेताओं में किसी को स्वतंत्र रूप से वित्त मंत्री के कार्यभार में सशक्त कर पाए। विडंबना यह भी है कि हमारे अध्ययन व शोध की परिपाटी ने कांट्रैक्ट जॉब के पात्र तो बना दिए, लेकिन न अर्थ शास्त्री पैदा हुए और न ही सामाजिक जवाबदेही में नागरिक समाज अर्थ शास्त्र का यथार्थ पढ़ पाया। हमने एक लाख करोड़ के कर्ज का गुलकंद खाया है और इस पर तुर्रा यह कि राजनीति प्रदेश के बजट को कर्मचारी समीकरणों से हट कर देखना नहीं चाहती। प्रदेश को यथार्थ की राजनीति को अंगीकार करना होगा। बहुत देख लिए सरकारों के जलवे, अब आर्थिक अनिश्चितता से हटकर युवा क्षमता को प्रेरित करते बजट की जरूरत है। प्रदेश के अधिकारों की लंबी फेहरिस्त सभी के पास है और जीने की वकालत में अब तय करना पड़ेगा कि हिमाचल का मकसद और मंजिल है क्या। राजनीति-राजनीति खेलते बहुत हो गए तमाशे, कर्मचारी-कर्मचारी पूजते बहुत हो गई उदारता और दिखाते-दिखाते बहुत हो गए दफ्तर, बस डिपो, स्कूल-कालेज व विश्वविद्यालय। बेशक वित्तीय ठोकरों के हिसाब से हमें दिल्ली का रास्ता ठीक करना होगा और यह भी सत्ता-विपक्ष एक साथ पीएम से मिलें, इससे पहले प्रदेश में भी अनावश्यक खर्चों की बुहारी होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल को पंद्रह सौ करोड़ की राहत देने की घोषणा से, आपदा त्रासदी के आंसू पोंछने का जो दावा किया था, वह भी जमीन पर नहीं उतरा, तो यह हमारी किश्तियां जलाने का कार्य ही माना जा सकता है। वित्तीय विमर्श के नए अवतरण में भी प्रदेश का सियासी चेहरा अपनी भिन्नता में खिन्नता छुपा रहा है। लगता है जैसे कोई गर्म आलू सत्ता पक्ष के हाथों नृत्य कर रहा हो। प्रवचन चारों तरफ राज्य के संसाधनों की मुनीमगिरी कर रहे हैं, जबकि हिमाचल में वित्तीय विध्वंस के हम सभी पात्र हैं। वे सभी महफिलें, सत्ता के पद, सरकारी कार्य संस्कृति और कद से कहीं ऊपर घोषणाओं के नाद, इस स्थिति का आंतरिक व बाह्य पक्ष है। बेशक 16वां वित्त आयोग इस समय हमारे अस्तित्व का विलेन है, लेकिन यह राष्ट्रीय संसाधनों, नीतियों और वित्तीय परंपराओं का भी सत्यानाश है। हम जिस वजह से फलते-फूलते रहे, उसकी कड़छियां बदल गईं, तो केंद्र की छांव भी रूठ गई। इसी संदर्भ में विधानसभा के विशेष सत्र का प्रस्ताव अगर सतर्क नहीं, तो 'खेत चुगने वाली चिड़ियों' की शिकायत कहां करें।

कुछ अलग

सरकारी आफिस का छिलका

आधुनिक युग में सबसे अधिक पंरपराएं समाज नहीं, सरकार के दफ्तर बनाते हैं। दफ्तर बड़ा था, लेकिन बड़े दिलवाला नहीं। बड़े दिल वाले दफ्तर निजी क्षेत्र में होते हैं। मसलन नई गाड़ी की पूछताछ में अगर चार-पांच ऑटो ब्रांड के दफ्तर में चले जाओ, तो चाय-कॉफी तो मिल ही जाएगी। सरकारी दफ्तर में आने वाले का बैग संदिग्ध होता है। खैर उस दिन फिर सरकारी दफ्तर में संतरे बंटे। दरअसल बागबान की फाइल क्लीअर हो गई थी। सारे दफ्तर ने सौहार्दपूर्ण भाव से संतरे चखे और चखते-चखते बागबान को यह भी बताया गया कि बागीचे में सारे सीजन के फल उगाओ। बागबान इशारा समझ चुका था। बागीचे में आम, पपीता, अंगूर और केले तो उग ही जाएंगे, यह सोचकर उत्साहित हुआ। उस दिन दफ्तर के कूड़ादानों के बाहर तक पता चल गया कि तसल्ली से संतरे खाए गए हैं। दफ्तर में कई लोग आते और खाने-पीने के उपहार छोड़ जाते, लेकिन वहां संतरे के छिलकों की महक कम न हुई। बड़े साहब ने खुद देखा कि उनके टेबल के नीचे ढीठ संतरे का छिलका कई दिनों बाद भी मुस्तैदी से फंसा हुआ है। नाराज अधिकारी ने सफाई कर्मी को बुला कर पूछा, 'कैसी सफाई करते हो, संतरे का छिलका अभी भी उपस्थित है।' दफ्तरी अंदाज में सफाई कर्मी ने जवाब दिया, 'सर! मैं बड़ी ही नेकनीयत से टेबल के नीचे तक सफाई करता हूं, लेकिन यह झाड़ू ठीक से नहीं चलता। कल मैंने बड़ी मुश्किल से पिछले साल के छिलके निकाले हैं। आज्ञा दें, तो आपके सामने डेमो दूं।' अधिकारी ने खरीद प्रबंधक को बुलाकर पूछा, 'ये झाड़ू कैसे खरीदे जो एक छिलका नहीं हटा सकते।'

दृष्टि कोण

एफआईआर न्याय पाने का दस्तावेज़ कम और डराने का औज़ार ज़्यादा

हरियाणा पुलिस की एक महिला इंस्पेक्टर का निलंबन महज़ एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है, बल्कि यह उस सड़ांध की ओर इशारा करता है जो वर्दी के भीतर चुपचाप फैल रही है। आरोप है कि एक कॉलोनाइज़र को तंत्र-विद्या के जाल में फँसाकर, एफआईआर रद्द कराने के बदले शारीरिक संबंध बनाए गए और बाद में डर व ब्लैकमेल के सहारे एक लाख रुपये की "मंथली" माँगी गई। यदि ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह मामला केवल व्यक्तिगत नैतिकता या चरित्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे आपराधिक न्याय तंत्र की विश्वसनीयता पर गहरा सवाल खड़ा करता है। यह घटना इसलिए भी अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तीन ताकतवर हथियार एक साथ इस्तेमाल हुए—वर्दी की सत्ता, अंधविश्वास का भय और कानून का डर। भारत में तंत्र-मंत्र, टोना-टोटका और अंधविश्वास आज भी केवल अशिक्षा या पिछड़ेपन का प्रतीक नहीं हैं। बड़े शहरों, पढ़े-लिखे समाज और आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग में भी डर के क्षणों में विवेक कमजोर पड़ जाता है। जब इस डर को कोई वर्दीधारी अधिकारी अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करे, तो पीड़ित व्यक्ति मानसिक, सामाजिक और कानूनी रूप से पूरी तरह असहाय हो जाता है। यह मान लेना भूल होगी कि यह कोई अकेला या अपवादात्मक मामला है। देश के अलग-अलग हिस्सों से समय-समय पर पुलिस और प्रभावशाली तंत्रों की साँठ-गाँठ के मामले सामने आते रहे हैं। कहीं जमीन विवाद में केस दर्ज करने की धमकी देकर पैसे वसूले जाते हैं, कहीं रेप या धोखाधड़ी के मामलों में "सेटिंग" के नाम पर सौदेबाज़ी होती है। कई बार आरोपी और फरियादी दोनों ही थाने के चक्कर काटते हैं, यह जानते हुए कि न्याय नहीं, समझौता ही अंतिम रास्ता है। इस मामले में एक अहम बात यह भी है कि आरोप एक महिला अधिकारी पर हैं। समाज अक्सर यहीं आकर भटक जाता है। बहस अपराध की बजाय महिला-पुरुष, नैतिकता और चरित्र पर केंद्रित हो जाती है। लेकिन सवाल यह नहीं है कि आरोपी महिला है या पुरुष। सवाल यह है कि क्या वर्दी पहनते ही कोई व्यक्ति कानून से ऊपर हो

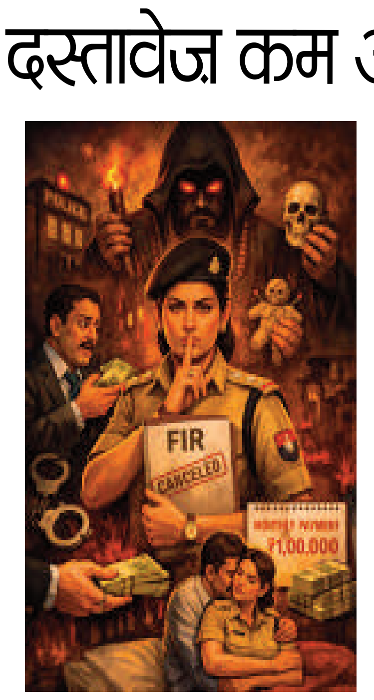

जाता है? कानून का तकाज़ा यह नहीं कि हम आरोपी के लिंग पर बहस करें, बल्कि यह है कि सत्ता के दुरुपयोग को बिना किसी संकोच के बेनकाब किया जाए। कानून के सामने लिंग, जाति, पद या प्रभाव नहीं—सिर्फ़ अपराध मायने रखता है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो यह अपराध सिर्फ़ ब्लैकमेल या भ्रष्टाचार का नहीं, बल्कि न्याय की अवधारणा पर सीधा हमला है। यह उस भरोसे का कत्ल है, जो आम नागरिक पुलिस और प्रशासन पर करता है। आज एफआईआर आम आदमी के लिए सुरक्षा की गारंटी कम और डर का प्रतीक ज़्यादा बनती जा रही है। एक काग़ज़, कुछ धाराएँ और कुछ हस्ताक्षर—और पूरा जीवन शक, बदनामी और भय में बदल जाता है। नौकरी खतरे में पड़ जाती है, सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल हो जाती है और परिवार मानसिक दबाव में आ जाता है। जब इसी डर को सौदे की शक्ल दे दी जाती है, तब कानून न्याय का माध्यम नहीं, बल्कि बाज़ारू हथियार बन जाता है। इस मामले में एक लाख रुपये की मंथली माँग यह साफ़ करती है कि यह कोई भावनात्मक या क्षणिक चूक नहीं थी, बल्कि सुनियोजित वसूली का तंत्र था। भारत में ऐसे 'मंथली सिस्टम' किसी से छिपे नहीं हैं। अवैध शराब, खनन माफिया, कॉलोनाइज़र, सट्टा-जुआ—हर जगह एक तय रेट, एक तय तारीख और यह भरोसा कि "सब मैनेज है।" अगर आरोप सही हैं, तो यह मानना कठिन है कि यह सब एक व्यक्ति के बूते पर हो रहा था। असली परीक्षा इस बात की है कि जाँच कितनी निष्पक्ष, कितनी गहरी और कितनी ईमानदार होती है। दुर्भाग्य से, ऐसे मामलों में निलंबन को ही सबसे बड़ी कार्रवाई बताकर पेश कर दिया जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि निलंबन कोई सज़ा नहीं, बल्कि सिर्फ़ एक अस्थायी विराम है। कई बार जांच लंबी चलती है, सबूत कमजोर पड़ते हैं और मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। ज़रूरत इस बात की है कि जाँच समयबद्ध हो, कॉल डिटेल्स, बैंक लेनदेन, संपत्ति और संपर्कों की पूरी पड़ताल की जाए और दोष सिद्ध होने पर बर्खास्तगी के साथ आपराधिक मुकदमा भी चले। यह मामला केवल पुलिस सुधार या प्रशासनिक जवाबदेही तक सीमित नहीं है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी सेहत के बारे में ज़रूरत से ज़्यादा चिंता न करें। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हे। आज की शाम दोस्तों के साथ कहीं बाहर आप जा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। अपनी खुशी को जाहिर करें इससे आपसे जुडे लोगों को भी खुशी मिलती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवाद–ास्पद रहेगा। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ लोग खेल खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कहानी लिखने वाले लेखक समुदाय राईटर भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। वैवाहिक जीवन मे सामांजस्य बनाकर चले नही तो साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है। दोस्तों के साथ खाली वक्त मे आप गपशप से कर सकते हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा–सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा–स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपको अपने प्रिय का एक अलग ही अन्दाज़ देखने को मिल सकता है। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिल–ना–जुलना होगा। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। किसी करीबी और पुराने मित्र से मिलकर आज आप अतीत के सुनहरे दिनों में खो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

छोटी–छोटी चीज़ों को ख़ुद के लिए परेशानी का सबब न बनने दें। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जो काम आप आज पूरे करने में सक्षम हैं उन्हें कल पर ना ही टालें तो आपके लिए अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 फरवरी 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 10:01 तक
नक्षत्र : अनुराधा प्रातः 10:53 तक
योग : व्याघात रात्रि 02:29 तक
करण : गर प्रातः 10:01 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 06:16 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:43 , सूर्यास्त 06:24 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 06:16 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त 06:08 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्रीरामदास नवमी, भद्रा रात्रि 11:13 से , गण्डमूल प्रातः 10:54 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सूरजकुंड हादसाः

हरियाणा में बनेगी देश की पहली झूला सेफ्टी पॉलिसी: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 10 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार झूला सेफ्टी पॉलिसी बनाएगी। यह देश में अपनी तरह की पहली नीति होगी, जिसका उद्देश्य झूलों और मनोरंजन साधनों को पूरी तरह सुरक्षित बनाना है। इस पॉलिसी से लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री मंगलवार को हरियाणा निवास पर पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में सूरजकुंड जैसी झूला टूटने की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सरकार ठोस और प्रभावी कदम उठाएगी। उन्होंने सूरजकुंड में हुए हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस हादसे को सरकार बेहद गंभीरता से ले रही है। इस मामले में झूला कमेटी से जुड़े दो लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हादसे में घायल हुए सभी लोगों का इलाज चल रहा है, उनके इलाज का पूरा खर्च हरियाणा सरकार वहन करेगी।

इसके साथ ही गंभीर रूप से घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 1 रुपये लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। हादसे में शहीद होने वाले इंस्पेक्टर जगदीश के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद पुलिसकर्मी के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी और आर्थिक मदद भी की जाएगी।

पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने किया सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का भ्रमण

फरीदाबाद, 10 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सोमवार को अपनी धर्मपत्नी एवं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ विश्वविख्यात सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने देश–विदेश से आए शिल्पकारों द्वारा तैयार की गई आकर्षक हस्तशिल्प कलाकृतियों, पारंपरिक उत्पादों तथा सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी प्रस्तुतियों का अवलोकन किया और शिल्पकारों से संवाद कर उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। पर्यटन मंत्री ने विभिन्न राज्यों और देशों के थीम पवेलियनों का निरीक्षण करते हुए कहाकि सूरजकुंड मेला भारत की लोक संस्कृति, पारंपरिक कलाओं और शिल्प परंपराओं को एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह मेला न केवल कलाकारों की आर्थिक उन्नति में सहायक है, बल्कि सांस्कृतिक आदान–प्रदान को भी प्रोत्साहित कर पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा दे रहा है। भ्रमण के दौरान डॉ. अरविंद शर्मा ने प्रसिद्ध सूफी गायक एवं शास्त्रीय संगीतकार कशिश मित्तल की भावपूर्ण संगीतमय प्रस्तुति का भी आनंद लिया। सूफी और शास्त्रीय संगीत के मधुर संगम से सजे इस कार्यक्रम ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा पूरे परिसर में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण का सृजन किया।

हरियाणा में खेल ढाँचे की दुर्दशा के कारण हमारे खिलाड़ियों की जान तक जा रही: दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 10 फरवरी (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि जिस हरियाणा प्रदेश के खिलाड़ी देश को 50% से अधिक मेडल दिलाते हों, क्या वह कॉमनवेल्थ खेल 2030 की मेजबानी का हकदार नहीं? इससे भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा सरकार ने इसकी मेजबानी या सह–मेजबानी के लिए कोई प्रस्ताव भी नहीं भेजा। उन्होंने कहा कि पूरे देश ने देखा कि आज हरियाणा में खेल ढाँचे की इतनी दुर्दशा है कि खेल के मैदान में प्रैक्टिस करते हुए हमारे खिलाड़ियों की जान तक जा रही है। कॉमनवेल्थ खेल 2030 व ओलंपिक 2036 में हरियाणा को कम से कम को–होस्ट राज्य बनाने से लाखों करोड़ के बजट में से हरियाणा के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी कुछ खर्च हो पाएगा। लोकसभा में सांसद सांसद वरुण चौधरी के सवाल के जवाब से खुलासा हुआ कि हरियाणा की बीजेपी सरकार ने वर्ष 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के मेजबान या सह मेजबान के रूप में हरियाणा को शामिल करने का कोई प्रस्ताव तक नहीं भेजा। सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि हरियाणा की बीजेपी सरकार प्रदेश के हितों की बात रखने में बार–बार विफल साबित हो रही है।

उन्होंने कहा कि पानी, पूरी राजधानी, अलग उच्च न्यायालय, विधानसभा भवन के

लिये स्थान, ग्रुप ए और बी में हरियाणा के युवाओं को रोजगार, कुछ भी नहीं मिल रहा है और अब पूरे विश्व में भारत माता का नाम रौशन करने वाले हरियाणा के खिलाड़ियों को ध्यान में रखते हुए 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी या सह मेजबानी, जो हरियाणा प्रदेश में होनी चाहिये थी वह भी, हरियाणा में नहीं हो रही।

हरियाणा सरकार ने भारत सरकार को इसके लिये प्रस्ताव तक भेजना उचित नहीं समझा और भारत सरकार ने भी हरियाणा को नजरअंदाज़ किया है। चारों सांसद – सांसद जय प्रकाश 'जेपी', सांसद दीपेन्द्र हुड्डा, सांसद वरुण चौधरी एवं सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 के मेजबान या सह–मेजबान के रूप में हरियाणा को शामिल करने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेज़बानी अथवा सह मेज़बानी के लिए हरियाणा सरकार तुरंत प्रस्ताव करे और भारत सरकार इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार करे। हरियाणा को उसका हक मिलना ही चाहिए।

इससे पहले भी चारों सांसदों ने संसद परिसर में 'ओलंपिक व कॉमनवेल्थ खेल हरियाणा में हो' के नारे लिखी तख्तियाँ लेकर संसद परिसर में नारा लगाकर प्रदर्शन किया था। सांसद जय प्रकाश जेपी ने कहा कि देश की कुल आबादी के 2% आबादी वाले हरियाणा की ओलंपिक खिलाड़ियों के दल में 21% हिस्सेदारी है और देश को मिलने वाले मेडल में लगभग 50% भागीदारी है। फिर भी सरकार हरियाणा के लिए खेलो इंडिया में न के बराबर बजट दे रही है। यह देश की खेल भावना के साथ क्रूर मजाक है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती हुड्डा सरकार के समय खेल व खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिये ग्रामीण अंचलों में खेल स्टेडियम बनाये थे, खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए कांग्रेस सरकार द्वारा बनाई गई 'पदक लाओ, पद पाओ' नीति और स्कूल स्तर पर कक्षा पहली से खेल–खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए SPT नीति को भी बीजेपी सरकार ने खत्म कर दिया।

संसद में प्रश्नों पर रोक लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत : सैलजा

चंडीगढ़, 10 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा लोकसभा सचिवालय को यह निर्देश दिया जाना कि पीएम केयर्स फंड, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष और राष्ट्रीय रक्षा कोष से जुड़े विषयों पर संसद में प्रश्न नहीं पूछे जा सकते, लोकतंत्र की मूल भावना और संसदीय परंपराओं के लिए अत्यंत गंभीर विषय है। संसद जनता की आवाज़ है और जनप्रतिनिधियों को जनहित से जुड़े हर विषय पर प्रश्न पूछने का संवैधानिक अधिकार है। यह बात सिरसा की सांसद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव तथा पूर्व मंत्री कुमारी सैलजा ने आज जारी एक बयान में कही। सांसद सैलजा ने कहा कि हजारों करोड़ रुपये के सार्वजनिक धन से संचालित इन कोषों पर सवाल उठाना पारदर्शिता और जवाबदेही का हिस्सा है। यदि संसद में ही इन विषयों पर प्रश्नों को रोका जाएगा तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा को कमजोर करेगा। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि संसदीय कार्य संविधान के अनुसार संचालित होंगे या फिर सरकारी आदेशों के आधार पर। कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में मानसून की मार से सैकड़ों गरीब परिवारों के घर उजड़ गए। फसलें बर्बाद हो गईं और रोजगार ठप पड़ गया, लेकिन राज्य सरकार का राहत तंत्र केवल कागजों और फाइलों तक सीमित दिखाई दे रहा है। जिन लोगों का सब कुछ नष्ट हो गया, उन्हें आज तक सरकारी मुआवजा नहीं मिल पाया है।

उन्होंने कहा कि आपदा के समय सरकार का कर्तव्य संवेदनशीलता और तत्परता से राहत पहुँचाना होता है, लेकिन पीड़ित परिवारों को मुआवजे के लिए दर–दर भटकना पड़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि सरकार जनता के दुख में साथ खड़ी होने के बजाय उन्हें अकेला छोड़ रही है। सरकार को बताना चाहिए कि राहत पहुँचाने में इतनी बेरुखी क्यों बरती जा रही है और पीड़ितों को समय पर सहायता क्यों नहीं मिल रही।

गुमानपुरा थाने का कांस्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार

कोटा/जयपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कोटा इकाई ने मंगलवार को एक बड़ी ट्रैप कार्रवाई को अंजाम देते हुए पुलिस थाना गुमानपुरा में तैनात कांस्टेबल जीतराम को ₹3,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी कांस्टेबल एक निर्दोष व्यक्ति को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर अवैध वसूली कर रहा था। परिवादी (शिकायतकर्ता), जो पहले एचडीएफसी बैंक के लिए रिकवरी का काम करता था, ने 9 फरवरी को एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी।

परिवादी जब विशाल मार्केट में अपने दोस्त की दुकान पर बैठा था, तब कांस्टेबल जीतराम वहां पहुँचा। उसने परिवादी को डराया कि वह उसके खिलाफ कार्रवाई करेगा और उसे झूठे मुकदमे में फंसा देगा। इस मामले को रफा–दफा करने की एवज में कांस्टेबल ने ₹8,000 की मांग की। आरोपी कांस्टेबल ने 7 फरवरी को जबरन ₹5,000 पहले ही ले लिए थे और बाकी बचे ₹3,000 के लिए लगातार दबाव बना रहा था। एसीबी कोटा इकाई ने शिकायत मिलते ही 9 फरवरी को मांग का सत्यापन करवाया, जिसमें रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद आज रणनीति के तहत ट्रैप बिछाया गया। उप महानिरीक्षक आनंद शर्मा के निर्देशन और एएसपी विजय स्वर्णकार के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

शेखावाटी कलाकारों की खान, यहां के हुनर ने दुनिया में मचाया तहलका : एमडी चौपदार

झुंझुनू (चुडैला), 10 फरवरी (एजेंसियां)। विद्या नगरी स्थित श्री जगदीश प्रसाद झाबरमल टीबड़े वाला विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव रिदम ऑफ यूथ 2026 के दूसरे दिन मंगलवार को कलाकारों का उत्साह चरम पर रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजस्थान मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष एमडी चौपदार और विशिष्ट अतिथि मलसीसर उपखंड अधिकारी सुमन देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि एमडी चौपदार ने अपने संबोधन में कहा कि शेखावाटी की धरती केवल वीरों की ही नहीं, बल्कि महान कलाकारों की भी जननी

है। उन्होंने कहा कि राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के कलाकारों का कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने 'गंगा–जमुनी तहजीब' और क्षेत्र की 'कुरजा' संस्कृति का जिक्र करते हुए विद्यार्थियों से अपनी कला के दम पर जिले का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि सुमन देवी ने कहा कि चुडैला जैसे ग्राम में उच्च शिक्षा मिलना राजस्थानी सेवा संघ ट्रस्ट का सराहनीय कदम है। उन्होंने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अब महिलाओं को बड़े शहरों की ओर भागने की जरूरत नहीं है, वे यहीं रहकर शिक्षा के साथ–साथ अपने हुनर को मंच पर प्रदर्शित कर सकती हैं। विश्वविद्यालय की प्रेसिडेंट डॉ. मधु गुप्ता ने सभी का स्वागत किया और इस आयोजन को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

प्रदेश के हर जिले में होगा आर्द्रभूमि संरक्षण एवं प्रबंधन रामसर स्थल सिलिसेढ़ बनेगा मॉडल

जयपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण की तकनीकी समिति की बैठक मंगलवार को सचिवालय में शासन सचिव पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग विजय एन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में चरणबद्ध रूप से कम से कम एक आर्द्रभूमि विकसित की जाए। उन्होंने इसके लिए जिला–वार आर्द्रभूमियों की सूची तैयार कर उनका डिजिटलीकरण, नियमित मॉनिटरिंग और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि अलवर जिला स्थित सिलिसेढ़ झील को आदर्श आर्द्रभूमि (मॉडल वैटलैण्ड) के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने इस कार्य को मूर्त रूप देने के लिए स्थानीय प्रशासन, वन एवं पर्यावरण विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं पशुपालन विभाग आपसी सहभागिता से कार्य करने के लिए कहा। शासन सचिव ने कहा कि सिलिसेढ़ झील के विकास से प्रदेश की अन्य आर्द्रभूमियों के संरक्षण और प्रबंधन को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से पर्यटन दबाव, जलग्रहण क्षेत्र का क्षरण, गाद जमाव, पारिस्थितिकी संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली प्रजातियों के प्रबंधन तथा मानव–वन्यजीव संघर्ष जैसी चुनौतियों पर चर्चा की तथा आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किये। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के समाधान के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने प्रत्येक जिले में आर्द्रभूमि विकसित करने के एक्शन प्लान तथा आर्द्रभूमि के संरक्षण एवं प्रबंधन हेतु बजट के संबंध में भी अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिये कि जिन जिलों में अब तक आर्द्रभूमियाँ अधिसूचित नहीं हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र भेजे जाएं। साथ ही जिलों में आर्द्रभूमियों की डिजिटल इन्वेंट्री समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए।

उप मुख्यमंत्री (वित्त) दिया कुमारी ने सीएम भजनलाल शर्मा से मुलाकात की

जयपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य बजट 2026–27 को अंतिम रूप दिए जाने के पश्चात उप मुख्यमंत्री (वित्त) दिया कुमारी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार शाम मुख्यमंत्री कार्यालय में मुलाकात की।

इस दौरान प्रमुख शासन सचिव (वित्त) वैभव गालरिया, शासन सचिव वित्त (व्यय) टीना सोनी, शासन सचिव वित्त (बजट) राजन विशाल, शासन सचिव वित्त (राजस्व) कुमारपाल गौतम एवं निदेशक वित्त (बजट) बृजेश किशोर शर्मा उपस्थित रहे।

मंडल विशेष अधिकारी ने इन्द्रम्मा आवास योजना की प्रगति की मांगी रिपोर्ट

मदनूर, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल विशेष अधिकारी मोहन राव ने मंगलवार को मदनूर मंडल केंद्र के ग्राम पंचायत कार्यालय में इन्द्रम्मा आवास योजना की प्रगति पर रिपोर्ट मांगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आवास मंजूर होने के बावजूद यदि किसी लाभार्थी ने अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है, तो उन्हें तुरंत आवास निर्माण के आदेश दिए जाएं।

इस दौरान, मंडल विशेष अधिकारी ने शेखापुर गांव का दौरा भी किया और प्राकृतिक उद्यानों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय मंडल विकास अधिकारी रानी और सरपंचों को निर्देश दिए कि वे समय-समय पर इन्द्रम्मा आवासों का निरीक्षण करें।साथ ही, गांवों के प्राकृतिक उद्यानों को साफ-सुथरा और हरा-भरा बनाए रखने के लिए कड़े आदेश जारी किए गए। निरीक्षण के दौरान सरपंच, एमपीडीओ, एमपीओ, और पंचायत सचिव भी उपस्थित थे। सभी को योजना की प्रभावी कार्यान्वयन के प्रति सजग रहने का आग्रह किया गया।

म्युनिसिपल चुनाव में पुलिस की सतर्कता जरूरी : नितिका पंत

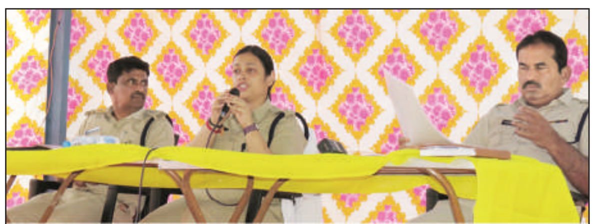

आसिफाबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज़िला एसपी नितिका पंत ने म्युनिसिपल चुनाव के सिलसिले में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि वे अपनी ड्यूटी पूरी लगन और सतर्कता से निभाएं। कल होने वाले चुनाव को देखते हुए ज़िला पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किए गए हैं।कागज़नगर शहर में बीएमएस ऑफिस के पास आयोजित एक मीटिंग में, एसपी ने चुनाव ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सुरक्षा उपायों, पब्लिक ऑर्डर, और कानूनी ड्यूटी निभाने के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा, पोलिंग स्टेशनों पर किसी भी गलत गतिविधि को रोकने के लिए कड़े सुरक्षा उपाय करें।

एसपी ने जोर देकर कहा कि वोटरों को इधर-उधर भटकने या डराने-धमकाने करने के लिए लगातार निगरानी रखी जाए। उन्होंने अतिरिक्त फोर्स की तैनाती के तहत हाई-प्रायोरिटी और सेंसिटिव पोलिंग स्टेशनों पर ज्यादा सतर्क रहने की सलाह दी।उन्हें निर्देश दिया गया कि 100 मीटर के दायरे में चार से ज्यादा लोग एकत्र न हों, और चुनाव नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में हिचकिचा न जाए। अंत में, एसपी ने सभी से विनम्रता और जिम्मेदारी से काम करने का आग्रह किया, ताकि लोग सुरक्षित माहौल में अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें।

चेन्नूर में मंत्री के आदेश पर बीआरएस नेता के घर पर तलाशी!

मंचेरियाल, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिला चैनूर के पूर्व विधायक बल्का सुमन ने आरोप लगाया है कि चेन्नूर नगरपालिका में शैतानी शासन चल रहा है। नगरपालिका चुनावों को देखते हुए, मंत्री विवेक वेंकटस्तामी के आदेश पर बीआरएस नेता मल्लेशम गौड़ के घर पर तलाशी अभियान में शामिल चुनाव अधिकारियों और पुलिस की कड़ी आलोचना की गई है।बल्का सुमन ने मल्लेशम गौड़ के घर पर अधिकारियों के आचरण पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी तभी तलाशी लेने आते हैं जब मंत्री विवेक उन्हें भेजते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री के कैंप कार्यालय में पैसे और दवा की बोतलें मौजूद हैं, लेकिन पुलिस और अधिकारी उन्हें देख नहीं पा रहे हैं।सुमन ने कांग्रेस सरकार और मंत्री विवेक की आलोचना की कि मतदाताओं को लुभाने की कई शिकायतों पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस और अधिकारी नगरपालिका चुनावों के मद्देनजर लागू आदर्श आचार संहिता की आड़ में बीआरएस नेताओं को निशाना बना रहे हैं।सुमन ने सवाल उठाया कि पुलिस विवेक के कैंप कार्यालय और कांग्रेस नेताओं के आवास की जांच क्यों नहीं कर रही है। बताया जाता है कि जब सुमन मल्लेशम के घर पर थे, तब चेन्नूर इंस्पेक्टर बंसीलाल के नेतृत्व में पुलिस और एक हवाई निगरानी दल ने मल्लेशम के आवास का निरीक्षण किया।

भाजपा नेताओं ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, शांतिपूर्ण चुनाव की माँग

मंचेरियाल, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने मंगलवार को मंचेरियाल जिला केंद्र में जिला कलेक्टर से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में, पार्टी नेताओं ने आगामी चुनावों के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

भाजपा जिला अध्यक्ष नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने कहा कि पूर्व में हुए एमएलसी चुनाव के दौरान मंचेरियल नगर निगम क्षेत्र सहित जिले के कई स्थानों पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाएं हुई थीं, जिससे चुनावी माहौल प्रभावित हुआ था।

उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि इस बार चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं। इसके तहत, संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की भी मांग की गई।

भाजपा नेताओं ने यह भी कहा कि सभी राजनीतिक दलों को बिना किसी डर के लोकतांत्रिक तरीके से प्रचार करने का अवसर मिलना चाहिए, और इसके लिए असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता है।

ज्ञापन सौंपते समय तुला आंजनेयुलु, रंग श्रीशैलम, मलयाल श्रीनिवास और अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे। जिला प्रशासन से इस ज्ञापन पर सकारात्मक कार्रवाई की उम्मीद जताई गई है।

नाले में बड़े पैमाने पर रेत की निकासी रुकी, ट्रैक्टर यूनियन ने कदम उठाया

मंचेरियाल, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के कासिपेटा मंडल में ट्रैक्टर यूनियन के नेताओं ने सोमागुडेम नदी में अवैध रूप से रेत ढो रहे ट्रैक्टरों को रोकने का निर्णय लिया। उन्होंने भारी ट्रैक्टरों को नदी में उतरने से रोकते हुए इस अवैध गतिविधि पर अपनी नाराजगी व्यक्त की।यूनियन के नेताओं ने कहा कि जब रेत की बुकिंग प्रणाली मौजूद है, तब अवैध रूप से रेत ढोना उचित नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि रेत के लिए बुकिंग का नियम होने के बावजूद, जल्दी रेत प्राप्त करने और अधिक पैसे कमाने के लिए अवैध रूप से रेत क्यों ढोई जा रही है।वे इस बात से भी नाराज़ थे कि अवैध प्रवासी इसका फ़ायदा उठाकर ऊँची दरों पर रेत की ढुलाई कर रहे थे। यूनियन के सदस्यों ने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग में देरी के कारण, ईमानदारी से काम करने वाले ट्रैक्टर मालिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

इसके बाद, ट्रैक्टर यूनियन के सदस्यों ने ट्रैक्टरों में भरी रेत को खाली कर दिया और वहां से चले गए। इस दौरान ट्रैक्टर मालिकों के साथ कुछ बहस भी हुई।

अधिकारियों की आलोचना करते हुए, यूनियन के नेताओं ने कहा कि सड़क किनारे अवैध रूप से रेत की ढुलाई हो रही है, लेकिन अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन पर अवैध कामगारों से रिश्वत लेने और उन पर कार्रवाई न करने का गंभीर आरोप भी लगाया गया है।

स्थानीय लोग चाहते हैं कि उच्च अधिकारी इस मुद्दे पर कार्रवाई करें, अवैध रेत परिवहन को रोकें और नदियों की रक्षा करें।

मंचेरियाल बुग्गा मंदिर को तंदूर क्षेत्र में शामिल करने की मांग

मंचेरियाल, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरीयाल जिले के तंदूर मंडल के बीआरएस नेताओं ने बुग्गा मंदिर के अभिलेखों को तंदूर ग्राम पंचायत को हस्तांतरित करने और मंदिर को तंदूर मंडल के अधीन लाने की मांग की है।

इस संबंध में, बीआरएस नेताओं ने मंगलवार को तहसीलदार ज्योत्सना को एक याचिका सौंपते हुए कहा कि करशलाघट्टम गांव के पास स्थित बुग्गा मंदिर के सभी अभिलेख तंदूर मेजर ग्राम पंचायत और तंदूर तहसीलदार कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में हैं। इसलिए, उनके अनुसार, बुग्गा मंदिर भी तंदूर के अधिकार क्षेत्र में आता है।

उन्होंने निवेदन किया कि कन्नाला के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इस मंदिर को वहां के अभिलेखों से हटाकर तंदूर के राजस्व अभिलेखों के अनुसार तंदूर के अधिकार क्षेत्र में शामिल किया जाए।

याचिका प्रस्तुत करने वालों में बीआरएस पार्टी मंडल अध्यक्ष सुब्बा दत्तामूर्ति, वरिष्ठ पार्टी नेता दत्तात्रेय राव, मसादी श्रीरामुलु, बोनागिरी चंद्रशेखर, एलुका रामचंदर, भीमा लिंगैया और अन्य शामिल थे।

सहकार सोसायटी कार्यालय में तुवर की खरीदी आरंभ

मदनूर, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सहकार सोसायटी डोंगली के तत्वावधान में तुवर की सरकारी समर्थन मूल्य के अंतर्गत खरीदी केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर, डोंगली सहकार सोसायटी के सचिव बी. बाबूराव ने किसानों से अपील की कि वे तुवर की उगाई गई फसल का फायदा उठाएं।

बाबूराव ने बताया कि सरकार ने तुवर फसल के लिए 8,000 रुपये प्रति क्विंटल का समर्थन मूल्य निर्धारित किया है। यह खरीदी प्रक्रिया डोंगली सहकार सोसायती के अधीन, नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ) और तेलंगाना स्टेट कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन (मार्कफेड) के सहयोग से शुरू की गई है।इस कार्यक्रम में डोंगली तहसीलदार रविंदर, निगरानी अधिकारी अब्दुल हलीम, एईओ शिवलिंगा, डोंगली सोसायटी के सचिव बी. बाबूराव, डोंगली सिंगल विंडो के कर्मचारी और तुवर फसल के विभिन्न गांवों के किसान उपस्थित थे। सभी ने इस पहल की सराहना की और किसानों को समर्थन कीमत का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

यदाद्री-भुवनगिरी में नशाबंदी पर लिया गया महत्वपूर्ण कदम

यदाद्री-भुवनगिरी, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी, डिस्ट्रिक्ट प्रोहिबिशन एंड एक्साइज़ डिपार्टमेंट, और यदाद्री बार एसोसिएशन ने मिलकर सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, यदागिरिगुट्टा में नशाबंदी कानूनों और उनके बुरे असर के मुद्दों पर एक लीगल सेमिनार आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में, डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी की सेक्रेटरी वी. माधवी लता ने कहा कि अगर लोगों को ड्रग्स की लत लग गई, तो उनकी ज़िंदगी बर्बाद हो जाएगी। खासकर स्टूडेंट्स को इस लत से बचना चाहिए।

डिस्ट्रिक्ट प्रोहिबिशन एंड एक्साइज़ सुपरिंटेंडेंट विष्णु मूर्ति ने कहा कि उनका डिपार्टमेंट जिले में ड्रग्स पर रोक लगाने के लिए मेहनत कर रहा है। उन्होंने दृढ़ता के साथ चेतावनी दी कि जो इस एक्ट का उल्लंघन करेगा, उसे गंभीर सजा और भारी जुर्माना भुगतना पड़ेगा।यादाद्री बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और वाइस प्रेसिडेंट, श्रीहरि और पेंटा रमेश, ने युवाओं से सतर्क रहने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बुरी आदतों में पड़ने से न केवल भविष्य अंधकारमय होगा, बल्कि परिवार की उम्मीदें भी टूटेंगी।डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल बोम्मा वेंकटेश ने बताया कि सभी योग्य लोगों को लीगल एड दी जा रही है और जरूरतमंद लोग टोल-फ्री नंबर 15100 पर संपर्क कर सकते हैं।

सेमिनार में लीगल एड लॉयर साई श्रीनिवास ने नारकोटिक्स प्रोहिबिशन एक्ट और सज़ा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. वेंकटेश्वरलू ने छात्रों की पढ़ाई और अनुशासन पर जोर दिया, और इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन का आश्वासन दिया।कार्यक्रम में उपस्थित सभी को नशाबंदी की शपथ दिलाई गई, जिससे समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।

टीएसयूटीएफ का 12 फरवरी की आम हड़ताल को समर्थन

कागज़नगर, 10 फरवरी (शुभलाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना स्टेट यूनाइटेड टीचर्स फेडरेशन (टीएसयूटीएफ) ने 12 फरवरी को होने वाली देश भर की आम हड़ताल का पूर्ण समर्थन करने की घोषणा की है। संगठन ने वर्कर्स, टीचर्स, और एम्प्लॉइज से हड़ताल को सफल बनाने की अपील की।

इस अवसर पर, टीएसयूटीएफ के जिला अध्यक्ष वैद्य शांतिकुमारी और जनरल सेक्रेटरी कम्पेली उषान्ना ने अपनी मांगें स्पष्ट कीं। उन्होंने चार लेबर कोड को रद्द करने, इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट एक्ट 2025 को वापस लेने, और महात्मा गांधी नेशनल रूरल

एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट को बनाए रखने की मांग की।

साथ ही, कंट्रीब्यूटरी पेंशन सिस्टम को खत्म कर पुराने पेंशन सिस्टम को बहाल करने की भी अपील की गई।टीएसयूटीएफ ने कहा कि नया पेंशन सिस्टम कर्मचारियों के लिए चुनौती बन गया है और टीचिंग कर्मचारियों की ज़िंदगी को कॉर्पोरेट्स से जोड़ना गलत है।

उन्होंने केंद्र सरकार से पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज की सुरक्षा, मिनिमम वेज लागू करने, और कॉन्ट्रैक्ट तथा आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को स्थायी करने की मांग की।टीएसयूटीएफ ने इसे तीव्रता से कहा कि केंद्र सरकार को समस्याओं के तत्काल समाधान के लिए तैयार रहना चाहिए, और संगठन तब तक संघर्ष जारी रखेगा जब तक उपरोक्त मुद्दों का समाधान नहीं हो जाता।

उन्होंने देश भर में विभिन्न ट्रेड यूनियनों द्वारा किए जा रहे इस संघर्ष का समर्थन किया।

बाप बड़ा ना भैया सबसे बड़ा रुपैया

दबाव में भारत से खेलने को राज़ी हुआ पाकिस्तान

नई दिल्ली, 10 फ़रवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ खेलने के लिए आखिरकार सहमति जता दी है। दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। इससे पहले पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए संकेत दिया था कि पाकिस्तानी टीम भारत के खिलाफ इस मुकाबले में नहीं उतरेगी।हालांकि, सोमवार देर रात पाकिस्तान सरकार की ओर से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भारत के खिलाफ मैच खेलने का निर्देश दे दिया गया। इस संबंध में एक बार फिर सरकार की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया।

आईसीसी की बैठक के बाद बदला फैसला

रविवार को आईसीसी के अधिकारी पाकिस्तान पहुंचे थे,

जहां इस मुद्दे पर अहम बैठक हुई। इस बैठक में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ब्ढ्रबुलबुल भी शामिल हुए।

इसी बैठक के बाद पाकिस्तान ने अपना रुख बदला और भारत के खिलाफ खेलने का फैसला किया।पाकिस्तान ने पहले बांग्लादेश के समर्थन में भारत के खिलाफ खेलने से इनकार किया था, जबकि आईसीसी शेड्यूल पहले ही जारी हो चुका था और पाकिस्तान ने शुरुआत में खेलने की सहमति दी थी। ऐसे में पीछे हटने पर पाकिस्तान पर भारी जुर्माना लगना तय था।ब्रॉडकास्टर्स, आईसीसी और मेजबान देश श्रीलंका को होने वाले नुकसान की भरपाई भी पाकिस्तान को ही करनी पड़ती। यही वजह रही कि पाकिस्तान के पास यू-टर्न लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।भारत-पाकिस्तान मुकाबला आईसीसी की कमाई का सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है। रिपोर्टों के अनुसार इस एक मैच की वैल्यू करीब 2300 करोड़ रुपये आंकी गई है।इस कमाई में पाकिस्तान को भी अच्छा-खासा हिस्सा मिलने वाला है। यही कारण है कि पाकिस्तान के लिए इस मैच से दूरी बनाना आर्थिक रूप से बेहद नुकसानदेह साबित होता।जानकारों के अनुसार पाकिस्तान का विरोध महज दबाव बनाने की कोशिश था, जो कुछ ही दिनों में खत्म हो गया।

मैच नहीं होता तो बर्बाद हो जाता पाकिस्तान क्रिकेट

यदि भारत-पाकिस्तान मुकाबला नहीं होता, तो पाकिस्तान क्रिकेट पर गंभीर संकट खड़ा हो जाता। आईसीसी से मिलने वाली आर्थिक मदद रुक जाती और पाकिस्तान सुपर लीग के लिए विदेशी खिलाड़ियों को एनओसी मिलने में भी दिक्कत आती। ऐसी स्थिति में लीग के अस्तित्व पर भी सवाल उठने लगते।आईसीसी ने पहले ही पाकिस्तान को चेतावनी दी थी। आईसीसी ने बयान में कहा था कि उसे उम्मीद है कि पीसीबी अपने फैसले के गंभीर और दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करेगा, क्योंकि इसका असर वैश्विक क्रिकेट ढांचे पर पड़ सकता है, जिसका पीसीबी स्वयं सदस्य और लाभार्थी है।

न्यूज ब्रीफ

फुट सर्जरी के बाद जैक ग्रीलिश का सीजन समाप्त, वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीदों को लगा बड़ा झटका

लिवरपूल। एवर्टन के मिडफील्डर जैक ग्रीलिश ने पुष्टि की है कि फुट में स्ट्रेस फ्रैक्चर की सर्जरी के बाद उनका

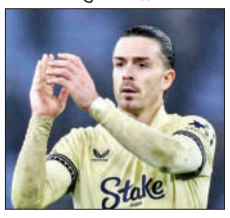

मौजूदा सीजन समाप्त हो गया है। यह चोट उनके लिए बड़ा झटका मानी जा रही है, क्योंकि इससे इंग्लैंड की वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने की उनकी उम्मीदों को भी नुकसान पहुंचा है। 30 वर्षीय ग्रीलिश, जो मैनचेस्टर सिटी से लोन पर एवर्टन के लिए खेल रहे थे, को यह चोट पिछले महीने एस्टन विला के खिलाफ प्रीमियर लीग मुकाबले के दौरान लगी थी। उस मैच में एवर्टन ने 1-0 से जीत दर्ज की थी। इस सीजन ग्रीलिश ने एवर्टन के लिए सभी प्रतियोगिताओं में कुल 22 मुकाबले खेले, जिनमें उन्होंने दो गोल किए और छह असिस्ट दिए। उनके प्रदर्शन को देखते हुए यह कयास लगाए जा रहे थे कि उन्हें इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम में दोबारा बुलाया जा सकता है। सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए ग्रीलिश ने लिखा, 'मैं नहीं चाहता था कि मेरा सीजन इस तरह खत्म हो, लेकिन यही फुटबॉल है। बहुत दुखी हूं। सर्जरी हो चुकी है और अब पूरा ध्यान फिट होकर वापसी पर है। मुझे पूरा भरोसा है कि मैं पहले से ज्यादा फिट, मजबूत और बेहतर होकर लौटूंगा।' ग्रीलिश मैनचेस्टर सिटी के साथ तीन प्रीमियर लीग खिताब, चैंपियंस लीग और एफए कप जीत चुके हैं। इंग्लैंड के लिए उन्होंने आखिरी मैच अक्टूबर 2024 में कार्यवाहक कोच ली कार्सली के कार्यकाल में खेला था। गौरतलब है कि फुटबॉल वर्ल्ड कप का आयोजन 11 जून से 19 जुलाई तक कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका में किया जाएगा।

कतर ओपनः झेंग की दमदार वापसी, एंड्रीएवा अंतिम-16 में पहुंची

दोहा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने चोट से वापसी करते हुए कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट

में शानदार जीत दर्ज की। झेंग ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता सोफिया केनिन को तीन सेटों के संघर्षपूर्ण मैच में 4-6, 6-1, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका सामना एलिसिया पार्क्स से होगा। सितंबर पिछले साल के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी टेनिस में उतरीं झेंग इस समय विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर हैं। सीजन के अपने पहले ही मैच में उन्होंने 20 ऐस जमाकर जोरदार संदेश दिया। मैच के बाद झेंग ने कहा, 'चोट के बाद वापसी कभी पूरी तरह दर्द-मुक्त नहीं होती। लेकिन मुझे लगता है कि मेरी कोहनी सही दिशा में ठीक हो रही है। मैं अच्छी स्थिति में हूं और दो घंटे तक सर्व करते हुए खेल जारी रख सकती हूं।' उधर, पांचवीं वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीएवा ने राउंड ऑफ 64 में बाई मिलने के बाद अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। उन्होंने मग्दा लिनेट को 7-6 (7/0), 6-1 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। दिन के मुकाबलों में कुछ बड़े उलटफेर भी देखने को मिले। तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा करोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ तीसरे सेट में पिछड़ते हुए मुकाबले से हट गईं। वहीं, पूर्व यूएस ओपन चैंपियन एमा राडुकानू को भी कैमिला ओसोरियो के खिलाफ निर्णायक सेट में रिटायर होना पड़ा। मंगलवार को शीर्ष दो वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक और एलेना रयबाकिना राउंड ऑफ 32 में अपने-अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। चौथी वरीयता कोको गॉफ भी सिंगल्स में अपना पहला मुकाबला खेलेंगी। गॉफ को सोमवार को उभरती स्टार विक्टोरिया म्बोको के साथ डबल्स में हार का सामना करना पड़ा था।

वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के इरादे से मैदान में उतरेगी इंग्लैंड

मुंबई। इंग्लैंड की टीम बुधवार को ग्रुप सी के अपने दूसरे मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड को पहले मैच में नेपाल जैसी कमजोर टीम के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बाद भी केवल 4 रनों से ही जीत मिली थी। ऐसे में उसका लक्ष्य वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। उसके लिए ये इतना भी कठिन नहीं है क्योंकि वेस्टइंडीज टीम भी काफी कमजोर इै और उसके खिलाड़ी लय में नहीं हैं। टी20 में हालांकि किसी भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता है। हैरी ब्रुक की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के पास सैम करन जैसे अच्छा गेंदबाज है। नेपाल के खिलाफ सैम ने अंतिम ओवर में केवल 5 रन ही देकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। उन्होंने अंतिम ओवर में लाइन और लेंथ से नेपाल के बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हालांकि मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर उसके स्पिनर आदिल राशिद और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर प्रभावित नहीं कर पाये। इससे नेपाल के बल्लेबाज मैच को अंत तक ले जाने में सफल रहे। मैच में कप्तान हैरी और युवा जैकब बेथेल ने अर्धशतक लगाए। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम इस मैच में अपना रन औसत भी बेहतर करना चाहेगी। नेपाल के खिलाफ जीत के बाद भी उसका औसत 0.200 है और वह तीसरे स्थान पर हैं।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

पाक ने अमेरिका को 32 रनों से हराया

कोलंबो, 10 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 में 2024 वाला कारनामा नहीं कर पाई। पाकिस्तान को उसने तब सुपर ओवर में हराया था। इस बार पाकिस्तान ने 33 रनों से मैदान मार दिलाया। सिंहली स्पोर्ट्स क्लब क्रिकेट ग्राउंड, कोलंबो में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 9 विकेट पर 190 रन बनाए हैं। अमेरिका की टीम 8 विकेट पर 158 रन ही बना सकी। पाकिस्तान की यह टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत है। अमेरिका को अपने दोनों मैचों में हार मिली है।

यूएसए के कप्तान मोनांक पटेल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। सईम अयूब और साहिबजादा फरहान ने पाकिस्तान को तेज शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 5.1 ओवर में 54 रन की साझेदारी की। अयूब 17 गेंद पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 19 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान सलमान अली आगा भी 3 गेंद पर 1 रन बनाकर आउट हो गए।

56 पर 2 विकेट गंवा चुकी पाकिस्तान को साहिबजादा फरहान और बाबर आजम ने संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी कर स्कोर को 137 तक पहुंचाया। इस स्कोर पर बाबर आजम 32 गेंद पर 4 चौके और 1 छक्के की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। फरहान चौथे विकेट के रूप में 143 के स्कोर पर आउट हुए। फरहान ने 41 गेंद पर 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 73 रन की पारी खेली। शादाब खान ने 12 गेंदों पर 4 चौकों और 1 छक्के की मदद से 30 रन की तूफानी पारी खेली। पाकिस्तान ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 190 रन बनाए। शैडली वैन शाल्कविक ने 4 ओवर में 25 रन देकर 4 विकेट लिए।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से हराया

चेन्नई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2026 में न्यूजीलैंड ने लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली है। ग्रुप डी के मुकाबले में न्यूजीलैंड ने यूएई के खिलाफ 10 विकेट की एकतरफा जीत हासिल की। टूर्नामेंट के यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड के लिए सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट और फिन एलेन ने विस्फोटक खेल दिखाया। 16वें ओवर में न्यूजीलैंड ने मैच को जीत लिया। यह टी20 विश्व कप क्रिकेट इतिहास में बिना विकेट खोए सबसे बड़ा रनचेज है।यूएई की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। 12 के स्कोर पर आर्यांश शर्मा का विकेट गिर गया। आर्यांश 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान मुहम्मद वसीम और आलिशान सराफू ने पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 107 रन की मजबूत साझेदारी की। सराफू 47 गेंद पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 55 रन की पारी खेलकर आउट हुए।इसके बाद मयंक कुमार के साथ कप्तान वसीम ने चौथे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी की। मयंक 12 गेंद पर 1 छक्का और 2 चौके की मदद से 21 रन बनाकर आउट हुए। वसीम अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने 45 गेंद पर 3 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 66 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने 4 ओवर में 37 रन देकर 2 विकेट लिए। जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मिशेल सेंटनर और ग्लेन फिलिप्स को 1-1 विकेट मिला।

ओपनर्स ने ही मैच फिनिश कर दिया

न्यूजीलैंड के लिए सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट और फिन एलेन ने शुरुआत तीन ओवर में सिर्फ 22 रन बनाए थे। लेकिन चौथे ओवर में जुनैद सिद्दीकी के खिलाफ दोनों ने 22 रन बटोरे। यहां से कीवी ओपनर्स ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सिफर्ट ने 23 तो एलेन ने 27 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की। 42 गेंद पर टिम सिफर्ट ने 12 चौके और 3 छक्कों की मदद से 89 रन बनाए। 5 छक्के और 5 चौके से एलेन ने 50 गेंदों पर 84 रन ठोके।

फिगर स्केटिंग

मिलान में फ्रांस की लौरीन फोरनियन और फ्रांस के गुलियूमी सिजेरोन फिगर स्केटिंग मुकाबले में भाग लेते हुए।

बीसीसीआई ने नये केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा की, विराट ओर रोहित का हुआ डिमोशन

शमी सहित पांच खिलाड़ी हुए बाहर, साई सुदर्शन शामिल

मुम्बई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये केन्द्रीय अनुबंध में कई बदलाव हुए हैं। बीसीसीआई ने साल 2025-26 सत्र के लिए नया केन्द्रीय अनुबंध जारी कर दिया है। इसमें अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली का डिमोशन हुआ है।

वहीं ईशान किशन और मोहम्मद शमी सहित पांच खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है। बोर्ड ने इस बार ए प्लस कैटेगरी को भी हटा दिया है। अब ए कैटेगरी में ही टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के साथ जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को रखा गया है। वहीं नए केन्द्रीय अनुबंध में कुल 5 खिलाड़ियों मोहम्मद शमी, रजत पाटीदार, सरफराज खान, मुकेश कुमार और ईशान किशन को बाहर कर दिया गया है जबकि एक ही नये खिलाड़ी साई सुदर्शन को इसमें जगह मिली है।

इस बार 34 की जगह 30 खिलाड़ियों को ही अनुबंध दिया गया है। शमी को बाहर किए जाने से तय है कि अब उनका करियर समाप्त हो रहा है और वह टीम योजनाओं में शामिल नहीं हैं। वहीं ईशान, मुकेश और सरफराज को एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने के कारण बाहर कर दिया गया। ईशान को टी20 प्रारुप में जगह मिली है पर

नये खिलाड़ी के तौर पर केवल सुदर्शन को जगह मिली

उनकी वापसी नये सत्र में हुई है। यह वापसी नए साइकिल में हुई है। वहीं सीनियर पुरुष अनुबंध सूची में नये खिलाड़ी के तौर पर केवल सुदर्शन को जगह मिली है। बोर्ड ने अभी तक रिटेनरशिप की राशि की जानकारी नहीं दी है। ए प्लस ग्रुप इस बार समाप्त कर दिया गया है इसमें 7 करोड़ मिलते थे जबकि ए में 5 करोड़, बी में 3 करोड़ और सी में एक करोड़ मिलते थे। अब देखना है कि इस बार इसमें कितनी रकम मिलती है।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध

ग्रेड ए-शुभमन गिल,जसप्रीत बुमरा,रवींद्र जड़ेजा।

ग्रेड बी - विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जयसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर।

ग्रेड सी - अक्षर पटेल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, नितीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई।

हाई-ऑक्टेन फॉर्मूला स्ट्रीट रेस वीकेंड की 15 फरवरी को मेजबानी करेगा गोवा

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। इंडियन रेसिंग फेस्टिवल इस फरवरी अपने पहले गोवा संस्करण के साथ एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। 14 और 15 फरवरी को गोवा एक हाई-ऑक्टेन फॉर्मूला स्ट्रीट रेस वीकेंड की मेज़बानी करेगा, जहां मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट एक अस्थायी मोटरस्पोर्ट हब में तब्दील हो जाएगा। यह आयोजन चैंपियनशिप के चौथे राउंड के रूप में आयोजित किया जाएगा और इसकी गिनती फेस्टिवल की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी पहलों में होगी।

विशेष रूप से तैयार एफआईए-ग्रेड स्ट्रीट सर्किट

इस ऐतिहासिक आयोजन का केंद्र 2.064 किलोमीटर लंबा, विशेष रूप से तैयार किया गया एफआईए-ग्रेड स्ट्रीट सर्किट है। हवाई अड्डे के विशाल परिसर में निर्मित इस ट्रैक में 12 मोड़ शामिल हैं, जिन्हें करीबी रेसिंग, लेट ब्रेकिंग और पोजीशन के लिए निरंतर संघर्ष को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है। यह लेआउट एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और रोमांचक वीकेंड का मंच तैयार करता है।

इंडियन रेसिंग लीग चौथा राउंड

गोवा स्ट्रीट रेस इंडियन रेसिंग लीग (आईआ एल) का चौथा राउंड है। शीर्ष टीमों के बीच अंकों का अंतर बेहद कम होने के कारण, गोवा सर्किट का हर लैप खिताब की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। सभी टीमें एक-समान कारों में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें 1.3-लीटर टर्बोचार्ज्ड अल्पाइन इंजन लगा है। समान तकनीकी प्लेटफॉर्म और

तंग स्ट्रीट सर्किट का यह संयोजन व्हील-टू-व्हील रेसिंग सुनिश्चित करता है, जहाँ ड्राइवर की क्षमता और टीम रणनीति रफ्तार से भी अधिक अहम होगी।

इंडियन रेसिंग लीग की एक विशिष्ट पहचान इसकी समावेशी टीम संरचना है। प्रत्येक टीम में चार ड्राइवर होते हैं—एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय रेसर, एक उभरती हुई वैश्विक प्रतिभा, एक भारतीय ड्राइवर और एक महिला रेसर। यह प्रारूप न केवल प्रतिस्पर्धात्मक स्तर को ऊँचा उठाता है, बल्कि भारतीय प्रतिभाओं के विकास और शीर्ष स्तर पर लैंगिक प्रतिनिधित्व को भी बढ़ावा देता है।

प्रमुख ड्राइवरों पर रहेगी नज़र

हैदराबाद ब्लैक बर्ड्स की ओर से दिव्य नंदन पर विशेष निगाहें होंगी।2024 एफ4 इंडिया चैंपियनशिप में चेन्नई स्ट्रीट रेस में पोल पोजीशन हासिल करने और जीबी3 व ब्रिटिश एफ4 में भाग लेने के अनुभव के साथ, नंदन चुनौतीपूर्ण सर्किटों पर तेजी से ढलने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाते हैं। चेन्नई टर्बो राइडर्स को मौजूदा फॉर्मूला 4 इंडिया चैंपियन अकील अलीभाई से बड़ी उम्मीदें होंगी।

किच्चा किंग्स बेंगलुरु के लिए इंडियन रेसिंग लीग इतिहास के सबसे कम उम्र के रेस विजेता रूहान अल्वा पर ध्यान केंद्रित रहेगा। 2024 स्न4 इंडिया के उप-विजेता और ब्रिटेन में पोडियम फिनिश के साथ, अल्वा को भारत के सबसे होनहार अंतरराष्ट्रीय निर्यातों में गिना जाता है। कोलकाता रॉयल टाइगर्स का नेतृत्व कर रहे हैं ब्रिटिश चैंपियन और एस्टन मार्टिन एकेडमी के स्नातक टॉम कैनिंग, जिनके साथ जेम्मा मूर और एंड्योरेंस रेसिंग का समृद्ध अनुभव लेकर आई हैं।

खेल और सिनेमा जगत की दमदार मौजूदगी

इस वीकेंड की भव्यता को और बढ़ा रही है खेल और सिनेमा जगत की हाई-प्रोफाइल टीम ओनरशिप।

जॉन अब्राहम - गोवा एसेस जेए रेसिंग

अर्जुन कपूर - स्पीड डेमन्स दिल्ली

सौरव गांगुली - कोलकाता रॉयल टाइगर्स

नागा चैतन्य - हैदराबाद ब्लैक बर्ड्स

किच्चा सुदीप - किच्चा किंग्स बेंगलुरु

डॉ. श्वेता सुदीप आनंद - चेन्नई टर्बो राइडर्स।

आरबीआई ने एमएसई के लिए 20 लाख तक का कोलैटरल-फ्री लोन देने की घोषणा की

मुम्बई, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसई) के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के तहत अब एमएसई 20 लाख रुपए तक का लोन बिना किसी संपत्ति को गिरवी रखे (कोलैटरल-फ्री) ले सकते हैं। यह संशोधन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को लोन देने संबंधी पुराने नियमों में बदलाव है। आरबीआई ने यह भी बताया कि ये नए निर्देश 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। आरबीआई का उद्देश्य है कि सीमित संसाधनों वाले छोटे उद्यमों तक वित्तीय सहायता आसानी से पहुंचे। इससे वे अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकेंगे और बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठा पाएंगे।

इसके अलावा, यह कदम एमएसई क्षेत्र में लोन वितरण प्रक्रिया को तेज और आसान बनाने के लिए भी उठाया गया है। एमएसएमई उद्योगों को मदद देने के लिए सरकार ने भी नए कदम उठाए हैं। डाक चैनल के माध्यम से होने वाले निर्यात को अब आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल जैसे लाभों से जोड़ा गया है। इससे छोटे उद्योग जो डाक सेवा के जरिए विदेशों में सामान भेजते हैं, उन्हें शुल्क और करों में छूट मिलेगी। यह नियम 15 जनवरी 2025 से लागू हैं। छोटे उद्योगों को मिलेंगे फायदे- 20 लाख तक का कोलैटरल-फ्री लोन आसानी से मिलेगा, बैंकिंग प्रक्रिया सरल और तेज होगी, डाक चैनल से निर्यात करने वाले उद्योगों को वित्तीय और कर लाभ प्राप्त होंगे एवं एमएसई क्षेत्र का विकास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी।

आरबीआई और सरकार के इन कदमों से छोटे और लघु उद्यमों को वित्तीय और बाजार में स्थिरता मिलने की संभावना है, जिससे देश के एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती मिलेगी।

पीएमआईएस में होगा बदलाव, इंटर्नशिप अवधि और आयु सीमा में कमी पर विचार

नई दिल्ली। कारपोरेट कार्य मंत्रालय ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) की प्रायोगिक परियोजना में सुधारों का प्रस्ताव व्यय वित्त समिति को सौंपा है। मंत्रालय ने कहा कि योजना को उम्मीदवारों के लिए और अधिक सुलभ और आकर्षक बनाने के लिए इंटर्नशिप की अवधि और आयु सीमा में कमी पर विचार किया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि योजना को पूरी तरह लागू करने से पहले इन बदलावों के साथ उसका परीक्षण किया जाएगा। पायलट चरण में लगभग 1 लाख प्रशिक्षुओं को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में 840 करोड़ रुपये के बजट के साथ योजना की प्रायोगिक परियोजना को मंजूरी दी गई थी। संसद में दिए गए जवाब के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 31 दिसंबर तक पायलट परियोजना में 64.91 करोड़ रुपये खर्च किए गए। अगले वित्त वर्ष 2026-27 के लिए योजना के लिए 4,800 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसी वर्ष मंत्रालय ने संशोधित अनुमान के तहत 10,831 करोड़ रुपये में से 541 करोड़ रुपये खर्च किए। पहले चरण में 1.81 लाख उम्मीदवारों से 6.21 लाख आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 3,417 प्रशिक्षुओं ने इंटर्नशिप पूरी की।

न्यूज़ ब्रीफ

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पुराने आईटीआर फार्म से ही रिटर्न दाखिल होंगे

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 की आय के लिए करदाता मौजूदा आयकर रिटर्न (आईटीआर) फार्म का ही उपयोग करेंगे, भले ही संशोधित ट्रांजेक्शनल फार्म और नियम मार्च 2026 के पहले सप्ताह तक अधिसूचित किए जाने की संभावना है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। इस स्पष्टीकरण से करदाताओं और पेशेवरों के बीच बदलाव के समय को लेकर बनी अनिश्चितता काफी हद तक दूर हो गई है। सीबीडीटी ने मसौदा नियमों और फार्म पर हितधारकों से 22 फरवरी 2026 तक सुझाव मांगे हैं। सूत्रों के अनुसार प्राप्त सभी प्रतिक्रियाओं की गंभीरता से समीक्षा की जाएगी और आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। विभाग का लक्ष्य है कि सुझावों को शामिल करने के बाद लगभग एक सप्ताह के भीतर अंतिम नियमों को अधिसूचित कर दिया जाए, ताकि मार्च 2026 के पहले सप्ताह तक प्रक्रिया पूरी हो सके। जुलाई-अगस्त 2026 में दाखिल किए जाने वाले आयकर रिटर्न आकलन वर्ष 2026-27 से संबंधित होंगे, जिनमें वित्त वर्ष 2025-26 की आय शामिल होगी। हालांकि, 1 अप्रैल 2026 से स्रोत पर कर कटौती विवरण, रेमिटेंस, फार्म 60 और फार्म 15जी/15एच जैसे ट्रांजेक्शनल फार्म नए सरलीकृत ढांचे के तहत लागू होंगे।

टीवीएस अपाचे बनी नंबर.1 बाइक, सबसे ज्यादा है ग्रोथ

नई दिल्ली। दोपहिया बाजार में 150सीसी से 200सीसी मोटरसाइकिल सेगमेंट में जबरदस्त 72प्रतिशत से अधिक की ग्रोथ दर्ज की गई। इस सेगमेंट पर दबदबा जमाने का काम टीवीएस अपाचे ने किया। टीवीएस अपाचे ने सभी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए 117प्रतिशत की सालाना ग्रोथ हासिल की। इतनी तेजी से बढ़ती बिक्री के चलते टाप-16 माडलों में अकेले अपाचे ने 28.73प्रतिशत मार्केट शेयर पर कब्जा जमाया। दिसंबर 2025 में टीवीएस अपाचे की 45,507 यूनिट बिकीं, जो दिसंबर 2024 में दर्ज 20,885 यूनिट्स की तुलना में 24,622 यूनिट ज्यादा हैं। बजाज पल्सर ने भी मजबूत प्रदर्शन किया और दिसंबर 2025 में इसकी 35,620 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 70.66प्रतिशत अधिक है। होंडा यूनिकार्न ने भी 60प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ दर्ज की और दिसंबर 2025 में इसकी 33,640 यूनिट्स की बिक्री हुई। यामाहा के माडलों की बात करें तो एक्सएसआर की 14,951 यूनिट्स बिकीं। एफझेड ने 20.25प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की और 10,291 यूनिट्स बिकीं, जबकि आर15 की बिक्री 27.73प्रतिशत बढ़कर 5,453 यूनिट पहुंची। हालांकि एमटी-15 की बिक्री घटी और इसे 15.72प्रतिशत की डिग्रोथ का सामना करना पड़ा। केटीएम 200 ने भी दमदार प्रदर्शन किया और 58.95प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 2,815 यूनिट्स बिकीं। होंडा एसपी 160 की बिक्री गिरकर 1,765 यूनिट रह गई, जिसे 60प्रतिशत से अधिक की डिग्रोथ दर्ज हुई। हीरो एक्सपल्स 200 की 1,086 यूनिट्स बिकीं और इसे 16.77प्रतिशत की ग्रोथ मिली। बजाज एवेंजर ने 48.84प्रतिशत की बढ़त हासिल की, जबकि होंडा हार्नेट 2.0 और हीरो एक्सट्रीम 160आर/200 को गिरावट का सामना करना पड़ा।

नई रेनो डस्टर जल्द होगी भारत में लान्च, तैयारी तेज

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत में रेनो अपनी नई डस्टर को जल्द लांच करने जा रही है। कंपनी ने इसकी तैयारी तेज कर दी है। इसी बीच नई डस्टर को पहली बार बिना किसी कैमोफ्लाज के सड़क पर दौड़ते हुए देखा गया है। यूट्यूब चैनल पर शेयर हुए वीडियो में यह एसयूवी अपने खाकी ग्रीन कलर में नजर आई, जिससे इसके दमदार रोड प्रेजेंस का साफ अंदाजा लगता है। वीडियो में डस्टर का रियर लुक, कनेक्टेड एलईडी टेललाइट्स, आकर्षक बंपर, साइड प्रोफाइल और 18 इंच के अलाय वील्स भी स्पष्ट दिखाई देते हैं, जो इसके डिजाइन को और अधिक प्रीमियम बनाते हैं। इंटीरियर की बात करें तो नई डस्टर को कई हाईटेक फीचर्स के साथ अपडेट किया गया है।

इसमें 10 इंच की इंफोटेनमेंट स्क्रीन दी गई है, जो गूगल ओएस पर चलती है और पहले से मौजूद ऐप्स की वजह से एंड्रायड आटो की जरूरत को खत्म कर देती है। इसके साथ 10.25 इंच का टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्जिंग पैड, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ, इलेक्ट्रिक टेलगेट और अडास जैसे कई प्रीमियम फीचर्स भी शामिल हैं, जिससे इसका केबिन और भी माडर्न और कंफर्टेबल हो जाता है। नई रेनो डस्टर तीन दमदार इंजन आप्शन के साथ पेश की जाएगी। बेस वेरिएंट में 100 पीएस वाला 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेगा।

वहीं टाप वेरिएंट में 1.3 लीटर का टर्बो पेट्रोल इंजन होगा, जो 163 पीएस की पावर और 280 एनएम का टार्क जनरेट करता है और 6-स्पीड डीसीटी से लैस है। इसके अलावा 1.6 लीटर पेट्रोल हाइब्रिड इंजन भी उपलब्ध होगा, जो 160 पीएस की पावर और 1.4केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आएगा। कंपनी ने लान्च डेट का खुलासा नहीं किया है, लेकिन नान-हाइब्रिड वेरिएंट की डिलीवरी मार्च 2026 से शुरू होगी, जबकि हाइब्रिड वेरिएंट दिवाली के आसपास ग्राहकों तक पहुंचेगा। नई डस्टर मध्यम आकार की एसयूवी श्रेणी में होगी।

नए साल में चार नई इलेक्ट्रिक कारें लान्च करेगी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स नए साल में चार नई इलेक्ट्रिक कारें लान्च करने जा रही है, जिनमें मौजूदा माडलों के फेसलिफ्ट वर्जन और बिल्कुल नए इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं। कंपनी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में अपनी पकड़ को और मजबूत करने की तैयारी में है। टाटा का लक्ष्य हुंडई और महिंद्रा जैसी कंपनियों को कड़ी चुनौती देते हुए ईवी सेगमेंट में अपनी लीड को बरकरार रखना है। कंपनी की सबसे पहली अपकमिंग इलेक्ट्रिक कार है पंच ईवी, जो 20 फरवरी 2026 को अपडेटेड रूप में लान्च होगी। इस एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक एसयूवी में नया फ्रंट ग्रिल, कनेक्टेड एलईडी डीआरएल और नए अलाय व्हील्स मिलने की उम्मीद है। इसमें 45 केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ 120 बीएचपी की पावर और 190 एनएम टार्क दिया जा सकता है, जिससे इसकी परफार्मेंस और रेंज दोनों बेहतर होंगे। दूसरी कार टियागो ईवी फेसलिफ्ट है, जिसके मई 2026 में आने की संभावना है। इसमें नया फ्रंट डिजाइन, अपडेटेड टेल लैंप्स और बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है। टियागो ईवी के दोनें बैटरी विकल्प 19.2 केडब्ल्यूएच और 24 केडब्ल्यूएच जारी रहने की उम्मीद है, जिससे यह ग्राहकों के लिए एक किफायती और प्रैक्टिकल विकल्प बन सकती है। तीसरी कार टाटा सिएरा ईवी है, जो इस साल के फेस्टिव सीजन में लान्च हो सकती है। इसका डिजाइन आईसीई वर्जन जैसा ही रहेगा लेकिन इसमें क्लोज्ड ग्रिल, एयरोडायनामिक अलाय और इलेक्ट्रिक-विशेष स्टाइलिंग एलिमेंट जोड़े जाएंगे। इसके इंटीरियर में ट्रिपल स्क्रीन सेटअप और पावर-एडजस्टेबल सीटें जैसी प्रीमियम सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। इसके 65 केडब्ल्यूएच और 75 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक वेरिएंट उपलब्ध हो सकते हैं। सबसे प्रीमियम माडल अविन्या है, जिसे साल के अंत तक लान्च किए जाने की संभावना है।

छमाही में कंपनियों का कैपेक्स 6 साल के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय कारपोरेट क्षेत्र में निवेश गतिविधियां तेज़ होती दिख रही हैं। चालू वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में सूचीबद्ध कंपनियों के पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बैंक, वित्त और बीमा (बीएफएसआई) तथा तेल एवं गैस क्षेत्र को छोड़ दें तो अन्य क्षेत्रों की कंपनियों की कुल स्थिर संपत्तियां इस अवधि में 13.1 फीसदी बढ़ीं, जो पिछले छह वर्षों में सबसे तेज़ वृद्धि है। 702 कंपनियों की कुल स्थिर संपत्तियां सितंबर 2025 के अंत तक बढ़कर 37.78 लाख करोड़ रुपये हो गईं।

इससे पहले यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2025 की समान अवधि में 33.41 लाख करोड़ रुपये और मार्च 2025 के अंत में 36.33 लाख करोड़ रुपये था। इसके मुकाबले वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में कैपेक्स वृद्धि 7.9 फीसदी और दूसरी छमाही में 6.9 फीसदी रही थी। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में पूंजीगत खर्च में बढ़ोतरी का मुख्य श्रेय सीमेंट, बिजली, निर्माण एवं बुनियादी ढांचा, खनन, धातु और वाहन क्षेत्रों को जाता है।

वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में कंपनियों का पूंजीगत खर्च 13.1 फीसदी बढ़ा

इस दौरान ग्रासिम इंडस्ट्रीज ने सबसे बड़ा योगदान दिया। इसके बाद अदाणी एंटरप्राइजेज, एनटीपीसी, टाटा स्टील और पावर ग्रिड का स्थान रहा। कुल कैपेक्स में इन पांच कंपनियों की हिस्सेदारी लगभग 30 फीसदी रही।

ग्रासिम की स्थिर संपत्तियां सालाना आधार पर 30 फीसदी बढ़कर 1.25 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जिसका बड़ा कारण उसकी सीमेंट इकाई अल्ट्राटेक सीमेंट का विस्तार है। अल्ट्राटेक की स्थिर संपत्तियां पहली छमाही में 41.2 फीसदी बढ़ीं।

इसके अलावा कई कंपनियों में अधिग्रहण के चलते भी स्थिर संपत्तियों में तेज़ बढ़ोतरी दर्ज की गई। यदि रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडियन आयल और ओएनजीसी को शामिल किया जाए, तो इस अवधि में कारपोरेट कैपेक्स वृद्धि 20 फीसदी से अधिक रही।

नई एंट्री-लेवल सुपरकार फेरारी अमालफी जल्द होगी लान्च

नई दिल्ली। भारत में कार निर्माता कंपनी फेरारी अपनी नई एंट्री-लेवल सुपरकार फेरारी अमालफी जल्द लान्च करने जा रही है। फेरारी ने आधिकारिक रूप से पुष्टि कर दी है कि भारत में इसका एक्स-शोरूम प्राइस 5.59 करोड़ रुपये होगा। दमदार परफार्मेंस वाली यह कार ट्विन-टर्बो वी 8 इंजन से लैस है, जो 631 हार्सपावर जेनरेट करती है। यह सिर्फ 3.3 सेकेंड में 0 से 100 किमी/घंटा और मात्र 9 सेकेंड में 0 से 200 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। फेरारी अमालफी को ट्रेडिशनल फेरारी डिजाइन के साथ माडर्न टच देते हुए तैयार किया गया है। इसके फ्रंट में पारंपरिक ग्रिल की जगह बाडी-कलर्ड फ्लोटिंग विंग दिया गया है, जो इसे भविष्यवादी लुक देता है। इसके साथ स्लीक इंटीग्रेटेड हेडलैंप्स और फ्रंट सेंसर वाहन को और प्रीमियम बनाते हैं। लोअर स्प्लिटर कार की चौड़ाई और स्पोर्टीनेस को बढ़ाता है। पीछे की ओर कंपनी ने स्ट्राइकिंग शोल्डर लाइन और मिनिमलिस्टिक टेललाइट डिजाइन दिया है, जबकि ब्राड डिफ्यूज़र कार के ऐरोडायनामिक्स को बेहतर बनाता है। इंटीरियर की बात करें तो अमालफी को पूरी तरह नया और शानदार केबिन मिला है। यह फेरारी रोमा का अपडेटेड और ज्यादा प्रीमियम वर्जन कहा जा रहा है।

सोना 2,065 की गिरावट के साथ खुला, चांदी भी फिसली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी में कमजोर कारोबार

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को कमजोरी के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार में दोनों कीमती धातुओं पर दबाव देखने को मिला, वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी नरमी का रुख बना रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कान्ट्रैक्ट 2,065 रुपये की गिरावट के साथ 1,56,001 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,58,066 रुपये था। इस समय यह कान्ट्रैक्ट 776 रुपये टूटकर 1,57,290 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में सोने ने 1,58,070 रुपये का उच्च और 1,56,001 रुपये का निचला स्तर छुआ। पिछले महीने सोने ने 1,80,779 रुपये का रिकार्ड उच्च स्तर बनाया था। चांदी के वायदा भाव भी दबाव में रहे। एमसीएक्स पर मार्च कान्ट्रैक्ट 2,623 रुपये की गिरावट के साथ 2,59,997 रुपये प्रति किलो पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,62,620 रुपये था।

इस समय चांदी 4,905 रुपये टूटकर 2,57,715 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान इसने 2,60,527 रुपये का उच्च और 2,59,997 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल चांदी ने 4,20,048 रुपये प्रति किलो का उच्चतम स्तर दर्ज किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कामेक्स पर सोना 5,084.30 डालर प्रति औंस पर खुला था, लेकिन बाद में 28.60 डालर गिरकर 5,050.80 डालर प्रति औंस पर आ गया। इस साल सोने ने 5,586.20 डालर प्रति औंस का उच्च स्तर छुआ है। कामेक्स पर चांदी 83.21 डालर प्रति औंस पर खुली, लेकिन खबर लिखे जाने तक 1.08 डालर की गिरावट के साथ 81.15 डालर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दग़ा किसी ...

अमेरिकी फायदा: 14 बोइंग विमानों का सौदा

समझौते के अनुसार, बांग्लादेश ने रसायन, चिकित्सा उपकरण, मशीनरी, मोटर वाहन और पुर्जे, सोया उत्पाद और डेयरी उत्पाद, गोमांस, मुर्गी पालन, मेवे और फल सहित अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण तरजीही बाजार पहुंच प्रदान करने पर सहमति जताई है।इसके अलावा, व्हाइट हाउस ने कहा कि बांग्लादेश अमेरिकी वाहन सुरक्षा और उत्सर्जन मानकों को स्वीकार करके, अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन के प्रमाणपत्रों को मान्यता देकर और पुनर्निर्मित वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध हटाकर गैर-शुल्क बाधाओं को भी कम करेगा। इस समझौते में यह भी कहा गया है कि बांग्लादेश अमेरिका से 14 बोइंग विमान भी खरीदेगा।

वस्त्र उद्योग: बांग्लादेश की रीढ़ पर दांव

समझौते के तहत, वाशिंगटन कुछ वस्त्रों और परिधानों पर शुल्क छूट देने की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बांग्लादेश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा वस्त्र उत्पादक देश है।

यह क्षेत्र बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कुल निर्यात आय का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। इसमें लगभग 40 लाख कामगार लगे हुए हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका योगदान 10 प्रतिशत है।उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, कम टैरिफ दर से बांग्लादेशी निर्माताओं को अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिल सकती है, जो उनके सबसे बड़े निर्यात गंतव्यों में से एक है।

अजीब टाइमिंग: एक हफ्ते का अंतराल

बांग्लादेश और अमेरिका के बीच हुए समझौते का समय अजीब है। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच व्यापार समझौते की घोषणा के ठीक एक सप्ताह बाद हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय निर्यात पर शुल्क कम किया जाएगा।अब भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत हो गया है, जो बांग्लादेश से एक प्रतिशत कम है। भारतीय अधिकारियों और विश्लेषकों का कहना है कि कम टैरिफ से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में मामूली लाभ मिलेगा।

भारत की डील: 500 अरब डॉलर की शर्त

कुछ दिनों बाद जारी एक संयुक्त बयान में यह भी बताया गया कि भारत अगले पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी सामान खरीदेगा। समझौते के अनुसार, भारत ने सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं के साथ-साथ कई खाद्य और कृषि उत्पादों पर अपने मानक टैरिफ को कम करने का वादा किया है।

दूसरी ओर अमेरिका केवल उन पारस्परिक टैरिफ को कम करेगा जो वर्तमान में लगभग 55 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर लागू हैं। उन्हें 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा।

वैश्विक तुलना: कहां खड़ा है भारत

हालांकि, लाओस और म्यांमार पर काफी अधिक 40 प्रतिशत शुल्क लगता है, जबकि चीन पर यह 34 प्रतिशत से 37 प्रतिशत के बीच है। एशिया के बाहर कुछ सबसे अधिक अमेरिकी शुल्क ब्राजील पर 50 प्रतिशत और दक्षिण अफ्रीका पर 30 प्रतिशत लागू होते हैं। तुलनात्मक रूप से, अमेरिका से सबसे कम शुल्क पाने वाले देशों में यूनाइटेड किंगडम 10 प्रतिशत, यूरोपीय संघ, स्विट्जरलैंड, जापान और दक्षिण कोरिया लगभग 15 प्रतिशत शुल्क पर हैं।

ओम...

नोटिस में 2 फरवरी और 3 फरवरी की घटनाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं दी गई।इसके साथ ही, नोटिस में श्री बिरला के उस बयान का भी उल्लेख है, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के जवाब के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सदन में उपस्थित न होने का कारण बताया था।

तीन पेज के इस नोटिस पर पहला हस्ताक्षर कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल का है, दूसरे स्थान पर द्रमुक नेता टी. आर. बालू और उसके बाद समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव का हस्ताक्षर है।

अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला होने तक सदन में नहीं जाएंगे ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस घटनाक्रम के बीच एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने कहा है कि जब तक उनके खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक वे सदन के अंदर प्रवेश नहीं करेंगे और न ही अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठेंगे।हालांकि, इस तरह का कोई स्पष्ट नियम नहीं है, इसके बावजूद उन्होंने स्वयं यह निर्णय लिया है। बताया जा रहा है कि सरकार या विपक्ष की ओर से उन्हें मनाने की कोशिश की जा सकती है, लेकिन इसके बावजूद वे सदन के भीतर नहीं जाएंगे।

महासचिव को नोटिस की जाँच के निर्देश

इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह को निर्देश दिया था कि उन्हें पद से हटाने के लिए विपक्ष द्वारा दिए गए नोटिस की जाँच कर उचित कार्रवाई की जाए।दरअसल, विपक्ष ने मंगलवार को लोकसभा महासचिव को यह नोटिस सौंपते हुए श्री बिरला पर पक्षपातपूर्ण ढंग से सदन चलाने, कांग्रेस सदस्यों पर झूठे आरोप लगाने तथा अपने पद के दुरुपयोग का आरोप लगाया है।

250 करोड़...

और जिम्मेदारी तय करेगा। जहाँ एक ओर वाईएसआरसीपी ने क्लीन चिट मिलने का दावा किया है, वहीं मुख्यमंत्री नायडू ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह भक्तों की आस्था के साथ गंभीर अपराध है। उन्होंने आरोप लगाया कि मिलावटी घी में बाथरूम साफ करने वाले रसायनों तक का इस्तेमाल किया गया था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा उमिया माता मंदिर में जन्म शताब्दी महोत्सव 15 को

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री उमिया माता मंदिर में आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव के अवसर पर धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

इस महोत्सव में भाग लेने हेतु स्वामीनारायण मंदिर के पूज्य आत्मचिंतनदास स्वामी, तेलंगाना गुजराती समाज के परिमल पारेख, चंदूलाल पटेल, मिनल वखारिया, वनिता पटेल, कोमल पारेख, गुजराती सेवा मंडल के मंत्री जनक ब्रह्मभट्ट, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरुण मेहता, लोहाणा युवा समिति, सिकंदराबाद तथा रघुवंशी महिला मंडल के पदाधिकारियों सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्यों जसमत पटेल, अशोक पटेल, घनश्याम पटेल, मनसुख पटेल, हसमुख पटेल, अनिल पटेल, जयंती पटेल एवं अन्य सहयोगियों द्वारा सभी अतिथियों को ससम्मान निमंत्रण दिया गया है।

आयोजकों ने बताया कि यह जन्म शताब्दी महोत्सव धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक होगा, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहेंगे।

गौ माता के सुरक्षित विचरण हेतु 'साथी हाथ बढ़ाना' संस्था का सराहनीय सेवा कार्य

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौ माता के सुरक्षित एवं निर्बाध विचरण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से साथी हाथ बढ़ाना संस्था द्वारा एक महत्वपूर्ण सेवा कार्य किया गया। संस्था के सदस्यों ने श्री गोवर्धन गौशाला, पंचायती अखाड़ा, पुराना पुल, हैदराबाद में गौशाला परिसर के भीतर लोहे की ग्रील एवं परकोटा का निर्माण कराया।इस व्यवस्था के माध्यम से अब गौवंश सुरक्षित वातावरण में स्वतंत्र रूप से भ्रमण कर सकेगा तथा परिसर से बाहर निकलने की संभावना भी समाप्त हो जाएगी।

इस पुनीत सेवा कार्य का शुभारंभ श्री राम गोपाल गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। निर्माण कार्य को श्री सुरेश गुप्ता एवं श्री अनिल गुप्ता के अथक प्रयासों और सतत निगरानी में मजदूरों द्वारा सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

इस अवसर पर गौशाला के प्रबंधक गुरुजी एवं चंचल जी ने साथी हाथ बढ़ाना संस्था के सभी सदस्यों का सम्मान किया तथा उनके इस सेवा भाव के लिए आशीर्वाद प्रदान किया।इस सेवा कार्य में विशेष आर्थिक सहयोग प्रदान करने वालों में श्रीमती उर्मिला देवी, सुरेश गुप्ता, अनिल गुप्ता, सरला अग्रवाल, शारदा गुप्ता, गोविंद अग्रवाल, निरंजन पंसारी, राम गोपाल गुप्ता, गणेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, संजय संघी, अनिल संघी, दिलीप रेड्डी (यूएसए) एवं सुमन अग्रवाल (यूएसए) शामिल हैं।

संस्था के सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि भविष्य में भी गौ माता की सेवा हेतु गौशाला में समय-समय पर अन्य आवश्यक कार्य किए जाएंगे। इसके उपरांत मंदिर परिसर में श्री गुरुजी के सान्निध्य में सभी सदस्यों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ किया गया तथा प्रसाद ग्रहण किया गया। गुरुजी के आशीर्वाद के साथ यह सेवा सभा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

नैतिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में ही जीवन की सच्ची सार्थकता : सतीश गुप्ता

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर निरंतर आयोजित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान सेवा, संवेदना और मानवता का भावपूर्ण दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर ग्रुप के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता ने कहा कि नैतिक जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन ही मानव जीवन की सच्ची सार्थकता है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान केवल भोजन देने का कार्य नहीं, बल्कि भूखे को सम्मान, पीड़ित को संबल और समाज को करुणा देने का माध्यम है। जब सेवा निस्वार्थ भाव से की जाती है, तभी समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है।

सतीश गुप्ता ने बताया कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद लंबे समय से जरूरतमंदों, मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए नियमित रूप से अन्नदान कर रहा है, जिससे समाज में भाईचारे और मानवीय मूल्यों को बल मिल रहा है।

आज की सेवा स्वर्गीय श्री हरीराम जी गोयल की जन्म जयंती के उपलक्ष में मैसर्स गोयल ज्वैलर्स सोमाजीगुडा की ओर से की गई।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, हरिश तोलाराम हिंदुजा, संजय गुप्ता, गायत्री अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, जयप्रकाश सारडा, अवनीश गोयल, श्रुति गोयल, रुचित गोयल, दीपा गोयल, सुचित गोयल, ईशा गोयल, आयुष गोयल, नेहा गोयल, अंशु अग्रवाल, निधि अग्रवाल, यशस्वी अग्रवाल, धुन गोयल एवं युवान गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सभी सदस्यों ने सेवा, समर्पण और नैतिक मूल्यों के मार्ग पर निरंतर चलते रहने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम स्थल पर सेवा और सद्भावना से परिपूर्ण वातावरण बना रहा। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह अन्नदान कार्यक्रम समाज में मानवता को सशक्त करने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल के रूप में सराहा गया।

जयपुर-हैदराबाद विमान से टकराया पक्षी

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जयपुर से हैदराबाद आ रहे एक यात्री विमान के साथ मंगलवार को शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान पक्षी के टकराने की घटना सामने आई है। यह घटना उस समय हुई जब इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 752 रनवे की ओर बढ़ रही थी।

विमान के उतरते समय पायलट ने पक्षी के टकराने के प्रभाव को महसूस किया। उन्होंने तुरंत सतर्कता बरतते हुए विमान पर नियंत्रण बनाए रखा और सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित की। विमान के जमीन पर उतरते ही इसकी सूचना एयर ट्रैफिक कंट्रोल के अधिकारियों को दी गई।

तकनीकी टीम ने शुरू की गहन जाँच

मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए, हवाई अड्डा अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने विमान का गहन निरीक्षण किया। इस घटना में किसी भी यात्री या चालक दल के सदस्य के घायल होने की खबर नहीं है। उड़ान सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विमान की विस्तृत जांच की जा रही है।

हवाई अड्डा प्राधिकरण इस मामले की निगरानी कर रहा है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

हालांकि अभी आधिकारिक तौर पर विस्तृत विवरण साझा नहीं किया गया है, लेकिन प्रारंभिक जाँच के बाद ही विमान को अगले परिचालन के लिए मंजूरी दी जाएगी।

श्री शांतिनाथ जिनेश्वरधाम की 25वीं वर्षगांठ पर भव्य ध्वजारोहण महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 10 फरवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो) । काचीगुडा स्थित श्री अचलगच्छ जैन संघ द्वारा संचालित श्री शांतिनाथ जिनेश्वरधाम मंदिर की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 26वां ध्वजारोहण महोत्सव अत्यंत भव्यता, उत्साह और धार्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

दक्षिण दीपक प.पू. आ.भ. श्री कलाप्रभसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शुभाशिर्वाद एवं शांतमूर्ति प.पू. सा. श्री चारूदर्शनाश्रीजी म.सा., प.पू.सा. श्री कैवल्यदर्शनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा 2 की पावन निश्रा में यह कार्यक्रम रविवार, 8 फरवरी 2026 को प्रातः 9 बजे से श्री सत्तरभेदी पूजन के साथ आरंभ हुआ। ध्वजारोहण विधि सुबह 10.15 बजे से संपन्न हुई।

मुख्य ध्वजारोहण एवं लाभार्थी परिवार

शिखर पर ध्वजारोहण के अंतर्गत मुख्य ध्वजा श्रीशांतिनाथ प्रभु ध्वजा का लाभार्थी शेठ मणीकांत मेघजी मोमाया परिवार रहा। श्री श्रेयांसनाथ प्रभु ध्वजा का लाभार्थी शेठश्री लीलाधर जीवराज नागडा परिवार, श्री नमिनाथ प्रभु ध्वजा का लाभार्थी शेठश्री लक्ष्मीचंद मेघजी नागडा परिवार, श्री वासुपूज्य स्वामी ध्वजा का लाभार्थी शेठश्री दामजी जीवराज नागडा परिवार रहा। पूराने मूलनायक श्री शांतिनाथ भगवान ध्वजा का ध्वजारोहण भी शेठश्री मणीकांत मेघजी मोमाया परिवार द्वारा किया गया। दोपहर 12.45 बजे स्वामिवात्सल्य का आयोजन ध्वजारोहण के कायमी लाभार्थी परिवार की ओर से रखा गया। आंगी मंडल की बहनों द्वारा परमात्मा की भव्य आंगी की गई।

पूजन एवं चढ़ावे के अवसर

अवसर पर पक्षाल पूजा, केसर पूजा, पुष्प पूजा, अखंड दीपक आदि के वार्षिक चढ़ावे बुलाए गए, जिनमें-

वासक्षेप पूजाः मातुश्री कस्तुरबेन मणीलाल मारू : आशाबेन चंद्रशेखर

पक्षाल पूजाः मातुश्री मोंघीबेन लक्ष्मीचंद नागडा परिवार : मनिषाबेन मोहनलाल गाला नरेडी कच्छ

अंगलूछना का चढ़ावा: श्रीमती कोकिलाबेन जयेन्द्रभाई शाह परिवार

चंदन पूजा: श्रीमती वनिताबेन भरत जेठालाल गाला देशलपर कंठी कच्छ

पुष्प पूजा: कुमारी मायरा रचित नागडा : हर्षाबेन विजय नागडा परिवार - वरंडी मोटी कच्छ

धुप पूजा: श्री भीकमचंद राजेश पुरव पोकरणा परिवार

घृत (दीपक) पूजा: श्रीमती हर्षाबेन विजय दामजी जी-वराज खिंयशी नागडा परिवार

अष्ट प्रकारी सर्व सामग्री: श्रीमती मिनाक्षी मोनीक धरमशी परिवार को प्राप्त हुआ।

विधिविधान के लिए मुंबई से विधिकार राजाभाई नंदु अपनी संगीत मंडली के साथ पधारे।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में श्री अचलगच्छ जैन संघ हैदराबाद सिटी के चेयरमेन रमणीक नागडा एवं मैनेजिंग ट्रस्टी पोपटलाल छेडा ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। ट्रस्टी अनिश छेडा एवं ट्रस्टी विपुल गाला ने भी कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पोपटलाल छेडा, शांतिलाल मामणिया, हेमांग मोमाया, अनीष छेडा, विपुल गाला, पूर्व पार्षद दिड्डी रामबाबु, बीजेपी नेता दिनेश गोसर, रिद्धीश जागीरदार, भावीन सोनावाला, योगेश गोसर, धवल शाह, राजीव मामणिया, जयेश नागडा, प्रवीण काराणी, रतिलाल छेडा, गुलाब मोता, मोहन गाला, देवचंद गाला, लहेरचंद लोडाया, मोनिक धरमशी, प्रदीप संघवी, शांतिलाल मारू, विजय जागीरदार, चंद्रकांत शाह, सुभाष खंडोर, जसराज देवडा धोका, भवानजीभाई पासड, नवीन मारू, प्रदीप नागडा, पीयुष नागडा, हरेश सावला, विपुल गाला, गौरव गडा, मणीलाल सावला, प्रवीण छेडा, जितेन्द्र गडा, सुरेश गाला, हितेन छेडा, मिहिर छेडा उपस्थित रहे।महिलाओं में लता मोमाया, हर्षाबेन नागडा, भावना नागडा, जया जागीरदार, भानुबेन गाला, कुसुम गोसर, दमयंती गडा, जयश्री संघवी, ज्योति मोता, हेमा काराणी, वैशाली शाह, रश्मी लोडाया, अवनी छेडा, खुशाली नागडा, झेनी मोमाया, हर्षीता सोनावाला, मनीषा गाला, विमलाबेन भेदा एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

राजस्थानी मित्र मंडल की दक्षिण भारत तीर्थ यात्रा सम्पन्न, यात्रियों का हुआ भव्य स्वागत

कन्याकुमारी, रामेश्वरम एवं केरल की सफल धार्मिक यात्रा के बाद हैदराबाद आगमन

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित कन्याकुमारी, रामेश्वरम एवं केरल की धार्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण कर लौटे यात्रियों का मंडल द्वारा हर्षोल्लास के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाजजनों एवं महिला मंडल की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

इस पावन यात्रा में मांगीलाल काग, कालुराम काग, भुराराम काग, गोपाराम काग, गीरध-ारीलाल चोयल, केसाराम सेपटा, माणिकचंद कुमावत, प्रभुराम हाम्बड, बाबूलाल पंवार, पूस-ाराम काग, प्रभुराम काग, रावतराम काग, नेनाराम राठौड, रुघाराम परिहारिया, भंवरलाल गेहलोत, मल्लाराम राठौड, कानाराम गेहलोत, मांगीलाल सोलंकी, पुनाराम सानपरा सहित अन्य सदस्य सम्मिलित रहे।

यात्रा से सकुशल लौटे सभी सदस्यों एवं महिला मंडल का पुष्पहार, माल्यार्पण एवं पारंपरिक अभिनंदन के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर यात्रा के अनुभव साझा किए गए तथा धार्मिक स्थलों के दर्शन से प्राप्त आध्यात्मिक लाभ पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान समाज में आपसी एकता, धार्मिक भावना एवं सांस्कृतिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प भी दोहराया गया। राजस्थानी मित्र मंडल ने भविष्य में भी इस प्रकार की सामूहिक धार्मिक यात्राओं के आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

गोशामहल संभाग में 1.20 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ

दो चरणों में 2 करोड़ रुपये के कार्यों को मिली स्वीकृति

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के गोशामहल संभाग में 1 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। गोशामहल पार्षद पी. लाल सिंह ने बताया कि संभाग में कुल 2 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिन्हें दो चरणों में संपन्न किया जा रहा है।

पहले चरण में 80 लाख, दूसरे चरण में 1.20 करोड़ के कार्य शुरू

पार्षद पी. लाल सिंह ने जानकारी दी कि पहले चरण के अंतर्गत 6 फरवरी को 80 लाख रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया था। आज दूसरे चरण के अंतर्गत 1 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया।

दूसरे चरण में 11.40 लाख रुपये की लागत से कमाटीपुरा में सीसी रोड निर्माण, नई बस्ती में 19.50 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण, बूढ़े बाबा मंदिर के पास 11.50 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण, झिंगुर बस्ती में 5.20 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण, दालमंडी रोड पर 5.20 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण किया जा रहा है।

सड़क, सीवरेज एवं स्ट्रॉम वाटर कार्यों से मिलेगी राहत

इसके अतिरिक्त लालगिरजी महेशगिरजी गोस्वामी स्कूल के पास 11.90 लाख रुपये, देवी नगर में 12.30 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। देवी नगर में 3 लाख रुपये की लागत से स्ट्रॉम वाटर लाइन के विकास कार्य भी प्रारंभ किए गए।

इसी क्रम में 2.40 लाख रुपये की लागत से घोड़े की कब्र से संतोषी माता मंदिर रोड पर सीवरेज लाइन, 3.30 लाख रुपये की लागत से इमलिया बाग के पास सीवरेज लाइन, 4.25 लाख रुपये की लागत से मंगलहाट में, 5.30 लाख रुपये की लागत से मोहन दास मठ में तथा 4.75 लाख रुपये की लागत से देवी नगर में स्ट्रॉम वाटर निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया।

गोशामहल हिन्दी नगर राम मंदिर में सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन

माथुर वैश्य इंटरनेशनल द्वारा धार्मिक कार्यक्रम

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल हिन्दी नगर स्थित राम मंदिर में माथुर वैश्य इंटरनेशनल की आयोजक रचना सपना गुप्ता के तत्वावधान में सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जामबाग के पार्षद राकेश जसवाल एवं भजन गायिका सुनीता का स्वागत माथुर वैश्य इंटरनेशनल की आयोजक सपना गुप्ता द्वारा पुष्प एवं सम्मान के साथ किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए नाश्ते की भी व्यवस्था की गई।कार्यक्रम में महिलाओं ने सामूहिक रूप से भजन गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सुंदरकाण्ड पाठ के पश्चात भजन-कीर्तन हुआ, जिसमें उपस्थित महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर पूजा, पूनम, कविता, भावना, आस्था, रचना, सुनीता, रीता, उमा, श्याम सुंदर, भावना, सुमन, पूरवा, रुचि, वीना सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी ने आयोजक सपना गुप्ता के प्रयासों की सराहना की।

होलिका दहन में गौमय कंडों का प्रयोग करें : महेश अग्रवाल

पूज्य रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गोशाला में नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर आयोजित

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण के सहयोग से तथा इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड के अनुभवी पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा आज पूज्य रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गोशाला परिसर में एक नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने कहा कि एक स्वस्थ गोशाला वही होती है, जहाँ पशु केवल जीवित न रहें, बल्कि वे सुखी एवं निरोगी जीवन भी व्यतीत करें। उन्होंने सभी गोशालाओं में समय-समय पर पशु चिकित्सा शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि आगामी होलिका दहन में केवल गोबर के कंडों का ही प्रयोग करें, जिससे पर्यावरण की रक्षा हो सके और गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी सहयोग मिले।

डोंगरेजी महाराज शताब्दी वर्ष महोत्सव में सहभागिता का आह्वान

विशेष अतिथि श्री जसमत पटेल ने सभी से पूज्य रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गोशाला द्वारा डोंगरेजी महाराज शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मेढ़चल स्थित उमिया माता मंदिर में आयोजित भव्य विशाल डायरों एवं एक शाम गोमाता के नाम महोत्सव में सम्मिलित होने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार गाय के शरीर में 33 कोटि देवताओं का वास होता है। गौ सेवा एवं उनके

सान्निध्य से निकलने वाली सकारात्मक तरंगें मानव मन को शांति प्रदान करती हैं और तनाव को दूर करती हैं।

गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण एवं दवा वितरण

शिविर में बड़ी संख्या में गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों द्वारा पशुओं की सामान्य जांच, टीकाकरण, कृमिनाशक दवा वितरण तथा मौसमी एवं संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु उपचार प्रदान किया गया। गंभीर रूप से अस्वस्थ पशुओं के लिए विशेष परामर्श एवं उपचार की व्यवस्था भी की गई।

इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पशुपालकों को संतुलित आहार, स्वच्छता, समय पर टीकाकरण एवं रोगों से बचाव के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी तथा आवश्यक दवाइयों का नि:शुल्क वितरण भी किया गया।

पशु कल्याण के प्रति समाज में जागरूकता का प्रयास

लायंस इंटरनेशनल जीव-जंतु कल्याण विभाग के चेयरमैन श्री प्रेम चंद मुनोत ने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों का उद्देश्य गोवंश के स्वास्थ्य संरक्षण के साथ-साथ समाज में पशु कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।गोशाला प्रबंधन समिति ने लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण एवं इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड की चिकित्सक टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखने की बात कही।शिविर में इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स के अनुभवी चिकित्सक डॉ. गुनिंद्र बोरह, डॉ. राजू एवं उनके सहयोगियों ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

आंसुओं से नहीं, अन्नदान से दी श्रद्धांजलि कानोडिया परिवार की भावपूर्ण पहल

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वर्गीय श्री राम अवतार जी कानोडिया की पुण्य स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से उनकी धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला जी कानोडिया की ओर से भावपूर्ण अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्य हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के समीप श्रद्धा, करुणा और सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को ससम्मान भोजन कराया गया। पूरा वातावरण संवेदना और भक्ति से ओत-प्रोत रहा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने स्वर्गीय श्री राम अवतार जी कानोडिया के सादगीपूर्ण, धर्मनिष्ठ एवं समाजसेवी जीवन को स्मरण करते हुए नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की।

वक्ताओं ने कहा कि अन्नदान सर्वोच्च दान है और यह न केवल दिवंगत आत्मा की शांति का माध्यम है, बल्कि समाज में मानवता और सेवा का संदेश भी देता है। धर्मपत्नी द्वारा पति की स्मृति में किया गया यह सेवा कार्य सच्चे प्रेम, त्याग और संस्कारों का प्रतीक है।

इस पुण्य अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भगतराम गोयल, ई-जगन (चंपापेट), प्रीतिका अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, गौरव गोयल एवं महेश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्यों ने सेवा दी।

कार्यक्रम में राकेश कानोडिया, सपना कानोडिया एवं दिशा कानोडिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। परिवारजनों ने सेवा सहयोग के लिए राधे-राधे ग्रुप का आभार व्यक्त किया।

पश्चिम जोन पुलिस के साथ शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

त्यौहारों के लिए व्यापक तैयारियों पर चर्चा

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार को पश्चिम जोन, जुबली हिल्स के डीसीपी ए. रमना रेड्डी, आईपीएस तथा अतिरिक्त डीसीपी श्रीकांत गारु के साथ एक विस्तृत बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी कार्यक्रमों, आवश्यक व्यवस्थाओं और उनके सुचारू तथा व्यवस्थित संचालन के लिए प्रभावी समन्वय पर व्यापक चर्चा हुई।इस अवसर पर पश्चिम जोन के डीसीपी ने शांति समिति के सदस्यों को निर्देश दिया कि वे एसएचओ, एस.आर. नगर और एसएचओ सनत नगर के साथ समन्वय स्थापित करें और अपने-अपने क्षेत्रों में शांति समिति की बैठकें आयोजित करें, ताकि आगामी त्यौहारों के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाया जा सके और उसे बनाए रखा जा सके।

पश्चिम जोन के डीसीपी द्वारा यह भी निर्देश दिया गया कि साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रमों का व्यापक रूप से आयोजन किया जाए और इन्हें समाज में फैलाया जाए, ताकि आम जनता को शिक्षित किया जा सके।

सीआई के साथ परिचय बैठक: आपसी सहयोग पर सकारात्मक चर्चा इसके अतिरिक्त एस.आर. नगर के सीआई डी. श्रीनिवास रेड्डी और सनथ नगर के सीआई के. श्रीनिवासुलु के साथ एक स्व-परिचय बैठक भी आयोजित की गई। आपसी सहयोग, कानून-व्यवस्था के रखरखाव और प्रशासनिक सहायता से संबंधित मामलों पर सौहार्दपूर्ण और रचनात्मक तरीके से चर्चा की गई।इस अवसर पर सभी जोन के महासचिव: श्रीकिशन शर्मा, पश्चिम जोन अध्यक्ष: श्रीमती तेजू विजया कुमारी, उपाध्यक्ष: संगेश अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष: बोगी बालक दास, महासचिव: मोहम्मद असदुद्दीन, मोहम्मद मजीद, अफ्फू पठान, हनुमंत राव, शेख शरीफ, पी.एस. राव, कृष्णा एवं अन्य उपस्थित रहे।

नरवणे की पहली प्रतिक्रिया

किताब छपी ही नहीं!

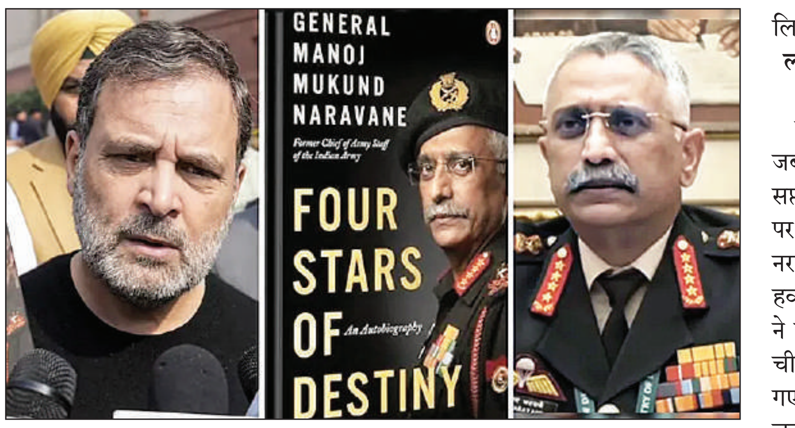

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी किताब फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी को लेकर चल रहे विवाद के बीच पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर सात शब्दों की प्रतिक्रिया देते हुए पुस्तक की वर्तमान स्थिति स्पष्ट की है। इसके साथ ही उन्होंने किताब के प्रकाशक पेंगुइन इंडिया की एक पोस्ट को भी रिपोस्ट किया है। जनरल नरवणे ने एक्स पर लिखा, पुस्तक की ताज़ा स्थिति यह है।

यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब किताब की सामग्री को लेकर राजनीतिक और सार्वजनिक बहस तेज हो गई है। इससे पहले पेंगुइन इंडिया ने स्पष्ट किया था कि यह किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है।

पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरए-चआई) ने कहा है कि इस किताब के प्रकाशन का पूर्ण अधिकार उन्हीं के पास है। प्रकाशक ने स्पष्ट किया कि किताब अभी तक न तो प्रिंट और न ही डिजिटल फॉर्मेट में प्रकाशित हुई है। न इसे डिस्ट्रिब्यूट किया गया है और न ही बेचा गया है।वर्तमान में उपलब्ध किसी भी प्रकार की कॉपी आधिकारिक नहीं है। प्रकाशक के अनुसार, जनरल नरवणे द्वारा किया गया यह पोस्ट अप्रत्यक्ष रूप से इस बात की पुष्टि करता है कि किताब अब तक प्रकाशित नहीं हुई है।

पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा है कि यदि किसी भी फॉर्मेटचाहे वह प्रिंट, डिजिटल, पीडीएफ, ऑनलाइन या ऑफलाइनमें इस किताब की पूरी या आंशिक कॉपी मौजूद है, तो वह कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है।

प्रकाशक ने चेतावनी दी है कि वह किताब के गैर-कानूनी और बिना अनुमति के प्रसार के खिलाफ कानून के तहत उपलब्ध सभी उपाय अपनाएगा।

प्रकाशक ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी किताब की घोषणा होना, प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध होना और वास्तविक रूप से प्रकाशित होनातीनों अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। किसी किताब को तभी प्रकाशित माना जाता है, जब वह दुकानों में खुदरा बिक्री के लिए उपलब्ध हो।

लोकसभा में उठा मामला, राहुल गांधी का दावा

यह विवाद उस समय और गहरा गया, जब नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पिछले सप्ताह लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए जनरल नरवणे की इस अप्रकाशित किताब का हवाला देने की कोशिश की।राहुल गांधी ने दावा किया कि 31 अगस्त 2020 को चीनी सेना के टैंक भारतीय क्षेत्र में देखे गए थे और उस समय के आर्मी चीफ जनरल नरवणे ने राजनीतिक नेतृत्व से स्पष्ट निर्देश मांगे थे, लेकिन उन्हें कोई ठोस आदेश नहीं मिला।जब सत्ता पक्ष ने इस दावे के स्रोत पर सवाल उठाया, तो राहुल गांधी ने कहा कि यह जानकारी जनरल नरवणे की किताब से ली गई है। सत्ता पक्ष ने इसका कड़ा विरोध करते हुए कहा कि किताब अभी प्रकाशित ही नहीं हुई है।इस पूरे मामले के बीच दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस यह जाँच कर रही है कि किताब की अप्रकाशित प्रति कुछ लोगों तक कैसे पहुंची और इसका स्रोत क्या है?

'सूर्यदत्त' के शैक्षणिक और सामाजिक कार्य से प्रभावी जन-जागरण : उदय ललित

28वें स्थापना दिवस पर सूर्यदत्त राष्ट्रीय जीवनगौरव पुरस्कारों का वितरण

पुणे, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों को एक ही मंच पर सम्मानित करना सामाजिक जागरण का एक सशक्त माध्यम है। कला, खेल, विज्ञान, अर्थशास्त्र, लेखा, प्रशासन जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े व्यक्तित्वों की सहभागिता इस आयोजन को बहुआयामी और प्रेरणादायी बनाती है, ऐसे विचार सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश उदय ललित ने व्यक्त किए। वे पुणे स्थित विश्व विख्यात सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के 28वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित 'सूर्यदत्त राष्ट्रीय जीवनगौरव पुरस्कार' एवं 'सूर्यदत्त राष्ट्रीय पुरस्कार' वितरण समारोह में बोल रहे थे। यह समारोह बानेर स्थित बंटारा भवन में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएस. कृष्णमूर्ति, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) भूषण गोखले, एमआईटी के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. शरदचंद्र दराड़े, सूर्यदत्त के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया, उपाध्यक्ष सुषमा चोरडिया, सहयोगी उपाध्यक्ष स्नेहल नवलखा, किमया गांधी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षित कुशल, मुख्य विकास अधिकारी सिद्धांत चोरडिया सहित अनेक गणमान्य अतिथिगण उपस्थित थे। इस दौरान पद्मश्री परमपूज्य आचार्य डॉ. चंदनाजी महाराज (ताई मां) को 'सूर्यदत्त ग्लोबल पीस गांधीयन फिलॉसफी अवॉर्ड02026' से सम्मानित किया गया। वहीं पूर्व मुख्य न्यायाधीश उदय ललित, वरिष्ठ अभिनेता अशोक सराफ, हास्ययोग आंदोलन के विठ्ठल काटे, पूर्व आईएएस अधिकारी शेखर गायकवाड, अभिनेता राकेश बेदी, उद्योगपति विलासकुमार पालरेषा, निर्देशक सुभाष सहगल, शिक्षाविद अशोककुमार ठाकुर, वैज्ञानिक डॉ. आनंद भाडळकर, अधिवक्ता प्रमोद आडकर, साहित्यकार प्रो. सुरेखा कटारिया, उद्यमी प्रकाश गांधी और वैश्विक रणनीतिकार संजय पुरी को 'सूर्यदत्त राष्ट्रीय जीवनगौरव पुरस्कार' प्रदान किए गए। श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति ट्रस्ट के महेश सूर्यवंशी, योगगुरु डॉ. कृष्णदेव गिरी, अभिनेत्री एवं स्टैंडअप कॉमेडियन उपासना सिंह, भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर अभिजीत कुंटे, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता आशुतोष श्रीवास्तव, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. सुरेंद्र कुमारी, योग प्रशिक्षक राखी गुगले, अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. कनक साहा, बांसुरी वादक पारस नाथ, ग्लोबल यूथ एम्बेसडर दारासिंह खुराणा, डॉ. प्रमोद त्रिपाठी और पर्वतारोही आशीष माने को 'सूर्यदत्त राष्ट्रीय पुरस्कार' प्रदान किए गए। चार्टर्ड अकाउंटेंट मोहित धांड, गायिका प्रीति दवे और पिंकी दवे, तैराक हातवी शाह को 'सूर्यदत्त नेशनल यंग अचीवर अवॉर्ड', जबकि मास्टर ऋषि शिव प्रसन्न और मास्टर राघव मालपाणी को 'सूर्यदत्त लिटिल मास्टर नेशनल अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। अपने उद्बोधन में उदय ललित ने कहा कि हर युवा के मन में यह प्रश्न होता है कि वह सफल होगा या नहीं, लेकिन आत्मविश्वास, निरंतर परिश्रम और कार्य में उत्कृष्टता ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि भारत की जनसंख्या युवा है और 35 वर्ष से कम आयु के नागरिकों की संख्या अधिक है। इस मानव संसाधन को सशक्त बनाना राष्ट्र निर्माण का बड़ा कार्य है। गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा और मूल्य आधारित संस्कारों के लिए सूर्यदत्त फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की उन्होंने विशेष सराहना की। वरिष्ठ अभिनेता अशोक सराफ ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित करने की चोरडिया दंपति की यह पहल समाज को प्रेरणा देने वाली है। उन्होंने अपने लंबे फिल्मी और रंगमंचीय सफर का उल्लेख करते हुए दर्शकों के प्रेम और समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रस्तावना में प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने कहा कि सूर्यदत्त संस्था की स्थापना से ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और मूल्य आधारित शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। समाज के आदर्श व्यक्तित्वों को विद्यार्थियों के सामने लाकर उन्हें बेहतर नागरिक बनाने का प्रयास किया जाता है। एयर मार्शल भूषण गोखले ने कहा कि सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी अपनी जड़ों से जुड़े रहना आवश्यक है। वहीं प्रो. डॉ. शरदचंद्र दराड़े ने सूर्यदत्त संस्था की प्रगति की सराहना की। सुषमा चोरडिया ने सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन श्वेता राठोड़ व संदीप पाटील ने किया।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर मेहता व सेमलानी उपाध्यक्ष मनोनीत

बेंगलूरु,10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की वर्ष 2026028 की नई कार्यकारिणी की घोषणा महावीरचंद मेहता की अध्यक्षता में की गई। इस अवसर पर अश्विन सेमलानी को उपाध्यक्ष, गौरव शर्मा को उपाध्यक्ष, जी कृष्णमूर्ति सचिव, सूरज शर्मा सह सचिव, राजेश चोपड़ा को कोषाध्यक्ष व सह कोषाध्यक्ष-विनौद चौहान, मुलसिंह, नवसदस्य मनोनयन मंत्री माधुराम, श्रीपाल मेहता, भरत जैन को कानुन मंत्री व अन्य सदस्यों में सेंकी जैन, मनीष जैन, अमित जैन, विक्रम दास, घेवर चंद, मिश्रीलाल को पदभार के साथ नियुक्ति दी गई।

पूर्व अध्यक्ष दिलीप जैन की गरिमामयी उपस्थिति में इस नई कार्यकारिणी की औपचारिक घोषणा की गई। इस दौरान उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे नए, सूझ-बूझ वाले एवं अनुभवी अध्यक्ष महावीर मेहता के नेतृत्व में यह कार्यकारिणी इनरवियर उद्योग में नई दिशा और नई क्रांति लाने का कार्य करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन आने वाले वर्षों में और अधिक सशक्त होगा।

नई कार्यकारिणी ने सभी सदस्यों को साथ लेकर उद्योग के विकास, व्यापारिक हितों की रक्षा एवं संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करने का सामूहिक संकल्प भी लिया।

नरेश बंसल ने पोते के जन्मदिन पर चुना सेवा का मार्ग

राधे-राधे ग्रुप के अन्न केंद्र पर निर्धनों को भोजन कराकर अन्नदान से मनाया पावन अवसर

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के समीप राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित अन्न केंद्र पर शनिवार को सेवा, संस्कार और संवेदनशीलता का एक अनुपम दृश्य देखने को मिला। समाजसेवी नरेश बंसल ने अपने पोते के जन्मदिन को पारंपरिक उत्सव की बजाय सेवा पर्व के रूप में मनाते हुए निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन कराकर अन्नदान किया तथा गौ माता की सेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नरेश बंसल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भावना और समर्पण के साथ निरंतर समाज सेवा कर रहा है, वह आज के समय में अत्यंत दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि भौतिकता से भरे इस युग में, जहाँ अधिकांश कार्यक्रम औपचारिकताओं तक सीमित रह जाते हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप द्वारा बिना किसी अपेक्षा के की जा रही सेवा समाज के लिए एक सशक्त प्रेरण-स्रोत है।उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक सेवा परिवार है। इस परिवार से जुड़कर जो आत्मिक संतोष, शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है, वह शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से आह्वान किया कि हर व्यक्ति को तन, मन या धन-किसी न किसी रूप में इस सेवा परिवार से अवश्य जुड़ना चाहिए, क्योंकि सेवा से जुड़कर ही जीवन का वास्तविक अर्थ पूर्ण होता है।

नरेश बंसल ने यह भी कहा कि पोते के जन्मदिन जैसे पावन अवसर पर अन्नदान एवं गौ सेवा करने से पूरे परिवार को विशेष आत्मिक आनंद और गहन संतुष्टि की अनुभूति हुई है। कार्यक्रम के दौरान अन्न केंद्र पर सेवा, करुणा और मानवता से परिपूर्ण वातावरण बना रहा, जिससे उपस्थित सभी लोगों के हृदय श्रद्धा और प्रेरणा से भर उठे। आज की सेवा पूर्वांश बंसल के जन्मदिन पर श्री रामलाल जी छाजू मल जी बंसल परिवार की ओर से की गई। राधे राधे ग्रुप द्वारा मंत्र परिवार का स्वागत और सम्मान किया गया।इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, जगन भाई (चंपापेट), गोविंद राम जी, महेश गोयल, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, रेणु शर्मा, स्वस्ति अग्रवाल, उर्मिला बंसल, ललित बंसल, नेहा बंसल, पूर्वांश बंसल, चाहत बंसल, मनीषा अग्रवाल, दीपिका अग्रवाल, कियान्श अग्रवाल, धर्मेंद्र अग्रवाल एवं शिव भगवान अग्रवाल सहित अन्य सेवा प्रेमी शामिल रहे।

हुबली स्थित होटल ओएसिस सूटस, क्यूबेक्स होटल में आँचल संग जैनम के विवाह समारोह में उपस्थित मुकेश जैन चौहाने, नेनमल बी चौहान, दिनेश परमार, पुखराज जैन, नेनमल आर. ज्योत्स्ना, रेखा, लता चौहान एवं अन्य।

DAILY शुभ लाभ Classifieds

CHANGE OF NAME
I, No. JC 735141A Sub Shailesh kumar Singh of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from LOLMATI to LALMATI DEVI

CHANGE OF NAME
I, No. 6943996M Hav ILLYASH AHMED of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Daughter name is changed from JASMEEN to NAHJEEN FATMA

CHANGE OF NAME
I, No. JC 731696K Sub (Hony/Lt) L . Premjit Singha of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Father name is changed from L GOUR CHANDRA SING HA to GOUR CHANDRA SINGHA and also my mother name is changed from L TONU DEVI to TANU DEVI

CHANGE OF NAME
I, No. 15814130F Hav Patil Harishchandra Ananda Rao of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Mother name is changed from SAMPADA to SAMPADA ANANDA PATIL

CHANGE OF NAME
I, Army No.JC 733384M Sub KARTIK PAIK of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO hereby declare that my daughter name Is to be changed from KUMARI AMRITA PAIK to AMRITA PAIK.

CHANGE OF NAME
I, SUNITA DEVI Spouse of Service No.JC 736489F Nb/Sub ANAND SINGH FARSWAN of 1 Trg Bn, AOC Centre, C/o.56 APO, Secunderabad have changed my name from SUNITA DEVI to SUNITA DEVI FARSWAN vide affidavit dt:10-02-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Army No.JC 732665W Sub RANJIT SINGH SAINI of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO hereby declare that my mother name is to be changed from KASMIR KAUR to KASHMIR KAUR.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 158194447A L/Nk DHARAVATH MAHESH of AOC Records, C/o.56 APO, Secunderabad hereby declare that my father name and DOB is to be changed from DHARAVATH SHANKER, DOB:25-10-1973 to SHANKAR DHARAVATH, DOB:25-10-1973 and my mother name and DOB is to be changed from DHARAVATH KAHAKAMNA, DOB:18-07-1975 to DHARAVATH KANAKAMMA, DOB:01-01-1972.

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.15330369L Hav SUNEEL CHAITANYA SUVVARI, Residing at H.No.3-181, Vill and PO:Kinthali, Teh:Ponduru, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532402 that my wife name is to be changed from MANI SUVVARI to MANI GEDDAVALASA and my mother name & DOB is to be changed from ARUNA, DOB:01-07-1965 to SUVVARI ARUNA, DOB:23-7-1963 vide affidavit dt:10-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.16115733N L/Hav DHAMODHARAN R, Residing at H.No.1/6C, Melatheru Street, Manjakollai Vill, K.Valasai Post, Paramakudi Tehsil, Dist: Ramanathapuram, Tamilnadu-623527 that my father name & DOB is to be changed from N RATHAKRISHNAN, DIB:15-02-1965 to RADHAKRISHNAN NAGALINGAM, DOB:15-02-1964 and mother name & DOB is to be changed from KALAIARASI, DOB:31-12-1965 to KALAIYARASI RADHAKRISHNAN, DOB:31-12-1962 vide affidavit dt:10-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-JC-773050A, Rank-SUB, Name- Pawan Kumar R/o EME Depot Bn, Lalbazar, Trimulgherry, Secunderabad, State-Telangana PIN-500015 I have changed my Son name from HARSHA KUMAR to HARSH KUMAR add in my service documents vide affidavit date 10 Feb 2026 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-JC-773050A, Rank-SUB, Name- Pawan Kumar R/o EME Depot Bn, Lalbazar, Trimulgherry, Secunderabad, State-Telangana PIN-500015 I have changed my Mother name from BHAG VANTI to BHAGWANTI and also DOB changed from 01/07/1954 to 01/01/1943 add in my service documents vide affidavit date 10 Feb 2026 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15818325K NK IMRAN KHAN BISALAHALLI of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad C/o.56 APO, my parents name wrongly mentioned in my Service record as father name BABAJANSAB BISALAHALLI instead of BABAJAN ALLABAKSH BISALAHALLI and mother name MUMATAJ instead of MAMATAZ BI BABAJAN BISALAHALLI pls note all concerned.

रेवंत नहीं चाहते परिसीमन

हैदराबाद , 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार को परिसीमन प्रक्रिया को लेकर दक्षिण भारतीय राज्यों द्वारा व्यक्त की गई आशंकाओं पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि यदि परिसीमन केवल जनसंख्या या प्रो-राटा आधार पर किया गया, तो यह दक्षिणी राज्यों के साथ घोर अन्याय होगा। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि इस समस्या का समाधान किसी विवाद के बड़ा होने से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निकाल लेना चाहिए, अन्यथा भविष्य में इसे सुलझाना कठिन हो जाएगा।

अपने आवास पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे और वे मिलकर भविष्य की रणनीति तय करेंगे।

सीटों के अनुपात और उत्तर-दक्षिण संतुलन की चुनौती

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस समस्या का एक संभावित समाधान भी सुझाया। उन्होंने कहा कि लोकसभा

निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या बढ़ाई जा सकती है, लेकिन शर्त यह होनी चाहिए कि उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सीटों का वर्तमान अनुपात या अंतर बरकरार रहे। उनका मानना है कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन किया है, उन्हें सीटों की संख्या में कमी के रूप में सजा नहीं मिलनी चाहिए।

31 मार्च 2027 तक सीमाओं पर मफ्रीजफ

प्रशासनिक सीमाओं के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि 31 मार्च 2027 तक न तो कोई नया जिला बनाया जा सकता है, न ही मौजूदा जिलों को समाप्त किया जा सकता है और न ही उनकी सीमाओं में बदलाव किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने इस तिथि तक सभी सीमाओं को फ्रीज (स्थिर) कर दिया है। उन्होंने कहा कि परिसीमन की प्रक्रिया 31 मार्च 2027 के बाद ही शुरू होगी और तब तक निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन या जिलों के घटाने-बढ़ाने पर रोक रहेगी।

रेवंत रेड्डी ने यह भी संकेत दिया कि तेलंगाना में लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही बढ़ेगी। उन्होंने आने वाले समय को काफी महत्वपूर्ण बताया, क्योंकि केंद्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण लागू करने और 2029 में एक राष्ट्र, एक चुनाव की दिशा में कदम बढ़ाने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप, तेलंगाना में विधानसभा चुनाव अपने निर्धारित समय (2028) के बजाय 2029 में हो सकते हैं।

बीआरएस अभी भी कर रही है फोन टैपिंग : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति के नेताओं पर एक सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा है कि वे अभी भी फोन टैपिंग की गतिविधियों में संलिप्त हो सकते हैं। मंत्री ने यह आरोप तब लगाया जब एडुलापुरम नगरपालिका चुनावों के संबंध में आयोजित एक आधिकारिक समीक्षा बैठक की गोपनीय चर्चा सार्वजनिक रूप से लीक हो गई।

आधिकारिक बैठक की गोपनीयता भंग होने पर मंत्री ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने घोषणा की है कि इस बात की व्यापक जाँच शुरू की जाएगी कि अधिकारियों के साथ उनकी आंतरिक और गोपनीय बातचीत को कैसे इंटरसेप्ट (बीच में रोकना या सुनना) किया गया। उन्होंने इसे सुरक्षा और गोपनीयता का गंभीर उल्लंघन माना है।

पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि इस वायरटैपिंग या सूचना लीक करने के पीछे

जो भी व्यक्ति जिम्मेदार पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि सरकार इस मामले की तह तक जाएगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इसमें अभी भी किसी पुरानी व्यवस्था या बाहरी हस्तक्षेप का हाथ है।

हैदराबाद में भूकंप से दहशत

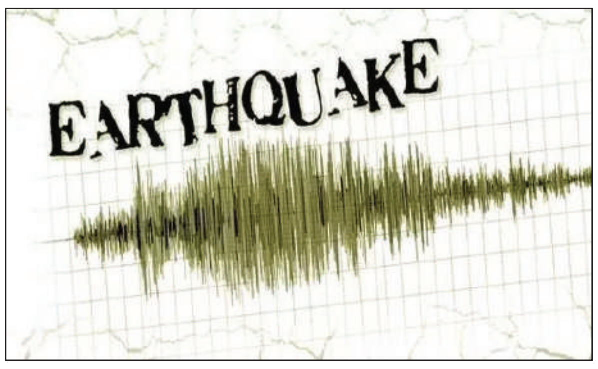

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंगलवार को हैदराबाद के गजुलारामाराम स्थित मेटकानगुडा और आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। यह घटना सुबह लगभग 10:10 बजे की बताई जा रही है, जब स्थानीय निवासियों ने कुछ सेकंड के लिए जमीन में कंपन महसूस किया।मेटकानगुडा के निवासियों के अनुसार, भूकंप के झटकों के साथ एक तेज आवाज भी सुनाई दी। अचानक हुए इस घटनाक्रम से लोग दहशत में आ गए और अपनी सुरक्षा के लिए घरों तथा अपार्टमेंट से बाहर खुले मैदानों में निकल आए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आवाज इतनी तेज थी जैसे जमीन के नीचे कुछ फटा हो।

स्थानीय लोगों में असमंजस की स्थिति

इस घटना ने कुतबुल्लापुर और मेटकानगुडा के गेटेड कम्युनिटीज के लोगों को चिंता में डाल दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये झटके किसी प्राकृतिक भूकंप के कारण थे या पास के इलाकों में होने वाली किसी ब्लास्टिंग (विस्फोट) की वजह से। इस संबंध में अधिकारियों की ओर से आधिकारिक पुष्टि समाचार लिखें जाने तक नहीं हुई है।

नामपल्ली एफएसएल अग्निकांड

कोई महत्वपूर्ण फाइल नष्ट नहीं हुई : डीजीपी

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि नामपल्ली स्थित फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) में लगी आग में किसी भी महत्वपूर्ण मामले की फाइलें नष्ट नहीं हुई हैं। संवेदनशील सबूतों के जलने को लेकर चल रही अटकलों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जाँच अभी जारी है।डीजीपी कार्यालय में नगर निकाय चुनाव की तैयारियों पर समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने वोट के बदले नोट मामले की फाइलों के जलने की खबरों को पूरी तरह निराधार बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले से संबंधित सभी दस्तावेज 2021 में ही अदालत को सौंप दिए गए थे।

सर्वर रूम प्रभावित, डेटा रिकवरी के प्रयास तेज

डीजीपी ने स्वीकार किया कि नामपल्ली एफएसएल का सर्वर रूम आग की चपेट में आया है, जिससे तकनीकी नुकसान हुआ है। हालांकि, उन्होंने भरोसा दिलाया कि बैकअप सिस्टम के माध्यम से डेटा को वापस पाने के लिए टीमें युद्ध स्तर पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा,

भले ही सर्वर रूम प्रभावित हुआ है, लेकिन हम डेटा को पुनर्स्थापित करने के लिए कड़ाई से काम कर रहे हैं।

फोन टैपिंग मामले की रिपोर्ट सौंपी गई

डीजीपी शिवधर रेड्डी ने आगे जानकारी दी कि बहुचर्चित फोन टैपिंग मामले से जुड़ी रिपोर्ट पहले ही संबंधित अधिकारियों को सौंपी जा चुकी है। इसके अतिरिक्त, सात अन्य महत्वपूर्ण मामलों से संबंधित डेटा को फिलहाल रिकवर किया जा रहा है। उन्होंने पारदर्शिता का आश्वासन देते हुए कहा कि जाँच पूरी होने के बाद सभी तथ्य सार्वजनिक किए जाएँगे।

मकतल भाजपा उम्मीदवार की मौत पर स्थिति स्पष्ट

मकतल से भाजपा उम्मीदवार इरुकाली महादेवप्पा की मृत्यु पर प्रतिक्रिया देते हुए डीजीपी ने कहा कि इस मामले में अब तक कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि परिवार के सदस्यों ने भी अभी तक कथित आत्महत्या की परिस्थितियों के बारे में कोई विशिष्ट जानकारी नहीं दी है। पुलिस मामले की गहन जाँच कर रही है और जल्द ही विवरण सामने आएंगे।

अत्तापुर में भीषण आग

90 परिवार सुरक्षित, कारें जलकर खाक

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अत्तापुर क्षेत्र में मंगलवार, 10 फरवरी की सुबह एक कार सर्विस सेंटर में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। पिलर नंबर 185 के पास स्थित आदर्श ऑटोमोटिव्स (मारुति सुजुकी शोरूम) के सर्विस सेंटर में तड़के करीब 1:30 से 1:45 बजे के बीच आग भड़की। इस घटना के कारण आसपास के रिहायशी इलाकों में दहशत फैल गई, जिसके चलते एहतियात के तौर पर लगभग 90 परिवारों को उनके घरों से सुरक्षित बाहर निकाला गया।आग की सूचना मिलते ही राजेंद्रनगर फायर स्टेशन से दो फायर टेंडर तुरंत मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद लपटों पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि स्थानीय निवासियों और पुलिस की मदद से सर्विस सेंटर के भीतर खड़ी अन्य गाड़ियों (लगभग 50-

70 कारें) को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, इस अग्निकांड में तीन कारें पूरी तरह से जलकर खाक हो गई हैं।

आग का कारण: शॉर्ट सर्किट या साजिश?

प्रारंभिक जांच में राजेंद्रनगर पुलिस ने बताया कि आग सर्विस सेंटर के पिछले हिस्से में रखे कबाड़ (स्क्रैप) के ढेर से शुरू हुई थी। अग्निशमन विभाग को संदेह है कि इसका कारण इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट हो सकता है। वहीं, स्थानीय निवासियों ने शोरूम प्रबंधन पर कचरे और पुरानी बैटरियों के असुरक्षित भंडारण का आरोप लगाते हुए लापरवाही की बात कही है। दूसरी ओर, शोरूम संचालकों ने किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर आग लगाने की आशंका जताई है। पुलिस अब सच्चाई का पता लगाने के लिए क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

शहर में बढ़ती आग की घटनाएं और सुरक्षा पर सवाल

हैदराबाद में हाल के दिनों में आग लगने की यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले 7 फरवरी को नामपल्ली स्थित तेलंगाना फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के सर्वर रूम में आग लगी थी। वहीं, नामपल्ली रेलवे स्टेशन के पास एक फर्नीचर स्टोर में लगी आग में पाँच लोगों की दुखद मृत्यु हो गई थी। इन लगातार हो रही घटनाओं ने शहर में फायर सेफ्टी मानकों और सुरक्षा ऑडिट की आवश्यकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेलंगाना नगर पालिका चुनावों के लिए तैयारियां पूरी, आज मतदान

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में बुधवार, 11 फरवरी को होने वाले नगर पालिका और निगम चुनावों के सुचारू संचालन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राज्य भर में 116 नगर पालिकाओं और सात नगर निगमों में सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा।

तेलंगाना राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, नगर पालिकाओं में 2,582 वार्डों के लिए चुनाव हो रहे हैं, जिनमें से 12 वार्ड निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं, एक वार्ड में मतदान स्थगित कर दिया गया है, और शेष 2,569 वार्डों में 6,017 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा। नगर पालिका वार्ड चुनावों में कुल 10,719 प्रत्याशी मैदान में हैं।

नगर निगमों में सात निगमों की 412 वार्डों में मतदान होगा, जिनमें से दो वार्ड निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। 2,174 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं और 2,225 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

कुल मतदाता संख्या 52,17,413 है, जिसमें 25,49,750 पुरुष, 26,67,025 महिलाएं और 638 अन्य शामिल हैं। कुल

मिलाकर लगभग 12,930 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं।

आयोग ने 1,379 रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किए हैं और 41,773 मतदान कर्मियों की तैनाती की गई है। 8,100 से अधिक मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की सुविधा की व्यवस्था की गई है और 16,382 मतपेटियों का उपयोग किया जाएगा।

कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए, पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी ने कहा कि लगभग 25,000 पुलिस कर्मियों की तैनाती के साथ व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि मतदाता बिना किसी भय के अपने मत का प्रयोग कर सकते हैं, और मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

आदर्श आचार संहिता लागू करने के हिस्से के रूप में, अधिकारियों ने 4,300 से अधिक व्यक्तियों को बांड पर लिया है, 1,183 लाइसेंसी हथियार जब्त किए हैं, 398 गैर-जमानती वारंट जारी किए हैं, जिलों और राज्य सीमाओं पर 75 चेक पोस्ट स्थापित की हैं और 181 उड़ान दस्ते तैनात किए हैं। अब तक 3 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की नकदी और अन्य सामग्री जब्त की जा चुकी है और चुनाव आचार उल्लंघन से संबंधित 142 मामले दर्ज किए गए हैं।

अवकाश की घोषणा: 13 फरवरी को परिणाम

इस बीच, राज्य सरकार ने चुनाव होने वाले नगर पालिकाओं और नगर निगमों में बुधवार को अवकाश घोषित किया है।

संबंधित नगर पालिका सीमाओं के भीतर कारखानों, दुकानों, उद्योगों और कर्मचारियों पर यह अवकाश लागू होगा, ताकि मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। नगर पालिका चुनावों के परिणाम 13 फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

1 मार्च से बिना लाइसेंस वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करेगी हैदराबाद पुलिस

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस 1 मार्च से वैध ड्राइविंग लाइसेंस के बिना वाहन चलाने वालों के खिलाफ लगातार विशेष अभियान शुरू करने जा रही है। यह जानकारी मंगलवार, 10 फरवरी को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गई।

वाहन चालकों को लाइसेंस साथ रखने की सलाह

पुलिस ने यात्रियों और वाहन चालकों को सलाह दी है कि वे वाहन चलाते समय हमेशा वैध ड्राइविंग लाइसेंस अपने पास रखें। जिन लोगों के पास अभी तक लाइसेंस नहीं है, उनसे सड़क परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) के माध्यम से जल्द से जल्द लाइसेंस प्राप्त करने का आग्रह किया गया है।

ट्रैफिक पुलिस ने वाहन मालिकों को चेतावनी दी है कि वे बिना वैध लाइसेंस वाले किसी भी व्यक्ति को वाहन चलाने की अनुमति न दें, क्योंकि ऐसा करना भी कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है।

दुर्घटना की स्थिति में नहीं मिलेगा बीमा लाभ

पुलिस के अनुसार, यदि बिना वैध लाइसेंस के वाहन चला रहा व्यक्ति किसी दुर्घटना में शामिल होता है, तो बीमा का दावा मान्य नहीं होगा।

इससे संबंधित व्यक्ति को गंभीर वित्तीय और कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ सकता है।ट्रैफिक पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें और सुरक्षित एवं जिम्मेदार वाहन संचालन सुनिश्चित करें।

तेलंगाना सरकार पीएमजीएसवाई चरण-4 के तहत 642 किमी ग्रामीण सड़कों के लिए केंद्रीय निधि मांगेगी

हैदराबाद, 10 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजी एसवाई) के चौथे चरण के तहत राज्य भर में 227 बस्तियों में 642 किमी सड़कों के निर्माण के लिए निधि स्वीकृत कराने हेतु केंद्र को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया है, जहां वर्तमान में उचित सड़क कनेक्टिविटी का अभाव है।

इस संबंध में मंगलवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में एक राज्य स्तरीय स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने की और विशेष मुख्य सचिव विकास राज, प्रधान सचिव एन. श्रीधर और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए, मुख्य सचिव ने कहा कि पीएमजीएसवाई के पहले तीन चरणों के तहत तेलंगाना को स्वीकृत सड़क और पुल कार्य पूरे हो चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों को 227 अकनेक्टेड बस्तियों में 642.23 किमी सड़कों को कवर करने वाले चरण खत के प्रस्तावों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

पंचायत राज और ग्रामीण विकास के प्रधान सचिव एन. श्रीधर ने समिति को सूचित किया कि प्रस्तावित सड़क कार्यों में से लगभग 148 किमी, जो 34 मार्गों पर फैले हुए हैं, को वन मंजूरी की आवश्यकता है।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ
R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive....................
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.